।। श्री हरिः ।।

नमामि देवी नर्मदे

अमृत दर्शन

RNI No. MPHIN /2004 /13927

वर्ष - 21 अंक - 66

नर्मदापुरम
गुरुवार, 19 दिसंबर 2024

● पृष्ठ : 8 ● मूल्य : 1 रुपया

Website : www.amritdarshan.com

नर्मदापुरम का प्रथम हिन्दी दैनिक

खास बात

यह एक विश्वव्यापी सत्य है कि जीवन में कोई भी व्यक्ति परफेक्ट नहीं होता। हर किसी में कुछ न कुछ कमियां अवश्य होती हैं। लेकिन अगर व्यक्ति न सिर्फ उन कमियों को पहचानें, बल्कि उन्हें स्वीकार करके अपनी कमियों को ही अपनी खूबी बना लेता है तो कोई भी उन्हें सफल होने से नहीं रोक सकता।

रियल एस्टेट कारोबारियों के 52 ठिकानों पर छापा, 10 लॉकर्स मिले, 3 करोड़ जब्त

भोपाल ■ विप्र

भोपाल में रियल एस्टेट कारोबारी त्रिशूल कंस्ट्रक्शन कंपनी के मालिक राजेश शर्मा के ठिकानों पर आयकर विभाग ने छापा मारा है। उनसे जुड़े लोगों के ठिकानों पर भी रेड की गई है। आयकर विभाग के अधिकारियों के मुताबिक, बुधवार सुबह 6.45 बजे एक साथ ये कार्रवाई की गई।

जांच टीम को राजेश शर्मा के अब तक 10 लॉकर्स की जानकारी मिली है। इसके अलावा भारी मात्रा में ज्वेलरी मिली है। इसका वैल्यूएशन किया जाना बाकी है।

टीम ने भोपाल, ग्वालियर और इंदौर में 52 ठिकानों पर छापेमारी की है। इनमें से 49 ठिकाने भोपाल के हैं, इंदौर में 2 और ग्वालियर में 1 बिल्डर के यहां छापा मारा गया है।

आयकर विभाग की टीम ने अब तक की जांच में 3 करोड़ रुपए कैश जब्त किए हैं। इसमें 1 करोड़ 20 लाख रुपए एक अन्य बिल्डर के यहां से जब्त हुए हैं। इसके अलावा सभी बिल्डरों के यहां की गई छापेमारी में भारी संख्या में दस्तावेज, मोबाइल, कंप्यूटर हार्ड डिस्क डेटा मिला है, जिसे जब्त कर लिया गया है।

भोपाल के अलावा इंदौर, ग्वालियर में भी छापे

भोपाल में नीलबड़, एमपी नगर, कस्तूरबा नगर, होशंगाबाद रोड, 10 नंबर मार्केट, मेंडोरी, मेंडोरा, आरपीएम टाउन में अलग-अलग ठिकानों पर जांच की गई। इंदौर में भी त्रिशूल कंस्ट्रक्शन के आदित्य गर्ग के यहां छापेमारी हुई। ग्वालियर में रामवीर सिकरवार के यहां छापे की कार्रवाई की गई है।

बिल्डर के ठिकाने से मिले 5 एकड़ जमीन के दस्तावेज

भोपाल में रियल एस्टेट कारोबारी क्वालिटी ग्रुप, ईशान ग्रुप और राजेश शर्मा के त्रिशूल कंस्ट्रक्शन ग्रुप पर छापेमारी हुई है। वहीं, ग्वालियर में रामवीर सिकरवार के यहां छापे डाले गए हैं। रामवीर के यहां कुछ महीने पहले ईडी की रेड भी पड़ चुकी है। रामवीर प्रॉपर्टी खरीदने और बेचने का काम करते हैं। उनके पास से 5 एकड़ जमीन खरीदने के दस्तावेज भी मिले हैं।

आयकर विभाग के अफसरों के मुताबिक जिन बिल्डर्स के यहां गड़बड़ी के बाद छापेमारी की कार्रवाई की गई है, वे सभी जमीन की खरीद-फरोख्त करते हैं और होटल सेक्टर में इन्वेस्ट करते हैं।

नीलकमल बोट समुद्र में डूबी, 3 नौसेना कर्मियों समेत 13 की मौत, 101 को बचाया

मुंबई ■ एजेंसी

महाराष्ट्र के मुंबई में गेटवे ऑफ इंडिया से एलिफेंटा जा रही नीलकमल बोट बीच समुद्र में डूब गई। 80 लोगों की क्षमता वाली बोट में 100 से ज्यादा यात्री सवार थे, जिसमें से 13 लोगों की मौत हो गई है। 101 लोगों का रेस्क्यू किया जा चुका है। हादसा उरण के पास बुधवार शाम करीब 3ः55 बजे हुआ। मुंबई से एलिफेंटा गुफाओं की ओर जाते समय अरब सागर में बुचर द्वीप के पास नौसेना की गश्ती स्पीड बोट ने

नाव को टक्कर मार दी। इससे नाव में पानी भर गया और वह डूब गई।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने 8ः25 बजे विधानसभा में जानकारी दी कि मरने वाले 13 लोगों में से 10 आम लोग हैं जबकि 3 नेवी के कर्मचारी हैं। रेस्क्यू किए गए लोगों को छह अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। दो लोगों की हालत गंभीर है। राज्य सरकार सभी मृतकों के परिजन को 5 लाख रुपए की सहायता राशि देगी। पुलिस और नेवी मिलकर हादसे की जांच करेगी।

जानकारी के मुताबिक, नौसेना, जवाहरलाल नेहरू पोर्ट ट्रस्ट, तटरक्षक बल, यलोगेट पुलिस स्टेशन 3 और स्थानीय मछली पकड़ने वाली नौकाओं की मदद से राहत और बचाव कार्य को अंजाम दिया गया।

संक्षिप्त समाचार

महाकालेश्वर मंदिर की दान पेटी से निकला 1 अरब 65 करोड़ का दान

उज्जैन । विश्व प्रसिद्ध ज्योतिर्लिंग महाकाल मंदिर भी अब दुनियाभर के अन्य बड़े मंदिरों की तरह बाबा महाकाल की संपत्ति भी लगातार बढ़ती जा रही है। हाल ही में मंदिर प्रबंध समिति देश-विदेश से उमड़े लाखों भक्तों द्वारा चढ़ाए गए नकद दान राशि और सोने-चांदी की गिनती व तोल किया तो पता चला कि 1 जनवरी 2024 से 13 दिसंबर 2024 तक बाबा महाकाल के श्रद्धालुओं 1 अरब 65 करोड़ रुपए का दान बाबा महाकाल को अर्पित किया है।

नाम बदलकर रेप, कहा-शादी करना हो तो धर्म बदलो

भोपाल। भोपाल के कोलार इलाके में रहने वाली युवती के साथ लव जिहाद का मामला सामने आया है। एक युवक ने नाम बदलकर उससे मुलाकात की। फिर शादी का झांसा देकर संबंध बनाए। युवती का आरोप है कि पिछले दिनों आरोपी ने शादी के नाम पर उस पर इस्लाम धर्म अपनाने का दबाव डाला। पीड़िता ने जब इस्लाम धर्म अपनाने से इनकार किया तो आरोपी ने उससे रिश्ता तोड़ लिया। जिसके बाद बुधवार को वह %संस्कृति बचाओ% मंच के कार्यकर्ताओं को लेकर कोलार थाना पहुंची। युवती की शिकायत पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली है। पीड़ित युवती की उम्र करीब 25 साल है। वह प्राइवेट जॉब करती है। चार साल पहले अनजान नंबर से उसे कॉल आना शुरू हुए थे।

पीएम मोदी से सीखा जा सकता है कठिनाइयों में सर्वोत्तम प्रदर्शन करना -मुख्यमंत्री

खिलाड़ियों का किया सम्मान और 25.389 करोड़ की दी प्रोत्साहन राशि

भोपाल ■ विप्र

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन सर्वोत्तम तरीके से खिलाड़ी ही करते हैं। प्रतिभा का प्रदर्शन खिलाड़ी विभिन्न क्षेत्रों में करते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी से कठिनाइयों में भी सर्वोत्तम प्रदर्शन करने की कला सीखी जा सकती हैं। उन्होंने वर्तमान में खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व और मार्गदर्शन में हमारे खिलाड़ी बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। अब तो हमारे खिलाड़ी निशाना भी सीधे पदक पर ही लगाते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव टीटी नगर स्टेडियम में %खेल प्रतिभाओं का सम्मान और प्रोत्साहन समारोह% को संबोधित कर रहे थे। समारोह में 1 हजार 786 खिलाड़ियों को 25.389 करोड़ रूपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की गयी। खिलाड़ियों को किट भी वितरित किये गये।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश सरकार खेल एवं खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिये हर कदम पर उनके साथ खड़ी है। नयी शिक्षा नीति में खेलों को भी पाठ्यक्रम में शामिल किया गया है। स्पोर्ट्स टीचर की पदोन्नतियों के रास्ते खोले गये हैं। उच्च शिक्षा में स्पोर्ट्स टीचर सहायक प्राध्यापक एवं उसके बाद की भी पदोन्नतियां पा सकते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि खिलाड़ियों को प्रोत्साहन राशि सीधे उनके खातों में प्रदान की जा रही है, जिससे कि वे उनके प्रशिक्षण में सहायक सिद्ध हो सकें। इससे खिलाड़ी और बेहतर प्रदर्शन कर प्रदेश और देश का नाम रौशन कर सकेंगे। उन्होंने अपेक्षा की कि अपनी प्रतिभा के दम पर और बेहतर प्रदर्शन के लिये संकल्पित होकर खिलाड़ी निरन्तर प्रयत्नशील रहेंगे।

अभाव और प्रभाव में भी हॉकी के सिरमौरः मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारे देश के खिलाड़ियों में प्रतिभा की कभी भी कमी नहीं रही है। जब खिलाड़ियों के पास संसाधनों की कमी होती थी, तब भी मेजर ध्यानचंद जैसे प्रतिभावान खिलाड़ियों ने नंगे पैर खेलकर भी देश को स्वर्ण पदक दिलाये हैं। आज जब हमारा देश प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में प्रभावशाली देश बनकर उभर रहा है।

मुख्यमंत्री अक्षय पात्र फाउंडेशन के कार्यक्रम में होंगे शामिल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 19 दिसम्बर को अक्षय पात्र फाउंडेशन द्वारा आयोजित मिड-डे मिल के कार्यक्रम में शामिल होंगे। कार्यक्रम में फाउंडेशन द्वारा एक करोड़ वीं थाली में भोजन परोसने का कीर्तिमान बनेगा। कार्यक्रम का आयोजन बावड़ियां कलां भोपाल में सुबह 9 बजे होगा।

छतरपुर में किसान सम्मेलन में शामिल होंगे

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव गुरूवार 19 दिसंबर 2024 को छतरपुर जिले के सटई स्टेडियम प्रांगण में केन-बेतवा लिंक परियोजना के तहत आयोजित किसान सम्मेलन में शामिल होंगे। उल्लेखनीय है कि 11 से 26 दिसम्बर तक जन-कल्याण पर्व मनाया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव दोपहर 1 बजे आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में विभिन्न विकास कार्यों का भूमि-पूजन एवं लोकार्पण करेंगे।

कांग्रेस के हंगामे के बीच 22,224 करोड़ का अनुपूरक बजट पारित

सदन की कार्यवाही स्थगित, विधायक ने दिया धरना

भोपाल ■ विप्र

मध्यप्रदेश विधानसभा में बुधवार को चार घंटे से ज्यादा चली चर्चा के बाद और कांग्रेस के हंगामे के बीच करीब 22, 224 करोड़ का अनुपूरक बजट पारित कर दिया गया। इसके बाद विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने सदन की कार्यवाही गुरुवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी। इससे पहले अनुपूरक बजट पर चर्चा के दौरान कई मुद्दों पर पक्ष-विपक्ष के सदस्यों के बीच नोकझोंक और बहस देखने को मिली। संसद में केंद्रीय मंत्री अमित शाह के दिए बयान पर भी हंगामा हुआ। इधर, रतलाम के सैलाना से भारतीय आदिवासी पार्टी के विधायक कमलेश्वर डोडिया कड़ाके की ठंड के बीच विधानसभा परिसर में धरने पर बैठे हैं।

विधानसभा अध्यक्ष ने वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा को जवाब देने के लिए बुलाया तो कांग्रेस विधायकों ने हंगामा शुरू कर दिया। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार समेत कांग्रेस विधायकों का कहना था कि जल्दी क्या है, कल भी इस पर चर्चा हो सकती है, लेकिन अध्यक्ष ने वित्त मंत्री को बजट पर जवाब देने के लिए कहा।

नेता प्रतिपक्ष ने आरोप लगाया कि मुझे बोलने का मौका नहीं दिया गया। विपक्ष के विरोध के बाद विधानसभा अध्यक्ष ने नियम का हवाला देते हुए कहा कि कार्यवाही आगे बढ़ गई है, इसलिए वित्त मंत्री का जवाब जारी रहेगा। वित्त मंत्री के संबोधन के दौरान कांग्रेस का विरोध जारी रहा और सभी कांग्रेस विधायक नेता प्रतिपक्ष के सीट के पास आकर विरोध जताने लगे।

अंतर्मना उवाच

कुछ पाने या जानने का मतलब है, निरंतर अभ्यास ऐसे बनाये रखना... जैसे नदी का बहता पानी..!

मनुष्य किस्मत की डायरी में क्या क्या लिखवाकर आया है, यह तो उसका कर्म और परमात्मा ही जान सकता है। लेकिन **किस्मत की डायरी के पृष्ठों को यदि बदलना है तो निरंतर प्रयास, अभ्यास और सही दिशा की ओर की गई मेहनत ही जीवन की धारा को मोड़ सकती है।** चूंकि यह आलसी अजगरा नन्दो का समय नहीं, बल्कि यह सदी रेत से तेल निकालने वालों की है। मतलब यह परिश्रम की सदी है, मेहनत करने का वक्त है।

परिश्रम और प्रयास में एक बात का सदा ध्यान रखना - जोश, जुनून और जागरूकता के साथ निरंतर उस दिशा में में अभ्यास बहुत ज़रूरी है, जिस दिशा में हम को मंजिल पाना है। बहुत मेहनत करें पर खूब लगन अभ्यास के साथ। अभ्यास से तात्पर्य है कि निरंतरता, जोश और जूनून बना रहे। कहीं ऐसा नहीं हो कि दो-तीन दिन तो उत्साह से किया, फिर ठीक है कर लेते हैं। फिर सात दिन बाद चलो कर आते हैं, फिर 10 दिन जब मन हुआ तब चले गये और काम सल्टाकर आ गये। जैसे नदी का पानी निरंतर गतिशील रहता है। जैसे हम आप 24 घंटे स्वांस लेते हैं, कहीं उसमें ब्रेक नहीं देते। वैसे ही कार्य की सफलता के लिए निरंतर अभ्यास बहुत ज़रूरी है। यदि हमने जोश जुनून के साथ अभ्यास नहीं किया तो वह सफलता ऐसी ही होगी जैसे देख तो पीछे रहे हैं और दौड़ आगे रहे हैं। जैसे **हिरण शेर से तेज दौड़ती है लेकिन वह हिरण शेर की शिकार बन जाती है, क्यों ...?** क्योंकि शेर जानता है कि उसे छलांग कब लगाना है । उसी प्रकार सफलता के लिये कब छलांग लगाना है यह आपका अभ्यास ही तय करेगा।

सौ बात की एक बात --

पानी की एक एक बूंद बड़े बड़े पत्थर में भी छेद कर देती है, निरंतर अभ्यास से...!!!

■ अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज

मनरेगा में बहुत बड़ी राशि केंद्र सरकार देती है, जिसका सदुपयोग हो - शिवराज सिंह

नईदिल्ली ■ एजेंसी

केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा आज ग्रामीण विकास और कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री शिवराज सिंह की अध्यक्षता में, महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोज़गार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) को और सुदृढ़ बनाने के लिए ब्रेनस्टार्मिंग सत्र का आयोजन किया गया। केंद्रीय मंत्री श्री चौहान ने मनरेगा वर्कर्स, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों-पदाधिकारियों, लगभग 20 राज्यों के कमिश्नर व अन्य अधिकारियों, जिलों, ब्लॉकों एवं ग्राम पंचायतों के अधिकारियों के साथ सीधी चर्चा की। इस कार्यक्रम में ग्रामीण विकास मंत्रालय के प्रमुख हितधारकों में राज्य मंत्री श्री कमलेश पासवान और डॉ. चंद्रशेखर पेम्मासानी, सचिव (ग्रामीण विकास) श्री शैलेश कुमार सिंह, अतिरिक्त सचिव (ग्रामीण विकास) श्री टी.के.अनिल कुमार, संयुक्त सचिव (ग्रामीण

रोजगार) सुश्री रोहिणी आर. भाजीभाकरे और मंत्रालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारी तथा विभिन्न राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों और कई नागरिक समाज संगठनों (एनजीओ) के अन्य हितधारकों ने भाग लिया।

केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना के संबंध में प्रतिनिधियों ने महत्वपूर्ण सुझाव दिए। श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि हमारे गरीब भाइयों-बहनों के लिए मनरेगा बहुत महत्वपूर्ण योजना है, जिसे और बेहतर बनाने के लिए संबंधित लोगों के साथ संवाद कर सुझाव लिए जा रहे हैं।

गडकरी-सिंधिया समेत 20 सांसदों को नोटिस भेजेगी भाजपा

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, ज्योतिरादित्य सिंधिया और गिरिराज सिंह समेत 20 सांसदों को नोटिस भेजेगी। ये सांसद मंगलवार को %एक देश, एक चुनाव बिल पेश होने के दौरान लोकसभा में मौजूद नहीं थे। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार भाजपा ने 3 लाइन का व्हिप जारी करके पार्टी के सभी सांसदों को बिल पेश होने के दौरान लोकसभा में मौजूद रहने के निर्देश दिए थे। इसकी अवहेलना करने पर सांसदों को नोटिस भेजकर कारण पूछा जाएगा। हालांकि अभी इस बात की पुष्टि नहीं हो पाई है कि इन सभी सांसदों ने पार्टी को अपनी अनुपस्थिति के बारे में पहले से सूचित किया था या नहीं।

अंबेडकर-आरक्षण बयान पर शाह ने कहा - मेरा बयान तोड़ा-मरोड़ा गया

नईदिल्ली ■ एजेंसी

राज्यसभा में अंबेडकर को लेकर अपनी टिप्पणी पर गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर सफाई दी। कहा- %संसद में बात तथ्य और सत्य के आधार पर होनी चाहिए। भाजपा के सदस्यों ने ऐसा ही किया। जब साबित हो गया कि कांग्रेस अंबेडकर विरोधी पार्टी है, आरक्षण विरोधी है, संविधान विरोधी है, तो कांग्रेस ने अपनी पुरानी रणनीति अपनाते हुए बयानों को तोड़ना-मरोड़ना शुरू कर दिया।

खड़गेजी इस्तीफा मांग रहे हैं, उन्हें आनंद हो रहा है तो शायद मैं दे भी दूं पर उससे उनका काम नहीं बनना है। अभी 15 साल तक उन्हें

जहां हैं, वहीं बैठना है, मेरे इस्तीफे से उनकी दाल नहीं गलने वाली।

इससे पहले खड़गे ने बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर पर अमित शाह की टिप्पणी को लेकर बुधवार शाम करीब साढ़े चार बजे प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी से मांग की कि गृह मंत्री अमित शाह को रात 12 बजे से पहले बर्खास्त कर दें। उन्होंने आरोप लगाया कि मोदी और शाह एक-दूसरे के पापों और बातों का बचाव करते हैं। दरअसल, गृह मंत्री शाह ने मंगलवार को राज्यसभा में संविधान पर चर्चा के दौरान कहा था , %अभी एक फैशन हो गया है। अंबेडकर, अंबेडकर... इतना नाम अगर भगवान का लेते तो सात जन्मों तक स्वर्ग मिल जाता। कांग्रेस ने इसे अंबेडकर का अपमान बताते हुए शाह के इस्तीफे की मांग की है।

अमित शाह ने कहा कि कांग्रेस अंबेडकर विरोधी पार्टी है, आरक्षण विरोधी है, संविधान विरोधी है। पार्टी ने सावरकर का भी अपमान किया, आपातकाल लगाकर संविधान के सारे मूल्यों की धज्जियां उड़ा दीं, कांग्रेस ने नारी सम्मान को भी सालों दरकिनार किया।

पुतिन सरकार ने कहा- 2025 से रूस के नागरिकों को मुफ्त लगाएंगे

कैंसर की वैक्सीन हुई तैयार, रूस का दावा 2025 में हो सकती है लॉन्च

रूस के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि हमने कैंसर की वैक्सीन बनाने में सफलता हासिल कर ली

मॉस्को। ■ एजेंसी

कैंसर की बीमारी से पूरी दुनिया परेशान है। इसी रूस के स्वास्थ्य मंत्रालय ने दावा किया है कि उसने कैंसर की वैक्सीन तैयार कर ली है। ऐसे में यह खबर पूरा दुनिया के लिए राहत भरी है। रूस का कहना है कि वह फ्री में अपने सभी नागरिकों को यह वैक्सीन लगाएगा। रूसी स्वास्थ्य मंत्रालय के रेडियोलॉजी मेडिकल रिसर्च सेंटर के जनरल डायरेक्टर एंड्री काप्रिन ने रूसी रेडियो चैनल पर इस वैक्सीन को लेकर जानकारी दी। रूसी स्वास्थ्य मंत्रालय ने घोषणा की कि उसने कैंसर के खिलाफ एक टीका विकसित किया है जिसे 2025 की शुरुआत से रूस के कैंसर रोगियों को मुफ्त में लगाया जाएगा। इससे पहले इस साल की शुरुआत में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने बताया था कि रूस कैंसर की वैक्सीन बनाने के बेहद करीब है।

वैक्सीन का अभी तय नहीं हुआ नाम

डेली मेल की खबर के मुताबिक रूस से स्वास्थ्य मंत्रालय ने दावा किया है कि उन्होंने कैंसर की वैक्सीन विकसित कर ली है। रिपोर्ट के अनुसार यह वैक्सीन कैंसर मरीजों के इलाज के लिए होगी। हालांकि इसका इस्तेमाल ट्यूमर को रोकने के लिए नहीं होगा। इससे पहले रूस की ओर से जो बयान सामने आया था उसमें कहा गया कि वैक्सीन के हर शॉट को व्यक्तिगत रूप से मरीज के लिए तैयार किया गया है। पश्चिमी देशों में भी ऐसी ही वैक्सीन तैयार की जा रही है। रूस ने जो वैक्सीन तैयार की है उसका अभी नाम तय नहीं हुआ है।

क्या कैंसर के खिलाफ पहली वैक्सीन?

बता दें कि 2023 में यूके सरकार ने व्यक्तिगत रूप से कैंसर उपचार विकसित करने के लिए एक जर्मन जैव प्रौद्योगिकी कंपनी के साथ एक अनुबंध पर हस्ताक्षर किया। इसके अलावा मॉडर्ना और मर्क एंड कंपनी वर्तमान में त्वचा कैंसर के टीके पर काम कर रही हैं। बाजार में कुछ और टीके पहले से मौजूद हैं। ह्यूमन पेपिलोमावायरस के खिलाफ टीके सर्वाइकल कैंसर को रोकने में मदद करते हैं। बता दें कि रूस में 2022 में कैंसर मरीजों के 635,000 से अधिक मामले दर्ज किए गए थे। यहां स्तन, कोलन और फेफड़ों के कैंसर के मामले सबसे आम बात हैं।

क्या होती है एमआरएमए वैक्सीन

एमआरएनए या मैसेंजर आरएनए इंसानों के जेनेटिक कोड का एक छोटा सा हिस्सा है, जो हमारी सेल्स (कोशिकाओं) में प्रोटीन बनाती है। इसे आसान भाषा में ऐसे भी समझ सकते हैं कि जब हमारे शरीर पर कोई वायरस या बैक्टीरिया हमला करता है तो MRNA टेक्नोलॉजी हमारी सेल्स को उस वायरस या बैक्टीरिया से लड़ने के लिए प्रोटीन बनाने का मैसेज भेजती है। इससे हमारे इम्यून सिस्टम को जो जरूरी प्रोटीन चाहिए, वो मिल जाता है और हमारे शरीर में एंटीबॉडी बन जाती है। इसका सबसे बड़ा फायदा ये है कि इससे कन्वेंशनल वैक्सीन के मुकाबले ज्यादा जल्दी वैक्सीन बन सकती है। इसके साथ ही इससे शरीर की इम्युनिटी भी मजबूत होती है। द्वत्र्ह्र टेक्नोलॉजी पर आधारित यह कैंसर की वैक्सीन पहली वैक्सीन है।

भाजपा विधायक अभिलाष पांडे के सवाल पर मंत्री ने दी जानकारी

सरकार तक पहुंचे मरीजों से अवैध वसूली के 311 केस

भोपाल ■ निसं

प्रदेश में निजी अस्पतालों द्वारा मरीजों के परिजनों से उपचार के नाम पर मोटी रकम वसूली जा रही है। इस तरह की गड़बड़ी और अन्य अनियमितताओं की स्वास्थ्य विभाग के पास एक साल में कुल 311 शिकायतें पहुंची हैं। इन शिकायतों पर मुख्य चिकित्सा और स्वास्थ्य अधिकारियों के माध्यम से कार्यवाही की गई है। अलग-अलग गड़बड़ी के मामले में प्रदेश के 654 नर्सिंग होम संचालकों को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं। साथ ही 156 नर्सिंग होम का रजिस्ट्रेशन रद्द किया गया है। सरकार ने यह जानकारी विधानसभा में बीजेपी विधायक अभिलाष पांडेय के सवाल के जवाब में दी है। लोक स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा विभाग के उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने बताया कि निजी अस्पतालों की निगरानी की जा रही है।

प्रदेश के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी व सुपरविजन अफसर, म.प्र. उपचर्यागृह और रूजोपचार संबंधी स्थापनाएं (रजिस्ट्रीकरण तथा अनुज्ञापन) अधिनियम के अंतर्गत ऐसे मामलों में जांच और कार्रवाई कर रहे हैं। साल 2024-25 में अप्रैल से अब तक प्रदेश में रजिस्टर्ड 2354 नर्सिंग होम का इंस्पेक्शन किया गया है। इसके बाद 654 नर्सिंग होम संचालकों को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं। साथ ही 156 नर्सिंग होम का रजिस्ट्रेशन रद्द किया गया है। इसके अतिरिक्त आयुष्मान भारत निरामयम योजनांतर्गत निजी चिकित्सालयों की एनएचए, एसएचए द्वारा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेस्क ऑडिट और थर्डपार्टी ऑडिट एजेंसी द्वारा फील्ड ऑडिट के माध्यम से निगरानी की जा रही है। मंत्री शुक्ल ने कहा कि प्रदेश के निजी अस्पतालों के लिए विनियामक म.प्र. उपचर्यागृह और रूजोपचार संबंधी स्थापनाएं (रजिस्ट्रीकरण तथा अनुज्ञापन) अधिनियम 1973 तथा नियम 1997 (यथासंशोधित) 2021 में के अंतर्गत मरीजों के उपचार की शुल्क सूची सार्वजनिक करने का प्रावधान है और इसके निर्देश भी जारी किए गए हैं।

भोपाल रेलवे स्टेशन पर खाद्य सुरक्षा की बड़ी कार्रवाई

खराब गुणवत्ता के खाद्य पदार्थ नष्ट करवाए

भोपाल ■ निसं

मंडल रेल प्रबंधक श्री देवाशीष त्रिपाठी के मार्गदर्शन में भोपाल रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की स्वास्थ्य सुरक्षा के मद्देनजर एक विशेष औचक निरीक्षण अभियान चलाया गया। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री सौरभ कटारिया के निर्देशन में एक टीम जिसमें स्टेशन प्रबंधक (वाणिज्य) श्री ए.के. खरे, सहायक मुख्य वाणिज्य पर्यवेक्षक श्री फईम उद्दीन, और कैटरिंग इंस्पेक्टर शामिल थे ने छापेमारी की कार्यवाही को अंजाम दिया।

इस अभियान के दौरान भोपाल रेलवे स्टेशन पर मौजूद कैटरिंग स्टालों से खराब गुणवत्ता के खाद्य पदार्थ जब्त किए गए। जब्त सामग्री में बासी, समाप्ति तिथि पार किए हुए और अनियमित ढंग से संग्रहित खाद्य पदार्थ शामिल थे, जिनसे यात्रियों के स्वास्थ्य पर खतरा पैदा हो सकता था।

8 से 10 स्टालों से जब्त किए गए खाद्य पदार्थों में पोहा, इडली, उपमा, बिरयानी, समोसा, ढोकला, कचौरी, ऑमलेट, आलू पराठा और भाजी वड़ा जैसे नाश्ते शामिल थे। इसके अलावा, निरीक्षण के दौरान अन्य खाद्य सामग्री भी पकड़ी गई। सभी जब्त खाद्य पदार्थों को मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षक की निगरानी में नष्ट कर दिया गया ताकि यात्रियों के स्वास्थ्य पर कोई प्रतिकूल प्रभाव न पड़े।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री सौरभ कटारिया ने यात्रियों को स्वच्छ और सुरक्षित भोजन उपलब्ध कराने की प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा स्वच्छ और गुणवत्तापूर्ण भोजन हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। खाद्य सुरक्षा में लापरवाही को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

यह अभियान भारतीय रेलवे द्वारा यात्रियों के स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए चलाए जा रहे सतत प्रयासों का हिस्सा है। भोपाल रेल मंडल समय-समय पर ऐसे निरीक्षण अभियान करता रहेगा ताकि स्टेशन पर उपलब्ध भोजन की गुणवत्ता को सर्वोत्तम बनाया जा सके।

संक्षिप्त समाचार

रानी कमलापति-अगरतला-रानी कमलापति एक्सप्रेस निरस्त

भोपाल। रेल प्रशासन द्वारा अपरिहार्य कारणों से गाड़ी संख्या 01665/01666 रानी कमलापति-अगरतला-रानी कमलापति साप्ताहिक एक्सप्रेस स्पेशल ट्रेन को 06-06 ट्रिप निरस्त करने का निर्णय लिया गया है। जिसके अनुसार गाड़ी संख्या 01665 रानी कमलापति-अगरतला साप्ताहिक एक्सप्रेस स्पेशल ट्रेन दिनांक 09.01.2025 से 20.02.2025 तक 06 ट्रिप तथा गाड़ी संख्या 01666 अगरतला-रानी कमलापति साप्ताहिक एक्सप्रेस स्पेशल ट्रेन दिनांक 12.01.2025 से 23.02.2025 तक 06 ट्रिप अपने प्रारंभिक स्टेशन से निरस्त रहेगी। यात्रियों से अनुरोध है कि असुविधा से बचने के लिए रेलवे द्वारा अधिकृत रेलवे पूछताछ सेवा हृअश्वस/139 से गाड़ी की सही स्थिति की जानकारी पता करके तदनुसार यात्रा प्रारम्भ करें।

कांग्रेस विधायकों ने किया चाय केतली और पोस्टर के साथ प्रदर्शन

भोपाल। कांग्रेस के सदस्यों ने बुधवार को राज्य विधानसभा में बेरोजगारी के विरोध में अनूठा प्रदर्शन किया। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिघार की अगुवाई में सभी कांग्रेस सभी सदस्यों ने विधानसभा परिसर में चाय की केतली और पोस्टर लेकर प्रदर्शन किया। इस अनोखे प्रदर्शन को लेकर नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा कि सरकार ने युवाओं को 2 लाख नौकरी देने का वादा किया था लेकिन वो पूरा नहीं हुआ। पुलिस, संविदा शिक्षक और डॉक्टरों की भर्तियां रुकी पड़ी हैं। ये सरकार बच्चों को पढ़ाने के बाद नौकरियां नहीं देना चाहती है। विधानसभा के शीतकालीन सत्र के तीसरे दिन कांग्रेस विधायकों ने युवाओं की बेरोजगारी के मुद्दे को प्रमुखता से उठाया।

हमीदिया अस्पताल में होगी छटनी! स्वीकृत पदों से अधिक स्टाफ कर रहा काम

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के हमीदिया अस्पताल के कर्मचारियों को झटका लग सकता है। हॉस्पिटल में स्टाफ की छटनी हो सकती है। बताया जा रहा है कि यहां स्वीकृत पदों से ज्यादा स्टाफ काम कर रहा है। 200 कर्मचारियों को हटाया जा सकता है। भोपाल के हमीदिया अस्पताल में वार्ड बॉय, लैब टैक्नीशियन, हाउसकीपिंग स्टाफ की संख्या अधिक है। इस हॉस्पिटल में 1400 कर्मचारियों की स्वीकृति है, लेकिन यहां 1600 के करीब स्टाफ कार्यरत है। अस्पताल में कोविड फंड से अतिरिक्त स्टाफ भर्ती किया गया था। हमीदिया में अधिक स्टाफ के चलते इन आउटसोर्स कर्मचारियों को समय पर वेतन नहीं मिल रहा है। वेतन विसंगति के कारण हॉस्पिटल के कर्मचारी एक हफ्ते में 2 बार हड़ताल कर चुके हैं। इसे देखते हुए अब स्टाफ कम करने या अन्य प्रबंधन को लेकर विचार चल रहा है। हमीदिया अस्पताल में जल्द छटनी हो सकती है।

प्रदेश में सर्वाधिक बिजली की मांग 18695 मेगावॉट का नया रिकार्ड दर्ज

भोपाल। मध्यप्रदेश के इतिहास में सर्वाधिक बिजली की मांग का नया रिकार्ड आज 18 दिसंबर को प्रातः 9.34 बजे उस समय बना जब विद्युत की शीर्ष मांग 18695 मेगावॉट पहुंच गई। वहीं प्रदेश में गत दिवस 17 दिसंबर को इतिहास की सर्वाधिक विद्युत आपूर्ति 3368.56 लाख यूनिट की गई। इस प्रकार प्रदेश में एक दिन के अंतराल में विद्युत की मांग व आपूर्ति दोनों का रिकार्ड कायम हुआ। विशेष बात यह रही कि प्रदेश में सर्वाधिक बिजली की मांग की आपूर्ति शत प्रतिशत की गई। दिसंबर माह में प्रतिदिन बढ़ रही बिजली की मांग-प्रदेश में दिसंबर माह में विद्युत की मांग प्रतिदिन लगातार उच्चतम स्तर पर पहुंच रही है।

स्वास्थ्य विभाग को केन्द्र से 3168 करोड़ की दरकार

आयुष्मान योजना की भी अटकी है राशि

भोपाल ■ निसं

राज्य सरकार लगातार प्रयासरत है कि आम आदमी को हर हाल में स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिले और उपचार के लिए उसे आर्थिक संकट का सामना न करना पड़ें। इन प्रयासों में केन्द्र से आर्थिक मदद समय पर न मिल पाने से प्रदेश सरकार की मंशा पूरी नहीं हो पा रही है। इसकी वजह से प्रधानमंत्री की अति महत्वाकांक्षी आयुष्मान जैसी योजना भी प्रभावित तो हो ही रही है, साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में उप स्वास्थ्य केंद्र खोलने की योजना भी आगे नहीं बढ़ पा रही है। दरअसल , इन दोनों ही कामों के लिए केन्द्र सरकार से फंड मिलता है, जो बीते पांच माह से अटका हुआ है। एक तरफ जिला स्तरीय अमले का अस्पतालों में टोटा है, वहीं सरकार पैसा देने के नाम पर ठेंगा बता रही है। आयुष्मान योजना सहित अन्य योजना के लिए केंद्र सरकार से 4360 करोड़ रुपए मिलना थे, जिसके एवज में सिर्फ 1192 करोड रुपए से ही संतोष करना पड़ रहा है। केन्द्र सरकार से विभाग द्वारा तैयार किए गए बजट के अनुसार राशि प्राप्त नहीं हो पा रही है।

लडखड़ा सकती है स्वास्थ्य सुविधाएं

दरअसल, स्वास्थ्य सुविधाओं को सुचारू रूप से चलाने के लिए राज्य सरकार ने बजट प्रावधान एवं केन्द्र से प्राप्त स्वीकृतियों का खाका तैयार किया हुआ है। स्वास्थ्य विभाग ने जो बजट प्रावधान किया है उनमें विभाग के लोगों के लिए परिवार कल्याण का प्रशिक्षण, प्रधान मंत्री जन आरोग्य योजना आयुष्मान भारत, केन्द्र की राशि से वेतन भत्तों पर व्यय, राज्य स्तरीय परिवार कल्याण संगठन के कार्यों के लिए, ड्रग्स रेग्यूलरटी सिस्टम के सुदृढ़ीकरण, प्रधानमंत्री आत्मनिर्भर स्वास्थ्य योजना, इसके अलावा अन्य योजनाओं में बजट प्रावधान रखा गया। लेकिन बजट के अभाव में उक्त योजनाओं में व्यवस्थित तरीके से कार्य नहीं हो पा रहा है।

दरअसल, राज्य सरकार ने बजट में 6 हजार 7 सौ छह करोड़ का प्रावधान किया था। जिसमें राज्य का हिस्सा 2 हजार 3 सौ 45 करोड़ प्राप्त होना था। केन्द्र से मिलने वाली राशि में से केन्द्र सरकार से जुलाई माह तक महज 11 सौ 92 करोड़ रूपए ही मिल सके हैं।

सिकलसेल एनीमिया का पैसा भी अटका: राज्य सरकार ने अपने बजट प्रावधान में ऑक्जीलियरी नर्स, मिडवाइफ एवं हैल्थ ब्रिजीटर्स को परिवार कल्याण के प्रशिक्षण के लिए 23.71 करोड़ एवं केन्द्र से प्राप्ति योग राषि 23.71 करोड़, उप स्वास्थ्य केन्द्र में 668.17 करोड़ एवं केन्द्र से प्राप्त होने वाली राशि 668.17 करोड़, क्षेत्रीय परिवार कल्याण प्रशिक्षण केन्द्र 4.62 करोड़, सिकलसेल एनेमिया 38.79 करोड़, जिला स्तरीय अमला 87.72 करोड़, आयुष्मान भारत 981.20 करोड़, केन्द्र की राषि से वेतन भत्तों पर व्यय 41.10 करोड़, बहुउद्देष्यीय कार्यकर्ता योजना 7.79 करोड़, राज्य स्तरीय परिवार कल्याण संगठन 3.57 करोड़, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन 45 सौ करोड़, कोविड़ 19 का उपचार एवं प्रबंधन केन्द्रीय हिस्से के 50 प्रतिशत राशि, प्रधान मंत्री आत्म निर्भर स्वास्थ्य योजना में केन्द्रीय हिस्से के 50 प्रतिषत राषि, स्वास्थ्य एवं चिकित्सा षिक्षा के लिए मानव संसाधन 50 प्रतिशत राशि, टरसियरी केयर कार्यक्रम में भी केन्द्रीय हिस्से से 50 प्रतिशत राशि के अलावा प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत हेल्थ इन्फास्ट्रक्चर मिशन के तहत् 345.53 करोड़ रूपए का बजट प्रावधान किया गया।

एएस म्यूजिकल ग्रुप भोपाल की संगीतमय प्रस्तुति 22 को भोपाल में

भोपाल ■ निसं

एक शानदार शाम, भूले बिसरे गीतो के नाम- हंसते हंसते कट जाए रस्ते, का आयोजन 22 दिसंबर को दोपहर 2 बजे से ए एस म्यूजिकल ग्रुप भोपाल के द्वारा ये रंगारंग आयोजित होने जा रहा है। पॉलिटेक्निक ऑडिटोरियम में किया जाएगा। इस ग्रुप की संचालिका अरुणा मेहता एवं सुनीता मालवीय ने बताया कि इस कार्यक्रम में अनेक सम्मानित गायक एवं गायिका के द्वारा प्रस्तुति दी जाएगी। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि ज्योतिष आचार्य रजनीनंदा निखिल , अभिलाषा दीदी, एम पी व्यास, निवेदिता दीदी, एवं संजय व्यास होंगे। संचालिका अरुणा मेहता एवं सुनीता के अनुसार नवोदित गायकों को मंच देना और प्रोत्साहन देना है। इस कार्यक्रम में सहसंयोजक चेतन चौहान, हीरा परते, श्रुति भोले एवं जगदीश रैकवार जी एवं इस कार्यक्रम के सूत्रधार मिलन आर्टिस्ट होंगे।

भाभा विश्वविद्यालय भोपाल बड़े व्यापक स्तर पर मनाएगा राष्ट्रीय गणित दिवस

भोपाल ■ निसं

राष्ट्रीय गणित दिवस 2024 प्रति वर्ष अनुसार इस बार भी भाभा विश्वविद्यालय 23 दिसंबर से 28 दिसंबर तक राष्ट्रीय गणित सप्ताह आयोजित कर रहा है जिसमें विद्यार्थियों में गणित के प्रति रुझान बड़े । यह कार्यक्रम मध्य प्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद(एमपीसीएसटी) भोपाल और राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान परिषद (एनसीटीसी), नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित है इस कार्यक्रम में क्विज कंपटीशन, पजल्स, रंगोली एवं पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता के अलावा गणित विषय की विभिन्न शाखों पर केंद्रित विशेषज्ञ वार्ता दिनांक 26 दिसंबर 2024 को होगी जिसमें प्रख्यात वक्ता डॉ. भरत शरण सिंह ,अध्यक्ष, मध्य प्रदेश निजी विश्वविद्यालय विनायामक आयोग ,भोपाल, साइंस विशेषज्ञ, डॉ. विकास कुमार शिंदे , चीफ साइंटिस्ट ,मध्य प्रदेश साइंस एंड टेक्नोलॉजी भोपाल, एवं गणित विशेषज्ञ डॉ. रमाकांत भारद्वाज, विभाग अध्यक्ष, अमेठी विश्वविद्यालय कोलकाता के व्याख्यान शामिल है ।

आगामी कार्यक्रम की जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के कुल सचिव डॉक्टर श्याम पाटकर ने बताया कि राष्ट्रीय गणित दिवस पर आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य हमारे दैनिक जीवन पर गणित के गहन प्रभाव के बारे में जागरूकता बढ़ाना है, भारत में राष्ट्रीय गणित दिवस 22 दिसंबर प्रतिवर्ष डॉक्टर रामानुजम की जयंती के रूप में मनाया जाता है ,यह दिन रामानुजम की अद्वितीय प्रतिभा और लचीलेपन को स्वीकार करता है, जो हमें सिखाता है कि प्रतिभा को कोई बाधा स्वीकार नहीं होती, यह दिवस विज्ञान ,प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग, मेडिकल, फार्मेसी, वित्त और यहां तक की संगीत, कला और हस्तकला सहित विभिन्न क्षेत्रों में इस विषय के महत्व को याद दिलाता है।

विधानसभा में अपने-अपने तरीके से विरोध करने पहुंचे विधायक

भोपाल। मध्य प्रदेश विधानसभा शीतकालीन सत्र में बुधवार को विधानसभा में कांग्रेस का अनोखा प्रदर्शन देखने को मिला तो वहीं भारत आदिवासी पार्टी के विधायक कमलेश्वर डोडियार गांधी प्रतिमा के सामने बाहर मौन धरने पर बैठे। शरीर पर पोस्टर लगाकर मौन धारण किया है। उन्होंने गालीबाज डॉक्टर पर कार्रवाई की मांग की है। मप्र विधानसभा के शीतकालीन सत्र के तीसरे दिन सदन की कार्यवाही शुरू होने से पहले कांग्रेस ने अनोखा प्रदर्शन किया। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने सदन के बाहर केतली से चाय बांटी वहीं उज्जैन विधायक महेश परमार शराब के बोतलों की माला पहनकर विधानसभा पहुंचे। इधर, भारत आदिवासी पार्टी के विधायक कमलेश्वर डोडियार गांदी प्रतिमा के नीचे मौन धारण किया है। उन्होंने अपने पूरे शरीर पर पोस्टर लगाकर विरोध जताया है। साथ ही गालीबाज डॉक्टर पर कार्रवाई की मांग की है। पोस्टर पर लिखा- मुझे दी गई गालियां सभी विधायकों और पूरे देश के आदिवासियों का अपमान है।

गौहर महल में 22 दिसंबर तक चलेगी प्रीमियम हैरिटेज प्रदर्शनी

हस्तशिल्प मेले में बुधनी जिले के शिल्पियों द्वारा तैयार लकड़ी के खिलौने बने आकर्षण के केंद्र

भोपाल ■ निसं

मप्र हस्तशिल्प एवं हाथकरघा विकास निगम द्वारा गौहर महल में आयोजित प्रीमियम हैरिटेज एग्जीबिशन इन दिनों कला प्रेमियों के लिये खास आकर्षण का केन्द्र बनी हुई है। प्रदर्शनी में मध्यप्रदेश के विभिन्न जिलों के 40 से अधिक बुनकर अपने क्षेत्रीय उत्पादों का खास संग्रह प्रदर्शित कर रहे हैं। प्रदर्शनी इस बार विशेषतौर पर बच्चों के लिये लकड़ी के खिलौनों का कलेक्शन प्रदर्शित किया गया है। वैसे तो लकड़ी के बने वस्तुओं के लिए मध्यप्रदेश का बुधनी विश्व विख्यात है, लेकिन अगर बात की जाए रंग-बिरंगे छोटे-छोटे खिलौने की तो प्रदर्शनी में बच्चों के लिये विशेष खिलौनों का संग्रह यहां प्रदर्शित किया गया है। बुधनी में तैयार किये गये लकड़ी के खिलौने न सिर्फ प्रदेश बल्कि देश के विभिन्न राज्यों में एक्सपोर्ट किये जाते हैं। यह खिलौने दूधिया और शीषम की लकड़ी से तैयार किये गये हैं। इन खिलौनों की खासियत यह है कि यह हल्की लकड़ी से बनाए जाते हैं। इसको बनाने में नीम शिव शाम पीपल यूकेलिप्टस जैसे पेड़ की हल्की लकड़ी से बनाया जाता है। इन खिलौनों का वजन भी बहुत कम होता है। यह प्लास्टिक खिलौने की भांति ही रंग-बिरंगे व चमकीले होते हैं। प्रदर्शनी 22 दिसंबर तक चलेगी।

खेल ही नहीं होम इंटीरियर के लिए भी लोगों की पसंद बने वुडन टॉयज: शिल्पी ठाकुरदास बताते हैं कि लोग न सिर्फ अपने बच्चों के खेलने के लिए इन खिलौनों को खरीदने हैं बल्कि घर की सजावट के लिए भी इन्हें ले जाना पसंद करते हैं.वक्त के साथ-साथ लकड़ी के खिलौनों की देश-विदेश में भी डिमांड बढ़ने लगी है।

वन मेले में मानसरोवर के वैद्यों द्वारा निःशुल्क परामर्श

मानसरोवर ग्लोबल यूनिवर्सिटी के स्टॉल पर सुबह 9 से रात्रि 10 बजे तक ओपीडी

भोपाल ■ निसं

भोपाल में 10वें अंतरराष्ट्रीय वन मेले का शुभारंभ 17 दिसंबर को लाल परेड ग्राउंड में किया गया। सात दिवसीय इस मेले में मानसरोवर ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स के तीनों आयुर्वेदिक महाविद्यालयों के सुप्रसिद्ध वैद्यों द्वारा निःशुल्क परामर्श एवं उपचार प्रदान किया जा रहा है। वही फिजियोथेरेपी, पैरामेडिकल और दंत चिकित्सकों की भी निःशुल्क ओपीडी उपलब्ध है, जहां विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा परामर्श दिया जा रहा है।

कार्यसमिति के सदस्यों ने बताया कि वनमेले में मानसरोवर के स्टॉल पर उत्तम क्वालिटी का च्यवनप्राश, ऑवला कैन्डी, शितोपलादी चूर्ण, मधुमेह नाशक चूर्ण, त्रिकटु चूर्ण, पंचसकार चूर्ण, त्रिफला चूर्ण, आरोग्यम काढ़ा, एलोवेरा जेल, दर्द नाशक तेल एवं मानसरोवर फार्मेसी में निर्मित अन्य वनऔषधियां भी उपलब्ध हैं। उन्होंने यह भी बताया कि मानसरोवर समूह के विद्यार्थियों द्वारा 21 दिसंबर को सांस्कृतिक कार्याक्रमों की प्रस्तुति दी जाएगी जिसमें 500 विद्यार्थियों द्वारा फ्लैश मॉब की प्रस्तुति आकर्षण का केन्द्र रहेगी।

लखनऊ मंडल में नॉन इंटर लॉकिंग कार्यों के चलते गाड़ियाँ प्रभावित

भोपाल ■ निसं

उत्तर रेलवे लखनऊ मंडल के बाराबंकी-अयोध्या कैंट-जफराबाद खण्ड पर अयोध्या कैंट स्टेशन यार्ड रिमाडलिंग कार्य के चलते भोपाल मंडल से गुजरने वाली कुछ गाड़ियों को शार्ट टर्मीनेट/ओरिजिनेट या मार्ग परिवर्तित किया गया है जिसका विवरण निम्नानुसार है-

मार्ग परिवर्तित गाड़ियाँ-

■ गाड़ी संख्या 15023 गोरखपुर - यशवंतपुर एक्सप्रेस 03 ट्रिप दिनांक 24, 31 दिसम्बर एवं 07 जनवरी को एवं गाड़ी संख्या 15024 यशवंतपुर - गोरखपुर एक्सप्रेस 03 ट्रिप दिनांक 19, 26, दिसम्बर एवं 02 जनवरी को अपने प्रारम्भिक स्टेशन से प्रस्थान करने वाली गाड़ी परिवर्तित मार्ग से होकर जाएगी अर्थात यह गाड़ी दोनों दिशाओं में 03-03 ट्रिप अपने पूर्व मार्ग के बजाय गोरखपुर - गोंडा - बाराबंकी होकर जाएगी ।

■ गाड़ी संख्या 15101 छपरा - एलएलटी एक्सप्रेस 02 ट्रिप दिनांक 24 एवं 31 दिसम्बर को एवं गाड़ी संख्या 15102 एलएलटी - छपरा एक्सप्रेस 02 ट्रिप दिनांक 19 एवं 26 दिसम्बर को अपने प्रारम्भिक स्टेशन से प्रस्थान करने वाली गाड़ी परिवर्तित मार्ग से होकर जाएगी अर्थात यह गाड़ी दोनों दिशाओं में 02-02 ट्रिप अपने पूर्व मार्ग के बजाय छपरा - गोरखपुर - गोंडा - बाराबंकी - ऐशबाग - कानपुर सेंट्रल होकर जाएगी ।

शार्ट टर्मीनेट/ओरिजिनेट गाड़ियाँ:

■ गाड़ी संख्या 22129 एलटीटी- अयोध्या कैंट तुलसी एक्सप्रेस 05 ट्रिप दिनांक 22, 24, 29, 31 दिसम्बर एवं 05 जनवरी को एवं गाड़ी संख्या 22130 अयोध्या कैंट - एलटीटी एक्सप्रेस 05 ट्रिप दिनांक 23, 25, 30 दिसम्बर तथा 01 एवं 06 जनवरी को सुल्तानपुर स्टेशन से शार्ट ओरिजिनेट / टर्मीनेट होगी ।

■ गाड़ी संख्या 22183 एलटीटी- अयोध्या कैंट एक्सप्रेस 06 ट्रिप दिनांक 18, 21, 25, 28 दिसम्बर एवं 01 व 04 जनवरी को एवं गाड़ी संख्या 22184 अयोध्या कैंट - एलटीटी एक्सप्रेस 06 ट्रिप दिनांक 19, 22, 26, 29 दिसम्बर तथा 02 व 05 जनवरी को सुल्तानपुर स्टेशन से शार्ट ओरिजिनेट / टर्मीनेट होगी।

निम्न दो जोड़ी गाड़ियां मार्ग परिवर्तन के साथ साथ सुल्तानपुर स्टेशन से शार्ट ओरिजिनेट / टर्मीनेट होगी -

■ गाड़ी संख्या 22103 एलटीटी- अयोध्या कैंट एक्सप्रेस 03 ट्रिप दिनांक 23, 30 दिसम्बर एवं 06 जनवरी को एवं गाड़ी संख्या 22104 अयोध्या कैंट - एलटीटी एक्सप्रेस 03 ट्रिप दिनांक 24, 31, दिसम्बर एवं 07 जनवरी को अपने प्रारम्भिक स्टेशन से प्रस्थान करने वाली गाड़ी परिवर्तित मार्ग से होकर जाएगी अर्थात यह गाड़ी दोनों दिशाओं में 03-03 ट्रिप इस मार्ग पर अपने पूर्व मार्ग के बजाय जफराबाद- जौनपुर सिटी - सुल्तानपुर होकर जाएगी ।

■ गाड़ी संख्या 22613 रामेश्वरम - अयोध्या कैंट श्रद्धा सेतु एक्सप्रेस 03 ट्रिप दिनांक 24, 31 दिसम्बर एवं 07 जनवरी को एवं गाड़ी संख्या 22614 अयोध्या कैंट - रामेश्वरम एक्सप्रेस 02 ट्रिप दिनांक 22, 29 दिसम्बर को अपने प्रारम्भिक स्टेशन से प्रस्थान करने वाली गाड़ी परिवर्तित मार्ग से होकर जाएगी अर्थात अपने पूर्व मार्ग के बजाय जफराबाद-जौनपुर सिटी - सुल्तानपुर होकर जाएगी ।

संक्षिप्त समाचार

बैंक कर्मियों ने की 4.31 करोड़ की धोखाधड़ी

इंदौर। इंदौर में बैंक कर्मियों और फर्म द्वारा 4.31 करोड़ की धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। इओडब्ल्यू ने इस मामले में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी हैं। बैंक की ओर से शिकायत की गई थी कि 10 फर्म को कारोबार के लिए 3.48 करोड़ रुपए का लोन अलग-अलग पतों के फर्जी दस्तावेज के आधार पर दिया गया था। दस साल पुराने मामले में इओडब्ल्यू ने 12 दिसंबर को केस दर्ज किया है, जिसका खुलासा बुधवार को हुआ। बैंक ऑफ बड़ौदा के असिस्टेंट जनरल मैनेजर शैलेष कुमार पारख ने इस मामले में शिकायत की थी। शिकायत में कहा गया कि जिन लोगों को लोन दिया गया, उन्होंने जिस उद्देश्य से लोन लिया, उसकी जगह दूसरे काम किए। लोन का यह पैसा भी बैंक को नहीं लौटाया।

इंदौर हाई कोर्ट बार एसोसिएशन के चुनाव में वोटिंग पूरी

इंदौर। हर दो साल में होने वाले इंदौर हाई कोर्ट बार एसोसिएशन के चुनाव में शाम 5 बजे वोटिंग पूरी हो गई। मुख्य निर्वाचन अधिकारी मनोज द्विवेदी ने बताया कि काउंटिंग शुरू हो चुकी है। परिणाम देर रात तक आएंगे। चुनाव में नौ पदों के लिए कुल 26 उम्मीदवार मैदान में है। मतदान में 2232 वकील मतदाता वोट करेंगे। हाई कोर्ट इंदौर के पूर्व अतिरिक्त महाधिवक्ता, मुख्य निर्वाचन अधिकारी मनोज द्विवेदी व अतिरिक्त निर्वाचन अधिकारी अधिवक्ता अजय मिश्रा ने बताया मतदान के लिए 35 बूथ बनाए गए थे। इनमें वरिष्ठ अधिवक्ताओं और महिला अधिवक्ताओं के लिए अलग-अलग बूथ शामिल हैं।

झोपड़ी में लगी आग, बुजुर्ग की जलकर मौत

ग्वालियर। ग्वालियर में एक झोपड़ी में आग लगने से उसके भीतर सो रही एक महिला की मौत हो गई। घटना ग्वालियर थाना क्षेत्र के लधेड़ी में मंगलवार-बुधवार दरमियानी रात की है। घटना का पता उस समय चला जब आस-पास के लोगों ने आग देखी तो दमकल अमले और पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची लेकिन उससे पहले ही बुजुर्ग महिला की मौत हो चुकी थी। फिलहाल पुलिस ने जांच के बाद बुजुर्ग के शव को पोस्टमार्टम हाउस भेजकर मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

एमजीएम मेडिकल कॉलेज में रैगिंग की जांच शुरू

इंदौर। इंदौर के एमजीएम मेडिकल कॉलेज में रैगिंग का मामला सामने आने के बाद प्रशासन हरकत में आया है। कलेक्टर आशीषसिंह ने जांच समिति गठित की है। वहीं एमजीएम मेडिकल कॉलेज के प्रभारी डीन डॉ. नीलेश दलाल ने स्टूडेंट से चर्चा की। उनके साथ होस्टल वार्डन राजेंद्र मार्को और एंटी रैगिंग कमेटी के प्रमुख डॉ. वीएस पाल भी मौजूद थे। दरअसल 2024 बैच के जूनियर छात्रों ने इस संबंध में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के माध्यम से शिकायत की है।

बदमाश कपिल यादव ने कोर्ट में किया सरेंडर, भेजा जेल

सराफा कारोबारी बाप-बेटे की हत्या की कोशिश में पुलिस ने जमानत कराई थी कैंसिल

ग्वालियर ■ निसं

ग्वालियर में जमानत पर जेल से बाहर आने के बाद बदमाश पुलिस पर भारी पड़ने लगे, तो पुलिस ने ऐसे बदमाशों को चिह्नित कर उनकी जमानत रद्द कराने का कदम उठाया है। मुरार के आपराधिक रिकॉर्ड वाले बदमाश कपिल यादव पर सर्राफा कारोबारी पिता-पुत्र पर जानलेवा हमला करने और धमकाने जैसे कई मामले दर्ज हैं।

कुछ दिन पहले कपिल यादव जमानत पर बाहर आया था, लेकिन फिर से उत्पात मचाना शुरू कर दिया। इसी के चलते पुलिस ने उसकी जमानत रद्द कराने की प्रक्रिया शुरू की। कोर्ट से जमानत रद्द होने के बाद बदमाश कपिल यादव ने बुधवार को कोर्ट में सरेंडर कर दिया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। फिलहाल एक अन्य मामले में उसकी जमानत न्यायालय में विचाराधीन है, जिसे भी जल्द कैंसिल कराया जाएगा।

सर्राफा कारोबारी पर हमले और आगजनी के मामले में शामिल था कपिल: शहर के मुरार थाना प्रभारी मदन मोहन मालवीय ने बताया कि सर्राफा कारोबारी महावीर जैन पर हमला करने और आगजनी की घटना में शामिल आरोपी कपिल यादव की जमानत रद्द करने की याचिका मुरार थाना पुलिस ने न्यायालय में दायर की थी।

इसके बाद न्यायालय ने कपिल यादव की जमानत रद्द कर उसे 15 दिन के भीतर कोर्ट में सरेंडर करने का आदेश दिया था। समय से पहले ही कपिल यादव ने कोर्ट में हाजिर होकर सरेंडर किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

कार्रवाई जारी रहेगी: इस मामले में ग्वालियर एसपी धर्मवीर सिंह ने कहा कि आम जनता की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पुलिस लगातार बदमाशों के खिलाफ कार्रवाई कर रही है। अब तक 17 बदमाशों की जमानत कैंसिल कराकर उन्हें जेल भिजवाया गया है। यह कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

पुलिस ने अब तक 17 अपराधियों की जमानत कराई कैंसिल

जमानत पर बाहर आकर अपराध करने के मामलों में पुलिस ने अब तक 57 बदमाशों को चिह्नित किया है। इनकी जमानत रद्द कराने के लिए याचिका न्यायालय में दायर की गई है, जिनमें से अब तक 17 बदमाशों की जमानत रद्द कराई जा चुकी है। वहीं, 40 अन्य मामलों में याचिकाएं विचाराधीन हैं, जिन्हें जल्द ही रद्द कराने की प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

जमानत सुधरने का मौका, बदमाशी बर्दाश्त नहीं

ग्वालियर पुलिस का कहना है कि जमानत पर आने का मतलब है कि आरोपी को खुद को सुधारने का मौका दिया गया है। यदि जमानत पर आने के बाद भी बदमाशी जारी रहती है, तो पुलिस वैधानिक कार्रवाई करने में कोई कसर नहीं छोड़ेगी। एक बार जमानत रद्द होने के बाद आरोपी को दोबारा जमानत मिलना बेहद मुश्किल हो जाता है। इसलिए जमानत पर आने वालों को सुधरने की नसीहत दी गई है।

खंडवा विधायक कंचन तनवे ने सदन में आंगनबाड़ी केन्द्रों का मुद्दा उठाया

खंडवा ■ निसं

विधान सभा मध्यप्रदेश का शीतकालीन सत्र 2024 , दिनांक 16 दिसंबर से 20 दिसंबर तक नियत है सत्र के दूसरे दिन खंडवा विधान सभा की विधायक श्रीमती कंचन मुकेश तनवे द्वारा सदन में महिला एवं बाल विकास विभाग को ले कर जिला एवं विधान सभा में आंगनवाड़ी केंद्रों की भौतिक स्थिति एवं वित्तीय जानकारी को लेकर प्रश्न उठाए जिस से की क्षेत्र की आंगनवाड़ी केंद्रों की स्थिति में सुधार और विभाग के लंबित कार्य एवं योजनाएं सुचारू रूप से संचालित हो सके।

इस बाबत विधायक कंचन तनवे द्वारा आंगनवाड़ी केंद्रों के भवनों की स्थिति, स्वयं के भवन, किराए पर संचालित, अन्य विभागों के शासकीय भवनों में संचालित होने वाले केंद्रों जी जानकारी चाही, एवं भवन विहीन के केंद्रों के भवनों की तत्काल स्वीकृति की बात रखी , आंगनवाड़ी केंद्रों में खेल सामग्री की उपलब्धता, बच्चो की सुरक्षा हेतु बाउंड्रीवाल की बात विभाग की मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया के समक्ष रखी , जिस पर मंत्री द्वारा जानकारी उपलब्ध कराते हुए इस पर कार्य योजना बनाकर कार्य करने की बात कही ,इसी के साथ विधायक कंचन तनवे द्वारा जिला चिकित्सालय में एनेस्थीसिया , रेडियोलॉजिस्ट, चिकित्सकों की कमी ओर पद पूर्ति को ले कर भी प्रश्न लगाए, , शिक्षा, एवं अन्य विभागों की अकादमिक प्रशासनिक व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने हेतु विधान सभा में प्रश्नों के माध्यम से अपनी बात रखी।

सीहोर से शुरू हुई बाबा खाटू श्याम की पैदल यात्रा

18 दिन में 900 किलोमीटर चलकर पहुचेंगे श्रद्धालु, जिला संस्कार मंच ने किया स्वागत

सीहोर ■ निसं

सीहोर के बानापुरा फेर मोहल्ले से बुधवार को 24 श्याम प्रेमियों ने बाबा खाटू श्याम के मंदिर के लिए पैदल यात्रा शुरू की। ये श्रद्धालु राजस्थान स्थित खाटू श्याम के मंदिर तक 18 दिनों में लगभग 900 किलोमीटर की यात्रा करेंगे। यात्रा की शुरुआत के दौरान शहर के प्राचीन भूतेश्वर महादेव मंदिर और गणेश मंदिर मार्ग पर इनका स्वागत किया गया।

जिला संस्कार मंच के तत्वाधान में हेमंत पालीवाल, संदीप केवट, आकाश जावरे, विवेक राव आदि का स्वागत किया गया। यात्रा में कार में खाटू श्याम का दरबार भी सजाया गया था।

खाटू श्याम करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र: श्री श्याम मित्र मंडल के हेमंत पालीवाल ने बताया कि हर साल वे क्षेत्र की सुख-समृद्धि के लिए इस यात्रा पर जाते हैं। पिछले चार सालों से सीहोर के श्याम प्रेमी पैदल यात्रा करते आ रहे हैं। इस बार भी मंडल के श्रद्धालु खाटू श्याम के मंदिर की ओर बढ़े हैं। जिला संस्कार मंच के उपाध्यक्ष धर्मेन्द्र माहेश्वरी ने कहा कि श्री श्याम मित्र मंडल पिछले चार सालों से बाबा के धाम तक पैदल यात्रा करता है। मंच के संयोजक मनोज दीक्षित मामा ने बाबा को प्रसादी चढ़ाई और कहा कि खाटू श्याम करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र हैं।

गांवों में हर जगह श्याम भक्त करते हैं स्वागत: पैदल श्रद्धालु पालीवाल का कहना है कि वे हर साल करीब 900 किलोमीटर की पदयात्रा करते हैं। उन्होंने बताया कि यात्रा के दौरान शुरू में उन्हें थोड़ी परेशानी हुई थी, लेकिन उनके हौसले को श्याम बाबा ने बढ़ाया। उन्होंने कहा कि इस यात्रा के दौरान वे कई गांवों से गुजरते हैं और हर जगह श्याम भक्त उनका स्वागत करते हैं।

मात्र 5 रुपये में ग्रामीण कृषि पंप उपभोक्ताओं को मिलेंगे नवीन विद्युत कनेक्शन

सीहोर। विद्युत वितरण कंपनी अपने कार्य क्षेत्र में ग्रामीण कृषि उपभोक्ताओं को अब मात्र 5 रुपये में स्थायी कृषि पंप कनेक्शन उपलब्ध कराने जा रही है। कंपनी ने कहा है कि कृषि पम्पों के कनेक्शनों की संख्या बढ़ाए जाने के लिए ऐसे कृषक जो विद्युत की उपलब्ध लाइन के समीप स्थित हैं, उनको सुविधानुसार आसानी से स्थाई कृषि पंप कनेक्शन दिया जाना सुनिश्चित किया गया है। म.प्र.विद्युत नियामक आयोग द्वारा जारी नियमों के अनुसार अब निम्न दाब (एलटी) पोल से उपभोक्ताओं द्वारा स्थापित होने वाली सर्विस लाइन में सुरक्षा नियमों की जॉच कर 5 रूपए मात्र में ग्रामीण क्षेत्र में नवीन स्थाई कृषि कनेक्शन प्रदान किया जाएगा। सरल संयोजन पोर्टल में उपभोक्ता का नवीन कनेक्शन का फार्म भरने की कार्यवाही भी कंपनी के मैदानी अमले द्वारा नियमानुसार की जाएगी। सुरक्षा निधि 1200 रुपये प्रति हॉर्स पॉवर उपभोक्ता के प्रथम बिल में जोड़ी जाएगी।

भारतीय मजदूर संघ ने जनकल्याण शिविर में हितग्राहियों के लिए आवेदन

माखननगर ■ निसं

भारतीय मजदूर संघ के पदाधिकारियों ने श्रमिक संपर्क अभियान के तहत आज ग्राम पंचायत बगलोन में पंचायत पदाधिकारियों एवं श्रमिकों से संपर्क किया। संपर्क के दौरान भारतीय मजदूर संघ द्वारा विभिन्न संगठित, असंगठित क्षेत्र के कर्मचारी एवं श्रमिकों के लिए किये जा रहे कल्याणकारी कार्यों की जानकारी दी ।

अभियान के मीडिया प्रभारी सुनील चौहान ने बताया कि आज ग्राम पंचायत बगलोन में श्रमिकों को शासन की विभिन्न योजनाओं की जानकारी देते हुए ग्राम पंचायत भवन के प्रांगण में आयोजित जनकल्याण शिविर में अनुग्रह सहायता, आयुष्मान कार्ड ,उद्यम योजना के आवेदन जमा कराने में भारतीय मजदूर संघ के पदाधिकारियों ने श्रमिकों की सहायता की जिसके तहत 18 हितग्राहियों के आवेदन जमा कराए। सघन संपर्क के दौरान भारतीय मजदूर संघ के पदाधिकारी सुनील चौहान ,दशरथ उइके ,सत्यम धुर्वे ,पंचायत सचिव संगीता यादव, सहायक सचिव राजकुमार यादव आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, आशा कार्यकर्ता,सहायक सचिव संघ अध्यक्ष राघवेन्द्र सिंह तोमर सहित ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

पोर्टल से जमा करायें श्रम कल्याण मंडल को अभिदाय राशि - कल्याण आयुक्त

सीहोर ■ निसं

मध्यप्रदेश श्रम कल्याण आयुक्त ने मध्यप्रदेश कल्याण निधि अधिनियम 1982 एवं नियम 1984 के अन्तर्गत आने वाली समस्त औद्योगिक इकाइयों तथा प्रतिष्ठानों के प्रबंधकों से नियमानुसार अभिदाय राशि पोर्टल के माध्यम से यथाशीघ्र मंडल में जमा कराने की अपील की है। निरीक्षण के दौरान अभिदाय राशि जमा नहीं करवाई पाया जाने पर ऐसे संस्थान और प्रतिष्ठान के विरूद्ध वैधानिक कार्यवाही की जायेगी।

कल्याण आयुक्त ने कहा कि कारखानों तथा ऐसे समस्त प्रतिष्ठान, जिनमें 9 से अधिक श्रमिक/कर्मचारी कार्यरत हैं और उनका नाम कैलेण्डर वर्ष में जनवरी से दिसम्बर तक 30 कार्य दिवसों का दर्ज है, को नियमानुसार अभिदाय राशि प्रत्येक छः माह में जून एवं दिसम्बर माह के अंतिम सप्ताह तक मंडल को निर्धारित प्रारूप में https://shramkalyan-mandal.mponline.gov.in पोर्टल पर जमा कराना अनिवार्य है। ऐसे प्रतिष्ठानों में होटल, रेस्टोरेंट, अस्पताल, नर्सिंग होम, निजी स्कूल एवं कॉलेज, सिक्यूरिटी एजेन्सी, आउट सोर्स एजेन्सी सर्विस सेक्टर के प्रतिष्ठान, गैस एजेन्सी, व्यापार अथवा व्यवसाय करने वाले प्रतिष्ठान शामिल है। मंडल द्वारा श्रम कल्याण निधि का उपयोग श्रमिक कर्मचारियों तथा उनके परिवार की सामाजिक सुरक्षा और कल्याणकारी योजनाओं को संचालित करने के लिये किया जाता है। प्रबंधकों का यह नैतिक दायित्व है कि उद्योग में कार्यरत श्रमिकों को मंडल की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ देने के लिए प्रेरित करें।

सीटी कोतवाली के साथ ही जिले के 14 थानों में साइबर हेल्प डेस्क का शुभारंभ किया एसपी ने

मोबाइल, कंप्यूटर पर आने वाली फर्जी कॉल एवं लिंक संदेशों को स्वीकार न करें-पुलिस अधीक्षक मनोज राय

खंडवा ■ निसं

खंडवा जिले के सभी थानों में बुधवार से साइबर हेल्प डेस्क की शुरुआत हुई। खंडवा पुलिस अधीक्षक मनोज राय ने कोतवाली थाने में मुख्य साइबर डेस्क से इसकी शुरुआत की, समाजसेवी सुनील जैन ने बताया कि पुलिस अधीक्षक मनोज राय ने खुद हेल्पलाइन नंबर पर कॉल करके पहले चेक किया फिर साइबर अपराधों में किस तरह शिकायतें लिखी जाती है वह भी कंप्यूटर पर बैठकर परखा। खंडवा के साथ ही कितने थाना में 14 थानों में इस सुविधा का लाभ अब जनता को मिलेगा।

एसपी मनोज राय ने लोगों से अपील की है कि वह कंप्यूटर या मोबाइल में आने वाली किसी भी

तरह की लिंक, फर्जी कॉल या अन्य तरह के प्रलोभन देने वाले संदेशों को स्वीकार नहीं करें। कोई धोखाधड़ी होने पर इसकी शिकायत साइबर डेस्क पर आकर करें, मोबाइल फोन के जरिए लगातार बढ़ रहे अपराधों को ध्यान में रखते हुए आज खंडवा जिले के सभी 14 थानों पर साइबर हेल्प डेस्क की शुरुआत हुई, सुनील जैन ने बताया कि इसका मकसद यह है कि अब पीड़ित लोग साइबर धोखाधड़ी या ठगी की शिकायत अपने नजदीकी किसी भी थाने में जाकर कर सकतें है, इसके लिए साइबर थाना जाने की जरूरत नहीं होगी, हेल्प डेस्क की जिम्मेदारी पुलिस कर्मचारियों को दी गई है,खंडवा पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार राय ने जानकारी देते हुए बताया कि खंडवा में वर्ष 2024 में 512 से ज्यादा साइबर ठगी की शिकायत आई थी, इसमें जिन लोगों के पैसे गए थे उसे हमने बड़ी मात्रा में होल्ड किया है। छह लाख रुपए से ज्यादा पैसे वापस भी दिलाए है। आजकल इसमें कुछ नए तारीको से अपराध हो रहे हैं जिसके लिए पुलिस ने अलग से ही साइबर डेस्क की शुरुआत की है जिससे लोगों को बेवजह भटकना नहीं पड़ेगा। पुलिस ने लोगों को जागरूक करने के लिए साइबर अपराधों से संबंधित जानकारी भी शेयर की है।

आईटीसी मिशन सुनहरा कल के अंतर्गत एक दिवसीय मास्टर ट्रेनर प्रशिक्षण आयोजित

सीहोर ■ निसं

उपसंचालक कृषि किसान कल्याण एवं कृषि विभाग, द्वारा आईटीसी मिशन सुनहरा कल के अंतर्गत एक दिवसीय मास्टर ट्रेनर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सहयोगी संस्था एनसीएचएसई के माध्यम व PMKSY 2.0 (वाटरशेड) के सहयोग से किया गया। जिसमें परियोजना अंतर्गत सभी गांवों से जुड़े कृषि विस्तार अधिकारी व आत्मा विभाग से ब्लाॅक्स्, ब्रूरू उपस्थित रहे। कृषि विषेशज्ञ श्री निर्मल प्रजापत द्वारा आईटीसी मिशन सुनहरा कल द्वारा निर्धारित चार स्तंभ जलवायु कुशल कृषि, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन ,आजीविका विविधीकरण एवं कृषकों को संस्थागत जुड़ाव पर जानकारी दी गई।

इस अवसर पर उपसंचालक कृषि के के पाण्डेय ने जिले में हो रही गतिविधि को लेकर सबको प्रेरित किया और कृषि गतिविधियों को सुचारू रूप से क्रियान्वित करने के लिए मार्गदर्शन दिया। कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक देवेंद्र पाटिल द्वारा जलवायु अनुकूल कृषि पद्धतियों के साथ ही कृषि संबंधी नवीनतम तकनिकों से अवगत कराया तथा रबी सीजन की मुख्य फसलों गेंहू, चना तथा लहसुन प्याज की कृषि कार्यशाला के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

रिटायर्ड अधिकारी संतोष चौबे हत्याकांड में खुलासा

किराए का कमरा देखने पहुंचे युवक, बुजुर्ग को मारे चाकू

जबलपुर ■ निसं

जबलपुर में बीएसएनएल के रिटायर्ड अधिकारी संतोष चौबे की हत्या की गुत्थी पुलिस ने सुलझा ली है। तीन दिन पहले घर में घुसकर 73 वर्षीय बुजुर्ग की हत्या कर दी गई थी। पुलिस की जांच में खुलासा हुआ कि यह हत्या एक नाबालिग समेत 5 आरोपियों ने साजिश के तहत की थी। रिटायरमेंट के बाद मृतक संतोष चौबे जबलपुर के करमेता इलाके में स्थित अपने घर में अकेले रहते थे, जबकि थोड़ी ही दूरी पर उनका बेटा और बहू रहते थे। मढ़ोताल में रहने वाले एक

नाबालिग ने आदतन अपराधी राजेंद्र कोल को यह जानकारी दी थी कि संतोष चौबे के पास बहुत पैसा है।

नाबालिग और आरोपी राजेंद्र कोल समेत 5 आरोपियों ने साजिश रची कि वे बुजुर्ग के घर में कमरा किराए पर लेंगे और मौका पाकर चोरी करेंगे।

मुखबिर होने के शक में खनिज विभाग ने पकड़ा युवक

कलेक्ट्रेट कार्यालय में घूम रहा था, पूछताछ में आने का सही कारण नहीं बताया

जबलपुर ■ निसं

खनिज शाखा के कर्मचारियों ने कलेक्ट्रेट कार्यालय में संदिग्ध अवस्था में घूम रहे एक युवक को पकड़ा है। बताया जा रहा है कि पकड़ा गया युवक जिला मुख्यालय के खनिज, आबकारी सहित कुछ अन्य विभागों के अधिकारियों की रेकी कर उनके आने-जाने की सूचना किसी को दे रहा था।

खनिज अधिकारी कर रहे युवक से पूछताछ: खनिज अधिकारी रत्नेश दीक्षित का कहना है कि पकड़ा गया युवक अंधमूक बाईपास के समीप का रहने वाला है, जिसका नाम दीपक बताया जा रहा

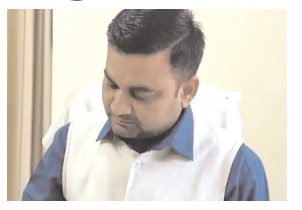

है। दो दिनों से वह कलेक्ट्रेट कार्यालय में घूमता हुआ नजर आ रहा था। पूछताछ करने पर वह कलेक्ट्रेट कार्यालय में आने की सही वजह नहीं बता सका, लिहाजा उसे खनिज विभाग लाया गया।

रत्नेश दीक्षित ने बताया कि कुछ दिनों से लगातार शिकायतें मिल रही थीं कि खनिज, आबकारी विभाग और उड़न दस्तों द्वारा की जाने वाली कार्रवाई की सूचना पहले ही लीक हो रही है। छापामार टीमों की आने-जाने और उनके वाहन नंबरों तक की जानकारी भी लीक हो रही थी। युवक के फोन से भी ऐसे ही कुछ खुलासे हुए हैं। जिन नंबरों पर जानकारी भेजी गई है, उनकी भी जांच की जा रही है।

मुखबिरी करने वालों पर होगी कार्रवाई

खनिज अधिकारी रत्नेश दीक्षित ने कहा कि अधिकारियों की मुखबिरी करने वालों की पहचान कर उनसे पूछताछ की जाएगी। दोषी पाए जाने पर उनके विरुद्ध मामला दर्ज कराया जाएगा।

मद्य निषेध, सायबर फ्रॉड और यातायात जागरूकता विषय पर

पुलिस अधीक्षक की उपस्थित में आयोजित की गई कार्यशाला

खंडवा ■ निसं

पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा द्वारा प्रदेश मे सभी जिलों को विशेष जागरूकता अभियान मद्य निषेध जागरूकता, सायबर फ्रॉड जागरूकता एवं यातायात जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए गये है, जिसके तहत पुलिस अधीक्षक खंडवा मनोज कुमार राय की उपस्थिति मे जिले के पुलिस अधिकारियों द्वारा दिनांक 18.12.24 को पूनमचंद कॉलेज खंडवा में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमे कॉलेज के स्टाफ सहित लगभग 300 स्टूडेंट उपस्थित रहे। पुलिस अधीक्षक द्वारा सायबर फ्रॉड, नशा मुक्त एवं यातायात विषय पर जानकारी देकर सभी को जागरूक किया गया।

नगर पुलिस अधीक्षक खंडवा अभिनव बारंगे द्वारा मद्य निषेध विषय पर चर्चा करते हुए सभी को सभी प्रकार के नशा से दूर रहने के लिए तथा उसके दुष्प्रभाव के बारे मे बताया गया।

उप पुलिस अधीक्षक यातायात आनंद स्वरूप सोनी द्वारा यातायात से सबंधित बैनर एवं पम्पलेट के माध्यम से जागरूक किया गया। सभी को यातायात के नियमों का पालन करने हेतु एवं नशा कर वाहन न चलाने के लिए बताया। एक्सीडेंट से होने वाले घायलों को तत्काल इलाज हेतु पहुचाने के लिए जागरूक किया गया। इस हेतु म.प्र. शासन की योजना गुड सेमेरिटन के बारे मे बताया गया।

सायबर सेल खंडवा की प्रभारी निरीक्षक गायत्री सोनी द्वारा सायबर फ्रॉड के संबंध मे विस्तार से चर्चा करते हुए वर्तमान में होने वाले सायबर फ्राड के विभिन्न तरीकों एवं डिजिटल अरेस्ट के बारे में बताया गया। विगत कुछ दिनों से सायबर ठगों द्वारा WhatsApp पर अनेक प्रकार से फ्रॉड किये जा रहे हैं। इसी के साथ यह भी बताया गया कि किसी भी प्रकार के सायबर फ्राड का शिकार होने पर 1930 में बिना देरी के कॉल कर जानकारी नोट कराये एवं किसी भी अननोन लिंक को टच नहीं करना चाहिए। साथ ही सभी को बताया गया कि सावधानी हटी दुर्घटना घटी यह बात यातायात के साथ ही सायबर फ्रॉड के संबंध मे लागू होती है, इसलिए सावधान रहे सुरक्षित रहे।

अनमोल वचन

दंड द्वारा प्रजा की रक्षा करनी चाहिए लेकिन बिना कारण किसी को दंड नहीं देना चाहिए।
रामायण

शाश्वत शांति की प्राप्ति के लिए शांति की इच्छा नहीं बल्कि आवश्यक है इच्छाओं की शांति।
स्वामी ज्ञानानंद

भारत में दान करने की प्रथा से गरीब वर्ग का होता है कल्याण

भारत में विभिन्न त्यौहारों एवं महापुरुषों के जन्म दिवस पर मठों मंदिरों, गुरुद्वारों एवं अन्य पूजा स्थलों पर समाज के सम्पन्न नागरिकों द्वारा दान करने की प्रथा अति प्राचीन एवं सामान्य प्रक्रिया है। गरीब वर्ग की मदद करना ईश्वर की सबसे बड़ी सेवा माना जाता है। समाज में आपस में मिल बांटकर खाने पीने की प्रथा भी भारत में ही पाई जाती है और यह प्रथा भारतीय समाज में बहुत आम है।

प्रहलाद सबनानी

भारत में हिंदू सनातन संस्कृति के संस्कारों में दान दक्षिणा की प्रथा का अलग ही महत्व है। भारत में विभिन्न त्यौहारों एवं महापुरुषों के जन्म दिवस पर मठों मंदिरों, गुरुद्वारों एवं अन्य पूजा स्थलों पर समाज के सम्पन्न नागरिकों द्वारा दान करने की प्रथा अति प्राचीन एवं सामान्य प्रक्रिया है। गरीब वर्ग की मदद करना ईश्वर की सबसे बड़ी सेवा माना जाता है। समाज में आपस में मिल बांटकर खाने पीने की प्रथा भी भारत में ही पाई जाती है और यह प्रथा भारतीय समाज में बहुत आम है। परिवार में आई किसी भी खुशी की घटना को समाज में विभिन्न वर्गों के बीच आपस में बांटने की प्रथा भी भारत में ही पाई जाती है। इस उपलक्ष में कई बार तो बहुत बड़े स्तर पर सामाजिक एवं धार्मिक आयोजन भी किए जाते हैं। जैसे जन्म दिवस मनाना, परिवार में शादी के समारोह के पश्चात समाज में नाते रिश्तेदारों, दोस्तों एवं मिलने वालों को विशेष आयोजनों में आमंत्रित करना, आदि बहुत ही सामान्य प्रक्रिया का हिस्सा हैं। एक अनुमान के अनुसार भारत के विभिन्न मठों, मंदिरों, गुरुद्वारों एवं अन्य पूजा स्थलों पर प्रतिदिन 10 करोड़ से अधिक नागरिकों को प्रसादी के रूप में भोजन वितरित किया जाता है।

साथ ही, पूरी दुनिया में भारत ही एक ऐसा देश है, जिसमें निवासरत नागरिक, चाहे वह कितना भी गरीब से गरीब क्यों न हो, अपनी कमाई में से कुछ राशि का दान तो जरूर करता है। भारतीय शास्त्रों में वर्णन मिलता है कि हिंदू सनातन संस्कृति के अनुरूप, महर्षि दधीच ने तो, देवताओं को असुरों पर विजय प्राप्त करने के उद्देश्य से, अपने शरीर को ही दान में दे दिया था, जिसे इतिहास में उच्चत्तम बलिदान की संज्ञा भी दी जाती है।

आज के युग में जब अर्थ को अत्यधिक महत्व प्रदान किया जा रहा है, तब अधिक से अधिक धनराशि का दान करना ही शुभ कार्य माना जा रहा है। इस दृष्टि से वैश्विक स्तर पर नजर डालने पर ध्यान में आता है कि दुनिया में सबसे बड़े दानदाता के रूप में आज भारत के टाटा उद्योग समूह के श्री रतन टाटा का नाम सबसे ऊपर उभर कर सामने आता है। इस सूची में टाटा समूह के संस्थापक श्री जमशेदजी टाटा का नाम भी बहुत सम्मान के साथ लिया जाता है, जिन्होंने अपने जीवन में शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक उत्थान के क्षेत्र में 8.29 लाख करोड़ रुपए की राशि का महादान किया था। इसी प्रकार, श्री रतन टाटा के नेतृत्व में टाटा समूह ने वर्ष 2021 तक 8.59 लाख करोड़ रुपए की राशि का महादान किया था। आप अपनी कमाई का बहुत बड़ा हिस्सा गरीब वर्ग की सहायतार्थ दान में दे देते थे। श्री रतन टाटा केवल भारत स्थित संस्थानों को ही दान नहीं देते थे बल्कि वैश्विक स्तर पर समाज की भलाई के लिए कार्य कर रहे संस्थानों को भी दान की राशि उपलब्ध कराते थे। आपने वर्ष 2008 के महामंदी के दौरान अमेरिका स्थित कार्नेल विश्वविद्यालय को 5 करोड़ अमेरिकी डॉलर का दान प्रदान किया था। श्री रतन टाटा ने आर्थिक समस्याओं से जूझ रहे छात्रों को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जे. एन. टाटा एंडाउमेंट, सर रतन टाटा स्कॉलर्शिप एवं टाटा स्कॉलर्शिप की स्थापना कर दी थी। श्री रतन टाटा चूंकि अपनी कमाई का बहुत बड़ा भाग दान में दे देते थे, अतः उनका नाम कभी भी अमीरों की सूची में बहुत ऊपर उठकर नहीं आ पाया। इस सूची में आप सदैव नीचे ही बने रहे। श्री रतन टाटा जी के बारे में कहा जाता है कि उन्होंने अपने जीवन काल में इतनी बड़ी राशि का दान किया था कि आज विश्व के 2766 अरबपतियों के पास इतनी सम्पत्ति भी नहीं है।

यूं तो टाटा समूह ने भारत राष्ट्र के निर्माण में बहुत ही अधिक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, परंतु कोरोना महामारी के खंडकाल में श्री रतन टाटा के योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता है। जिस समय पूरा विश्व कोरोना महामारी से जूझ रहा था, उस समय श्री रतन टाटा ने न केवल भारत बल्कि विश्व के कई अन्य देशों को भी आर्थिक सहायता के साथ साथ वेंटिलेटर, व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (पीपीई) किट, मास्क और दस्ताने आदि सामग्री उपलब्ध कराई। श्री रतन टाटा के निर्देशन में टाटा समूह ने इस खंडकाल में 1000 से अधिक वेंटिलेटर और रेस्पिरेटर, 4 लाख पीपीई किट, 35 लाख मास्क और दास्ताने और 3.50 लाख परीक्षण किट चीन, दक्षिणी कोरिया आदि देशों से भी आयात के भारत में उपलब्ध कराए थे।

श्री रतन टाटा के पूर्वज पारसी समुदाय से थे और ईरान से आकर भारत में रच बस गए थे। श्री रतन टाटा ने न केवल भारतीय हिंदू सनातन संस्कृति के संस्कारों को अपने जीवन में उतारा, बल्कि इन संस्कारों का अपने पूरे जीवनकाल में अक्षरशः अनुपालन भी किया। इन्हीं संस्कारों के चलते श्री रतन टाटा को आज पूरे विश्व में सबसे बड़े दानदाता के रूप में जाना जा रहा है।

टाटा समूह का वर्णन तो यहां केवल उदाहरण के रूप में किया जा रहा है। अन्यथा, भारत में ऐसे कई औद्योगिक घराने हैं जिन्होंने अपनी पूरी संपत्ति को ही ट्रस्ट के माध्यम से समाज के उत्थान एवं समाज की भलाई के लिए दान में दे दिया है। प्राचीन भारत में यह कार्य राजा महाराजाओं द्वारा किया जाता रहा हैं। हिंदू सनातन संस्कृति के विभिन्न शास्त्रों में यह वर्णन मिलता है कि ईश्वर ने जिसको सम्पन्न बनाया है, उसे समाज में गरीब वर्ग की भलाई के लिए कार्य करना चाहिए। यह सहायता गरीब वर्ग को सीधे ही उपलब्ध कराई जा सकती है अथवा ट्रस्ट की स्थापना कर भी गरीब वर्ग की मदद की जा सकती है। वर्तमान में तो निगमित सामाजिक दायित्व (सी एस आर – कोरपोरेट सोशल रेस्पॉन्सिबिलिटी) के सम्बंध में कानून की बना दिया गया है। जिन कम्पनियों की सम्पत्ति 500 करोड़ रुपए से अधिक है अथवा जिन कम्पनियों का वार्षिक व्यापार 1000 करोड़ रुपए से अधिक है अथवा जिन कम्पनियों का वार्षिक शुद्ध लाभ 5 करोड़ से अधिक है, उन्हें इस कानून के अंतर्गत अपने वार्षिक शुद्ध लाभ के दो प्रतिशत की राशि का उपयोग समाज की भलाई के लिए चलाई जा रही परियोजनाओं पर खर्च करना आवश्यक होता है। इन विभिन्न मदों पर खर्च की जाने वाली राशि का प्रतिवर्ष अंकेक्षण भी कराना होता है, ताकि यह जानकारी प्राप्त की जा सके राशि का सदुपयोग समाज की भलाई के लिए किया गया है एवं इस राशि का किसी भी प्रकार से दुरुपयोग नहीं हुआ है।

भारत में गरीब वर्ग/परिवारों को गरीबी रेखा से ऊपर लाने में समाज में सम्पन्न वर्ग द्वारा किए जाने वाले दान आदि की राशि से भी बहुत मदद मिलती है।

सम्पादकीय

अमेरिकी अदालत में रिश्वत का खुलासा और भारत सरकार की चुप्पी

भारत की पहचान अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भ्रष्टाचार के मामलों के कारण चर्चा में है। हाल ही में अमेरिकी अदालतों में भारतीय कंपनियों और सरकारी संस्थाओं से जुड़े भ्रष्टाचार के खुलासे ने देश की साख पर बट्टा लगा दिया है। अमेरिका में जो रिश्वत के मामले सामने आए हैं, उनमें प्रमुख रूप से हिंदुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल), इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन (आईओसी) और रेलवे विभाग का नाम शामिल है। विदेशी कंपनियों ने रिश्वत देकर भारत में ठेके हासिल किए हैं। अमेरिकी न्यायालय में ओरेकल कॉर्पोरेशन और अन्य कंपनियों ने भारतीय कंपनियों को रिश्वत देने की बात स्वीकार करते हुए भारी जुर्माना भरा है। अमेरिका में जुर्माना नहीं देने पर इन्हें जेल हो सकती थी। जो रिश्वत दी गई थी उसे तीन गुना ज्यादा जुर्माना भरकर अमेरिका की कंपनियों ने अपने आप को बचाया है। अमेरिका की अदालत में चले मामलों से स्पष्ट होता है। भारत में व्यवसाय करने के लिए मोदी सरकार आने के बाद भी रिश्वतखोरी अनिवार्य चलन का प्रतीक बन चुकी है। यह रिश्वत 2017 में भारत में दी गई थी। अमेरिका में दो से तीन वर्ष तक चली जांच के बाद कोर्ट में अमेरिका की कंपनियों ने जुर्माना भरकर समझौता किया है। चिंता की बात यह है, अमेरिका और अन्य देश भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त कार्रवाई कर रहे हैं। वहीं भारत में मोदी सरकार जो भ्रष्टाचार मुक्त शासन और प्रशासन की बात करती है, उस मोदी सरकार ने भारत में संबंधित अधिकारियों और संस्थानों पर कोई प्रभावी कार्यवाही नहीं की है, और चुप्पी साध कर रखी है। बोफोर्स मामले में विदेश की एक अदालत में मामला उजागर होने के बाद इस मामले ने तूल पकड़ा था, उसके बाद राजीव गांधी को सत्ता से बेदखल होना पड़ा था। लेकिन अब इतने बड़े-बड़े मामले सामने आ रहे हैं। उसके बाद भी सरकार की चुप्पी आश्चर्यजनक है। भ्रष्टाचार भारत की प्रगति के मार्ग में सबसे बड़ी बाधा है। भ्रष्टाचार और रिश्वतखोरी देश की अर्थव्यवस्था को दीमक की तरह चट करता है। समाज में असमानता और अविश्वास को बढ़ाता है। मोदी सरकार आने के बाद यह विश्वास बना था। सरकारी तंत्र में गहरी पैठ बना चुका भ्रष्टाचार पूरी तरह से समाप्त होगा। भारत में व्यवसाय करने के लिए मोदी सरकार आने के बाद भी रिश्वतखोरी अनिवार्य चलन का प्रतीक बन चुकी है। यह रिश्वत 2017 में भारत में दी गई थी। अमेरिका में दो से तीन वर्ष तक चली जांच के बाद कोर्ट में अमेरिका की कंपनियों ने जुर्माना भरकर समझौता किया है। चिंता की बात यह है, अमेरिका और अन्य देश भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त कार्रवाई कर रहे हैं। वहीं भारत में मोदी सरकार जो भ्रष्टाचार मुक्त शासन और प्रशासन की बात करती है, उस मोदी सरकार ने भारत में संबंधित अधिकारियों और संस्थानों पर कोई प्रभावी कार्यवाही नहीं की है, और चुप्पी साध कर रखी है। जनता की मेहनत की कमाई से मिले टैक्स के पैसे का दुरुपयोग खत्म होगा। देश का विकास तेज होगा, लेकिन जिस तरह की खबरें और जानकारी निकलकर सामने आ रही हैं उसके अनुसार मोदी राज में भ्रष्टाचार पहले की तुलना में और बढ़ गया है। सरकार और जांच एजेंसियों की निष्क्रियता पर भी अब सवाल उठने लगे हैं। ऐसा प्रतीत होता है, भ्रष्टाचार के विरोध में कार्रवाई राजनीतिक लाभ-हानि को देख कर मोदी राज में हो रही है। विपक्षी दलों के नेताओं पर भ्रष्टाचार के आरोप में तेजी से करवाई होती है। उन पर मुकदमे चलते हैं, उन्हें बिना जांच के जेल भेज दिया जाता है। जबकि सत्ताधारी दल के सदस्यों और समर्थकों के ऊपर जो आरोप लगते हैं उन पर सरकार कोई कार्यवाही नहीं करती है। भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई को राजनीतिक दायरे से बाहर निकालना होगा। भारत को अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी साख बचाये रखनी है। अपने नागरिकों को भ्रष्टाचार के खिलाफ मुहिम चलाकर न्याय दिलाना है। तो पारदर्शिता, जवाबदेही, और कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करनी होगी। वैश्विक व्यापार संधि के बाद भारत का व्यापार दुनिया के सभी देशों के साथ हो रहा है। देश का विकास तेज होगा, लेकिन जिस तरह की खबरें और जानकारी निकलकर सामने आ रही हैं उसके अनुसार मोदी राज में भ्रष्टाचार पहले की तुलना में और बढ़ गया है। सरकार और जांच एजेंसियों की निष्क्रियता पर भी अब सवाल उठने लगे हैं। ऐसा प्रतीत होता है, भ्रष्टाचार के विरोध में कार्रवाई राजनीतिक लाभ-हानि को देख कर मोदी राज में हो रही है। विपक्षी दलों के नेताओं पर भ्रष्टाचार के आरोप में तेजी से करवाई होती है। उन पर मुकदमे चलते हैं, उन्हें बिना जांच के जेल भेज दिया जाता है। भारत के शेयर बाजार में भी अंतरराष्ट्रीय स्तर के निवेशक हैं। यह समय है, भारत अपनी छवि राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सुधारने के लिए ठोस कदम उठाए। जनता को भी भ्रष्टाचार के खिलाफ सड़कों पर आना होगा। पिछले कुछ वर्षों में बड़े-बड़े भ्रष्टाचारी भाजपा की सदस्यता लेकर भ्रष्टाचार के आरोपों से मुक्त हो रहे हैं। इनके खिलाफ जनता को सड़कों पर उतरना पड़ेगा। वर्तमान में भाजपा एक ऐसी गंगा बन गई है। जिसमें जाते ही भ्रष्टाचारियों और रिश्वतखोरों के पाप धुल जाते हैं। ऐसी स्थिति में भारत की जनता और भारत सरकार को विशेष सतर्कता बरतने की जरूरत है। अन्यथा इसके परिणाम भारतीय अर्थव्यवस्था में गंभीर रूप से देखने को मिलेंगे। इससे इनकार नहीं किया जा सकता है।

सीने में दर्द, आँखों में जलन घुट रहा दिल्ली का दम

दिल्ली का वायु प्रदूषण मुख्य रूप से वाहनों से निकलने वाली गैसों, निर्माण कार्यों से उठने वाली धूल, किसानों द्वारा जलाए गए पराली, और औद्योगिक कारखानों से निकलने वाले धुएं के कारण होता है। इस प्रदूषण के कारण वायुमंडल में पीएम 2.5 और पीएम 10 जैसे महीन कणों की मात्रा अत्यधिक बढ़ जाती है जो सांस लेने में मुश्किल पैदा करते हैं और कई गंभीर बीमारियों का कारण बनते हैं। प्रदूषण का सबसे गंभीर असर शारीरिक स्वास्थ्य पर पड़ता है।

हर्षवर्धन पाण्डे

दिल्ली की आबोहवा में ताजे ऑक्सीजन के बजाय जहर घुलता जा रहा है, जो न केवल शारीरिक स्वास्थ्य के लिए खतरनाक है, बल्कि मानसिक और सामाजिक जीवन पर भी नकारात्मक प्रभाव डाल रहा है। हर साल ठंड के मौसम में दिल्ली का वायु प्रदूषण एक गंभीर समस्या बन जाता है। अक्टूबर से लेकर जनवरी तक दिल्ली में वायु गुणवत्ता सूचकांक खतरनाक स्तर तक पहुंच जाता है। दिल्ली का वायु प्रदूषण मुख्य रूप से वाहनों से निकलने वाली गैसों, निर्माण कार्यों से उठने वाली धूल, किसानों द्वारा जलाए गए पराली, और औद्योगिक कारखानों से निकलने वाले धुएं के कारण होता है। इस प्रदूषण के कारण वायुमंडल में पीएम 2.5 और पीएम 10 जैसे महीन कणों की मात्रा अत्यधिक बढ़ जाती है जो सांस लेने में मुश्किल पैदा करते हैं और कई गंभीर बीमारियों का कारण बनते हैं। प्रदूषण का सबसे गंभीर असर शारीरिक स्वास्थ्य पर पड़ता है। हर साल लाखों लोग प्रदूषण से संबंधित बीमारियों, जैसे अस्थमा, फेफड़ों के रोग, हृदय रोग और कैंसर का शिकार होते हैं। बच्चों और बुजुर्गों में प्रदूषण से संबंधित रोगों की संभावना अधिक होती है। इसके अलावा, प्रदूषण का असर मानसिक स्वास्थ्य पर भी पड़ता है, जिससे तनाव, घबराहट, और सिरदर्द जैसी समस्याएं बढ़ रही हैं। राजधानी दिल्ली और एनसीआर के तमाम हिस्सों में धुंध की चादर ने कई बरस पहले की दिवाली के दौर की यादों को ताजा कर दिया है। सभी इलाकों में लोगों का घरों से निकलना मुश्किल हो गया है क्योंकि प्रदूषण ने इस बार सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। जिधर देखो वहां धुंध की चादर दिखाई दे रही है। आँखों से पानी आ रहा है तो खांसी ने लोगों का जीना मुश्किल कर दिया है। लोगों को अपने काम पर जाने में दिक्कतों से दो चार होना पड़ रहा है वहीँ यह प्रदूषण का खतरनाक स्तर बच्चों के लिए घातक है लिहाजा एक बार फिर से सभी स्कूल, विश्वविद्यालय बंद कर दिए गए हैं। वैज्ञानिको का साफ़ मानना है कि दिल्ली की आबोहवा में इतना जहर घुल गया है कि अब यहाँ जीना मुश्किल होता जाएगा और जहरीले प्रदूषण की गिरफ्त आने वाला हर इंसान सांस, हार्ट की कई बीमारियों का शिकार हो जायेगा। अमेरिकी सैटेलाइट की तस्वीरों में भी उत्तर भारत के वायुमंडल में आग जनित धुंए की मौजूदगी को दर्शाया है। दिल्ली एनसीआर क्षेत्र में हवा की गति थमने के कारण वायुमंडल में मौजूद प्रदूषक तत्वों पीएम 2.5 और पीएम 10 धुंध की शक्ल में जमा हो गये हैं जिसकी वजह से न सिर्फ हवा में घुटन बढ़ गयी है बल्कि यातायात सहित सामान्य जनजीवन भी प्रभावित हुआ है 7 हवा की गुणवता बताने वाला सूचकांक हर दिन गंभीर कुलांचे मार रहा है और वायु गुणवत्ता सूचकांक 900 तक को क्रॉस कर रहा है। स्थितियां दिनों दिन जटिल ही होती जा रही हैं।

हाल कितने बुरे हैं इसका अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि विश्व स्वास्थ्य संगठन ने वायु प्रदूषण मापने का जो पैमाना बनाया है पीएम 2.5 का स्तर प्रतिघन मीटर 10 माइक्रो ग्राम से अधिक नहीं होना चाहिए लेकिन दिल्ली के कई इलाकों में यह 400 माइक्रोग्राम क्यूबिक मीटर (एमजीसीएम) और पीएम 10 का स्तर 1000 एमजीसीएम रिकॉर्ड तक पहुंचने के कगार पर है जो कहीं न कहीं हमारे लिए खतरे की घंटी है। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार राजधानी दिल्ली में पीएम 2.5 और पीएम 10 का स्तर खतरनाक स्तर पर पहुंच गया है। कई स्थानों में पीएम 2.5 का स्तर सामान्य से 12 गुना अधिक तो पीएम 10 का स्तर सामान्य से 10 गुना अधिक पार कर गया ह। दिनों दिन दिल्ली के इलाकों में प्रदूषण के स्तर में भी बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। पीएम 2.5 हवा में किसी भी प्रकार के पदार्थ को जलाने से निकलने वाले धुंए से आता हैं। वाहनों के इंजन में पेट्रोल और डीजल के जलने से धुआं निकलता हैं, और इस धुंए में विभिन्न प्रकार के प्रदूषक होते हैं, जिनमें पी एम 2.5 भी एक होता हैं। लकड़ी, गोबर के उपले, कोयला, केरोसिन तथा कचरा जलाने, फैक्टरी, सिगरेट से निकलने वाला धुंए में पीएम 2.5 की तादात अत्यधिक होती हैं। पीएम 2.5 कई प्रकार से हमारे स्वास्थ्य पर असर डालते हैं। छींक, खांसी, आंखों, नाक, गले और फेफड़ों में होने वाली जलन का कारण पीएम 2.5 भी हो सकता हैं। लंबे समय तक पीएम 2.5 की अधिकता वाली प्रदूषित हवा में रहने से अस्थमा, फेफड़ों तथा हृदय संबंधी बीमारी होने की संभावना अत्यधिक बढ़ जाती है और यही बीमारियां बाद में मौत का कारण बनती है। पीएम 2.5 से होने वाली बीमारी का खतरा बूढ़े और बच्चो में अत्यधिक होती है। भारत में शहरों में रहने वालों की संख्या दिन पर दिन बढ़ती जा रही हैं। वाहनों, फैक्टरी तथा कचरा जलाने से निकलने वाला धुआँ शहरों में पीएम 2.5 का मुख्य स्रोत होता हैं। आज विश्व के 20 सबसे ज्यादा प्रदूषित शहरों में भारत के 10 से अधिक शहर आते हैं। देश के ज़्यादातर शहरों में पीएम 2.5 का स्तर सरकार द्वारा निर्धारित किए गए मानको से कहीं अधिक है। पीएम 2.5 हमारी आसपास की हवा में घुला एक ऐसा अदृश्य जहर हैं, जो प्रतिवर्ष विश्व के लगभग 80 लाख लोगो की मौत का कारण बनता हैं। हिंदुस्तान में हर वर्ष लगभग 800000 लोग सिर्फ पीएम 2.5 से होने वाली बीमारियों के कारण मारे जाते हैं। देश मे सबसे ज्यादा मौते सांस और हाई ब्लड प्रेशर के कारण होती हैं। घर के अंदर खाना पकाने के लिए लकड़ियों, गोबर के उपलें।

आरोप-प्रत्यारोप की भेंट चढ़ा संविधान पर चर्चा का सत्र

ललित गर्ग

सर्वोच्च लोकतांत्रिक सदन लोकसभा संजीदा बहस की जगह हंगामे का केंद्र बनती जा रही है, जो दुर्भाग्यपूर्ण एवं विडम्बनापूर्ण है। जहां जनता से जुड़े मुद्दों पर सार्थक बहस की जगह शोर शराबा, हंगामा और सदन का स्थगित होना ही आम होता जा रहा है। यही बात लोकसभा में संविधान को लेकर हुई दो दिनों की बहस की चर्चा के दौरान देखने को मिली। संविधान निर्माण के 75वें वर्ष पर हुई यह चर्चा भी छिछालेदार, आरोप-प्रत्यारोप एवं उच्छृंखलता का माध्यम बनी, जबकि संविधान पर इस चर्चा से जनता को एवं देश को सही दिशा मिलनी चाहिए थी, संविधान के प्रति प्रतिबद्धता दोहरायी जानी चाहिए थी। संविधान जैसे सर्वाधिक महत्वपूर्ण विषय पर सार्थक बहस न होना लोकतंत्र को कमजोर करने एवं लोकतंत्र रूपी उजालों पर कालिख पोतना ही है। सत्तापक्ष और विपक्ष ने संविधान पर चर्चा के बहाने एक-दूसरे को कठघरे में खड़ा करने का काम करके आकाश पर पैबंद लगाने एवं सछिद्र नाव पर सवार होकर संविधान रूपी सागर की यात्रा करने का ही संकेत देकर देश की जनता को निराश ही किया है। भले ही अपने तर्कों एवं तथ्यों से पक्ष एवं विपक्ष ने अतीत के प्रसंगों और विषयों को अधिक रेखांकित किया गया हो। निश्चित ही सत्ता पक्ष और विपक्ष के अलग-अलग नजरियों को स्पष्ट करने वाली यह बहस न केवल समकालीन राजनीतिक मुद्दों पर बल्कि लोकतंत्र, समाज और इतिहास से जुड़े कई महत्वपूर्ण पहलुओं को उजागर करने वाली रही, लेकिन इस बहस में आरक्षण, सावरकर, मनुस्मृति और अदाणी को शामिल करना विपक्ष की बुद्धि का दिवालियापन ही कहा जा सकता है। इनमें से अनेक प्रसंग और विषय ऐसे थे, जिन पर पहले भी किसी न किसी बहाने संसद के भीतर या बाहर चर्चा होती रही है। यह पहले से दिख रहा था कि विपक्ष संविधान पर चर्चा के बहाने यह बताने की कोशिश करेगा कि संविधान खतरे में है। लेकिन यह समझाने के लिए विपक्षी नेताओं के पास कोई मजबूत तर्क नहीं थे, वे यह स्पष्ट करने में विफल रहे कि आखिर संविधान को खतरा कैसे है? कांग्रेस संविधान पर चर्चा करते समय यह भी भूल गई कि वह यदि मोदी सरकार के एक दशक के कार्यकाल की गलतियां गिनायेगी तो उसे भी अपने चार दशकों के कार्यकाल की गलतियों हिसाब देना होगा। संविधान पर चर्चा के दौरान जैसे विपक्ष ने सत्तापक्ष पर आरोपों की झड़ी लगाई वैसे ही सत्तापक्ष ने भी विपक्ष पर आरोपों की बौछार की। लेकिन यह सब करते हुए पक्ष एवं विपक्ष ने संविधान की विशेषताओं को उजागर करने की सकारात्मकता की बजाय विध्वंसात्मक नीति का ही सहारा लिया। जहां विपक्ष ने आरक्षण विरोधी आरोपों को दोहराते हुए कहा कि सत्ता पक्ष मूल रूप से आरक्षण की व्यवस्था के खिलाफ है और जब-तब दबे-छुपे ढंग से उसकी यह अंदरूनी इच्छा संघ और पार्टी के छोटे-बड़े नेताओं के बयानों से जाहिर होती रहती है। जवाब में खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्पष्ट किया कि आरक्षण की जो व्यवस्था अभी लागू है, उनकी सरकार उस पर आंच नहीं आने देगी, लेकिन धर्म के आधार पर आरक्षण देने की कोई भी कोशिश वह सफल नहीं होने देगी। जाहिर है, इसमें मतदाताओं को अपनी पाली में करने की दोनों पक्षों की कोशिश भी देखी और पहचानी जा सकती है। सत्तापक्ष और विपक्ष ने संविधान पर चर्चा के बहाने एक-दूसरे को कठघरे में खड़ा करने का काम ईर्ष्या और मात्सर्य की भावना से किया, जो तोड़-फोड़ की नीति में विश्वास को ही बल दे रहा था। लगता है कि विपक्षी नेता यह समझने को तैयार नहीं कि लोकसभा चुनाव के समय उन्होंने संविधान के खतरे में होने का जो हौवा खड़ा किया था, वह अब असरकारी नहीं रह गया है।

खास बात

तीन विधानसभाओं में नेता प्रतिपक्ष नहीं

लोकसभा में 10 साल तक कोई नेता प्रतिपक्ष नहीं रहा। केंद्र में अब 10 बरस के बाद नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी बने हैं। हाल ही में तीन राज्यों के विधानसभा चुनाव हुए हैं। हरियाणा महाराष्ट्र और झारखंड में नेता प्रतिपक्ष का पद किसी के पास नहीं रहेगा। क्योंकि विपक्ष को इतनी सीटें भी नहीं मिली, वह नेता प्रतिपक्ष का दावा कर पाएं। महाराष्ट्र में महाअघाड़ी की तीनों राजनीतिक पार्टियों ने मिलकर नेता प्रतिपक्ष का दावा किया है। अब सरकार की मर्जी है, वह नेता प्रतिपक्ष का दर्जा देती है, या नहीं। दिल्ली में आम आदमी पार्टी ने भाजपा को मात्र 3 सीट मिलने पर भी नेता प्रतिपक्ष का पद दिया था। भाजपा ने नेता प्रतिपक्ष का पद स्वीकार कर लिया। भाजपा अन्य राज्यों में यह सद्भाव विपक्षी दलों के प्रति नहीं दिखाती है। भाजपा सरकार पर एकाधिकार चाहती है। भाजपा किसी का अंकुश हो यह सहन करने के लिए तैयार नहीं हो पाती है। यही कारण है, जिन राज्यों में विपक्ष कमजोर है। बीजेपी कभी किसी को नेता प्रतिपक्ष का पद नहीं देती है।

लो राजा, आ गया एक देश एक चुनाव का बिल

सरकार ने संसद में लोकसभा और विधानसभाओं के सभी चुनाव एक साथ कराने का संविधान संशोधन बिल पेश कर दिया है। 2029 के बाद परिसीमन होगा। 2034 में बिल पास हो जाने के बाद देश की सभी विधानसभाओं और लोकसभा के चुनाव एक साथ संभव हो पाएंगे। तकनीकी कारणों से दो बार सदन में बिल पेश हुआ। पहले अपशगुन हुआ, दो बार मतदान हुआ, यह दूसरा अपशगुन था। बिल यदि संसद में पास होगा, तो इसके लिए 362 वोट संसद में चाहिए। लोकसभा में बिल पेश करने के लिए मतदान हुआ।

कांग्रेस को कमजोर करने में टीएमसी और सपा को क्या मिला?

ममता बनर्जी ने इंडिया गठबंधन का नेतृत्व करने का शंख बजाया। जिसके कारण इंडिया गठबंधन संसद में कमजोर हुआ। वहीं सपा ने भी अदानी मामले में कांग्रेस का साथ न देकर संभल मामले को लेकर अपनी दूरियां बना ली। इसको देखते हुए, अब यह कहा जा रहा है, कांग्रेस को पंचर करने के बाद आखिर टीएमसी और सपा को क्या मिला। राजनीतिक हल्कों में कहा जा रहा है। अदानी और मोदी अपनी आखिरी लड़ाई लड़ रहे हैं। अमेरिका की अदालतों ने मोदी और अडानी के सिर पर तलवार लटका दी है। अदानी ने टीएमसी और सपा को पटाया। अदानी वाला मुद्दा संसद में ना उठे। उसके लिए अदानी को हजारों करोड़ों रुपए खर्च करने पड़े। सपा और टीएमसी को करोड़ों का चंदा मिला। आगे जो होगा, उसके लिए फिर आगे बात करेंगे।

संविधान पर चर्चा, शाह विपक्ष के निशाने पर

राज्यसभा में संविधान पर 2 दिन की चर्चा हुई। सत्ता पक्ष की ओर से समापन भाषण गृहमंत्री अमित शाह का हुआ। उन्होंने विपक्षी सदस्यों पर बड़ी आक्रामक मुद्रा में कहा, वोटो के लिए जितनी बार अंबेडकर का नाम लेते हो। यदि इतनी बार भगवान राम का नाम लिया होता, तो भगवान मिल जाता। उनके इस कथन के बाद सारा विपक्ष बुरी तरह से बिफर गया। बुधवार को सदन विपक्षियों ने नहीं चलने दिया। जिस तरह से अंबेडकर को बडा हल्का करते हुए गृहमंत्री ने बयान दिया है। इसका असर निश्चित रूप से भाजपा के ऊपर पड़ेगा। यह समझ में आते ही भाजपा रक्षात्मक हो गई। लेकिन विपक्ष को एक नया मुद्दा मिल गया। यह राजनीति के जानकार कहने लगे हैं। लोग यह भी कहते हैं जब समय अच्छा नहीं होता है।

चिंतन-मनन

नदी और सागर

सुखदेव ऋषि के आश्रम में कई शिष्य रहते थे। उनमें अनुज नामक शिष्य काफी तेज था। धीरे-धीरे वह स्वयं को अन्य शिष्यों से श्रेष्ठ मानकर दूसरों को हीन समझने लगा। ऋषि उसके अंदर छिपे अहं को समझ गए और उसे एक दिन अपने साथ एक सागर के पास ले गए। विशालकाय सागर अत्यंत आकर्षक दिख रहा था। उसकी लहरें जब अठखेलियां करतीं तो मन प्रसन्न हो जाता। ऋषि ने अनुज से सागर का पानी पीने के लिए कहा। अनुज ने जैसे ही पानी मुंह में डाला, वैसे ही उसने बुरा सा मुंह बनाकर पानी बाहर निकाल दिया और बोला, गुरुजी, यह पानी तो खारा है। मेरा मुंह का स्वाद कसैला हो गया। ऋषि उसकी बात सुनकर मुस्कराए। वह उसे अपने साथ लेकर आगे बढ़ते रहे। आगे एक छोटी सी नदी आई। नदी का जल शांत था। ऋषि ने अनुज से नदी का जल पीने के लिए कहा। अनुज ने जैसे ही जल मुंह में डाला, वैसे ही उसके मन को अत्यंत तृप्ति मिली। वह बोला, गुरुजी, नदी के जल ने मुंह का स्वाद बढ़ा दिया है। इतना ठंडा और मीठा जल बहुत कम देखने को मिलता है, जबकि इतने बड़े सागर का पानी एकदम खारा था। उसके ऐसा ही कहते ही ऋषि बोले, पुत्र, देखा तुमने, छोटे-बडे से कुछ नहीं होता। हर व्यक्ति को अपने व्यवहार और सद्कार्यो से अपने लिए जगह बनानी पड़ती है। तुमने सागर के अहं को देखा। वह सब कुछ अपने में ही भरे रहता है। लेकिन इसका जल खारा होता है। जबकि छोटी सी नदी जो पाती है उसका अधिकांश बांटती है, इसलिए उसके जल में मिठास है। व्यक्ति को बड़े होने पर भी अहं को अपने पास नहीं फटकने देना चाहिए अन्यथा उसका हाल भी सागर की तरह ही होता है। मेरे विचार में तुम मेरी बातों का अर्थ अच्छी तरह समझ गए हो। अनुज को अपनी गलती का अहसास हो गया। उसने अपने भीतर से अपना अहं निकाल फेंका।

राशिफल

शुभ संवत 2081, शाके 1946, सौम्य गोष्ठ, पौष कृष्ण पक्ष, हेमंत ऋतु, गुरु उदय पूर्वे शुक्रोदय पश्चिम तिथि चौथ गुरुवासरे 11/48 अश्लेषा नक्षत्रे 53/10 रात्रि 3/69 वैश्य योगे 35/39 ववकरणे 12/43 कर्क की चंद्रमा, उग्रकर्म मुहूर्त तथापि उत्तर दिशा की यात्रा शुभ उत्तम होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल: आज जन्म लिया बालक योग्य बुद्धिमान, चपल, चतुर, चंचल, स्वाभिमानी, कुशलवक्ता, अधिवक्ता तथा शासक, प्रशासक, उत्तम व्यापारी, व्योहारी, सजग प्रहरी, शिक्षक लेक्चरारा प्रोफेसर तथा प्रिन्सपल होगा, उद्योग स्थापना करने वाला, मठ निर्माण करने वाला मठाधीश, ट्रस्टी होगा।

मेष राशि- तनाव व उदर रोग, मित्र लाभ, राजभय तथा पारिवारिक समस्या अवश्य उलझेगी

वृष राशि- अनुभव सुख मंगल कार्य विरोध मामलें मुकदमों पर प्राय: जीत की संभावना हो।

मिथुन राशि- कुसंगत हानि, विरोध भय यात्रा, सामाजिक कार्यों में व्यवधान अवश्य बनेंगे।

कर्क राशि- भूमि लाभ, स्त्री सुख, हर्ष, प्रगति, स्थिति में सुधार, लाभ अवश्ह ही होगा।

सिंह राशि- तनाव व विवाद से बचे, विरोधियों की चिन्ता, राजकार्यों से प्रतिष्ठा मिल सकेगी।

कन्या राशि- भूमि लाभ, स्त्री सुख, हर्ष, प्रगति, स्थिति में सुधार, लाभ तथा कार्य उत्तम होवे।

तुला राशि- प्रगति, वाहन क्रय, भूमि लाभ, कलह, कुछ अच्छे कार्य कर सकेंगे, ध्यान रखे।

वृश्चिक राशि- कार्य सिद्ध, विरोध, लाभ, हर्ष कष्ट, व्यय होवे, व्यापार में सुधार होवे, खर्च होवे।

धनु राशि- यात्रा में हानि, मित्र कष्ट, व्यय की कमी किन्तु कुछ व्यवस्था का अनुभव होगा।

मकर राशि- शुभ कार्य, वाहन आदि, रोग, धार्मिक कर्म, कुछ अच्छे कार्य हो सकते है, ध्यान रखे।

कुंभ राशि- अभीष्टसिद्ध, राज भय, कार्य बाधा, राज कार्यों में रुकावट का अनुभव अवश्य होगा।

मीन राशि- अल्प हानि, रोग भय, संपर्क लाभ, राज कार्य में विलंब परेशानी होगी।

पीएल गौतमाचार्य

दैनिक पंचांग

19 दिसम्बर 2024 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	धनु में	**धनु**	06.21 बजे से
चंद्र	कर्क में	**मकर**	08.30 बजे से
मंगल	कर्क में	**कुंभ**	10.16 बजे से
बुध	वृश्चिक में	**मीन**	11.49 बजे से
गुरु	वृष में	**मेष**	13.20 बजे से
शुक्र	मकर में	**वृष**	15.00 बजे से
शनि	कुंभ में	**मिथुन**	16.58 बजे से
राहु	मीन में	**कर्क**	19.11 बजे से
केतु	कन्या में	**सिंह**	21.28 बजे से
राहुकाल		**कन्या**	23.39 बजे से
1.30 से 3.00		**तुला**	01.50 बजे से
बजे तक		**वृश्चिक**	04.05 ब.से

गुरुवार 2024 वर्ष का 354 वां दिन **दिशाशूल** दक्षिण **ऋतु** हेमन्त। **विक्रम संवत्** 2081 **शक संवत्** 1946 **मास** पौष (दक्षिण भारत में मृगशीर्ष) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** चतुर्थी 10.03 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** आश्लेषा 02.00 बजे रात्र को समाप्त। **योग** वैधृति 18.34 बजे को समाप्त। **करण** बालव 10.03 बजे तदनन्तर कौलव 22.20 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 17.7 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 23° 25' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872198 **जूलियन दिन** 2460663.5 **कलियुग संवत्** 5125 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** जमादि उस्सानी **तारीख** 16

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
शुभ	05.54 से	07.22 बजे तक	**अमृत**	05.40 से	07.11 बजे तक
रोग	07.22 से	08.51 बजे तक	**चर**	07.11 से	08.43 बजे तक
उद्वेग	08.51 से	10.19 बजे तक	**रोग**	08.43 से	10.15 बजे तक
चर	10.19 से	11.47 बजे तक	**काल**	10.15 से	11.47 बजे तक
लाभ	11.47 से	01.15 बजे तक	**लाभ**	11.47 से	01.19 बजे तक
अमृत	01.15 से	02.43 बजे तक	**उद्वेग**	01.19 से	02.51 बजे तक
काल	02.43 से	04.11 बजे तक	**शुभ**	02.51 से	04.23 बजे तक
शुभ	04.11 से	05.40 बजे तक	**अमृत**	04.23 से	05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

ड्राइविंग के क्षेत्र में दो तरह से कॅरियर बनाया जा सकता है। मसलन, आप स्वयं के व्यवसाय के स्वामी और चालक हो सकते हैं। इसके लिए आप ओला और उबर के तहत पंजीकृत कुछ टैक्सी प्राप्त करें और इस उद्योग के माध्यम से भी अच्छी कमाई करें।

कॅरियर के लिए अच्छा ऑप्शन साबित हो सकता है ड्राइविंग

ड्राइविंग एक ऐसा क्षेत्र है, जिसमें कॅरियर बनाने के बारे में शायद ही कोई युवा सोचता हो। यकीनन यह कोई फुल टाइम प्रोफेशन नहीं है लेकिन फिर भी अगर आप इसे एक कॅरियर या व्यवसाय के रूप में देखते हैं तो इसमें भी आपके विकास की अपार संभावनाएं मौजूद है। यह उन लोगों के लिए एक अच्छा कॅरियर ऑप्शन साबित हो सकता है, जो बहुत अधिक पढ़े-लिखे नहीं है, लेकिन फिर भी अच्छी आमदनी करके एक बेहतर जिन्दगी जीना चाहते हैं। तो चलिए आज हम आपको बताते हैं कि ड्राइविंग के क्षेत्र में कॅरियर बनाकर आप किस तरह अपने सपनों को पूरा कर सकते हैं-

ऐसे बनाएं कॅरियर

कॅरियर एक्सपर्ट बताते हैं कि ड्राइविंग के क्षेत्र में दो तरह से कॅरियर बनाया जा सकता है। मसलन, आप स्वयं के व्यवसाय के स्वामी और चालक हो सकते हैं। इसके लिए आप ओला और उबर के तहत पंजीकृत कुछ टैक्सी प्राप्त करें और इस उद्योग के माध्यम से भी अच्छी कमाई करें। इसके अलावा अगर आपके पास पर्याप्त पैसा नहीं है तो इस स्थिति में आप कुछ ओला व उबर आदि में बतौर कार चालक अपने कॅरियर की शुरूआत कर सकते हैं।

योग्यता

यह एक ऐसा क्षेत्र नहीं है, जिसके लिए किसी खास प्रोफेशनल डिग्री की आवश्यकता हो। आपको बस एक वाणिज्यिक ड्राइविंग लाइसेंस की आवश्यकता है और फिर कई ड्राइविंग स्कूल हैं जो आपको अपने आसपास के क्षेत्र में मिलेंगे। आप वहां से ड्राइविंग का प्रशिक्षण ले सकते हैं।

जरूरी स्किल्स

अगर आप सच में अपने कॅरियर को ग्रोथ देना चाहते हैं तो इसके लिए आपमें कुछ स्किल्स का होना बेहद आवश्यक है। सबसे पहले तो आपको बेहद अच्छी तरह से कार ड्राइव करनी आनी चाहिए। यह आपके कॅरियर के लिए सबसे पहली और जरूरी शर्त है। इसके अलावा आप जिस शहर में हैं, वहां की सड़कों की आपको अच्छी जानकारी होनी चाहिए। वैसे इन दिनों जीपीएस के जरिए भी रास्तों के बारे में पता लगाया जा सकता है। वहीं आपमें बेहतर कम्युनिकेशन स्किल होना भी बेहद आवश्यक है। सारा दिन आपकी गाड़ी में कई कस्टमर आएंगे, आपका उनके प्रति व्यवहार कैसा होगा, इस पर काफी कुछ निर्भर करता है।

संभावनाएं

इस क्षेत्र में कॅरियर ग्रोथ काफी अच्छी है। सबसे पहले तो आप ओला व उबर के अलावा कई ड्राइविंग कंपनियों में बतौर ड्राइवर काम कर सकते हैं। इसके अलावा अगर आप चाहें तो ड्राइविंग इंस्टीट्यूट में बतौर टेनर भी काम कर सकते हैं और दूसरे लोगों को कार चलाना सिखा सकते हैं। इसके अलावा कुछ लोगों को पर्सनल कार ड्राइवर की जरूरत होती है, आप उनके लिए भी काम कर सकते हैं। वहीं खुद भी कार या टैक्सी लेकर उसे ड्राइव कर सकते हैं। इस तरह आप खुद ही मालिक बन सकते हैं।

लीक से हटकर कुछ करना चाहते हैं तो मिक्सोलॉजी में देख सकते हैं अपना कॅरियर

एक अच्छा मिक्सोलॉजिस्ट बनने के लिए अच्छा श्रोता होना व फ्रेंडली होना बेहद आवश्यक है। इसके अलावा एक्यूरेसी, बेहतर कम्युनिकेशन स्किल्स, आर्गेनाइजेशन स्किल्स, एनर्जेटिक, फलेक्सिबिलिटी, टीमवर्क, व क्रिएटिविटी जैसे गुण आपके काम को आसान बनाते हैं।

अगर आप उनमें से हैं, जिन्हें नौ से पांच की जॉब करना अच्छा नहीं लगता। आप अपनी लाइफ में लीक से हटकर कुछ करना चाहते हैं तो ऐसे में मिक्सोलॉजी के क्षेत्र में अपना कॅरियर देख सकते हैं। यह एक बेहद ही डिफरेंट कॅरियर ऑप्शन है। एक मिक्सोलॉजिस्ट एक व्यक्ति है जो कॉकटेल और मिश्रित पेय बनाने के लिए विभिन्न प्रकार के मादक पेय और अन्य सामग्री को मिलाता है। आमतौर पर लोग मिक्सोलॉजिस्ट को बारटेंडर ही समझते हैं, लेकिन इनमें अंतर है। बारटेंडर केवल बार में होते हैं और केवल पहले से मौजूद डिंक्स को ही बनाते हैं। जबकि मिक्सोलॉजिस्ट कई नए तरह के कॉकटेल बनाता है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको इस कॅरियर के बारे में बता रहे हैं-

क्या होता है काम

एक मिक्सोलॉजिस्ट का काम बारटेंडर की तुलना में अधिक विस्तृत होता है। वे कई तरह की डिंक्स को मिक्स करके एक नया पेय पदार्थ बनाने के अलावा, बार को आर्गेनाइज करना, कस्टमर्स को नए डिंक्स के बारे में बताना और उन्हें एंटरटेन करना, नए पेय पदार्थों का सुझाव देना और मेन्यू में कुछ नए पेय पदार्थों को शामिल करना होता है। यह एक ऐसी जॉब है, जिसमें आप हर दिन कुछ नए एक्सपेरिमेंट करते हैं और खुद को एक्सप्लोर करते हैं। हालांकि यहां पर काम के कोई निश्चित घंटे नहीं होते।

स्किल्स

कॅरियर एक्सपर्ट बताते हैं कि एक अच्छा मिक्सोलॉजिस्ट बनने के लिए अच्छा श्रोता होना व फ्रेंडली होना बेहद आवश्यक है। इसके अलावा एक्यूरेसी, बेहतर कम्युनिकेशन स्किल्स, आर्गेनाइजेशन स्किल्स, एनर्जेटिक, फलेक्सिबिलिटी, टीमवर्क, व क्रिएटिविटी जैसे गुण आपके काम को आसान बनाते हैं।

शैक्षणिक योग्यता

इस क्षेत्र में कॅरियर बनाने के लिए किसी निश्चित डिग्री का होना आवश्यक नहीं है। आपके स्वाद की समझ ही आपको आगे लेकर जाती है। हालांकि, ज्यादातर कंपनियां ऐसे मिक्सोलॉजिस्ट को पसंद करती हैं जिनके पास बारटेंडिंग लाइसेंस होता है। उम्मीदवार किसी भी कंपनी में अल्पकालिक भुगतान प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में भाग लेकर प्रमाण पत्र प्राप्त कर सकते हैं।

संभावनाएं

यकीनन यह एक अलग कॅरियर क्षेत्र है, लेकिन फिर भी अगर आप अपने काम में अच्छे हैं तो आपके पास काम की कोई कमी नहीं होने वाली है। आप बार या रेस्टोरेंट के अलावा, क्लब, पब, होटल, टैवर्न आदि में बेहद आसानी से काम कर सकते हैं। इसके अलावा कुछ कंपनियां फूड एंड बेवरेज शो या फिर कई मार्केटिंग इवेंट्स में अपनी सर्विसेज देने के लिए भी मिक्सोलॉजिस्ट को हायर करती हैं। इस तरह के इवेंट्स में आप अच्छी खासी कमाई कर सकते हैं।

आमदनी

एक मिक्सोलॉजिस्ट की सालाना पूरी तरह से उस क्लब / रेस्तरां / बार पर निर्भर करेगा जिस पर वह काम कर रहा है। फिर भी शुरूआती दौर में आप दो से तीन लाख रूपए सालाना आसानी से कमा सकते हैं।

प्रमुख संस्थान

- इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट कैटरिंग एंड न्यूट्रिशन, लखनऊ
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, कोलकाता
- इंस्टिट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, अहमदाबाद
- नेशनल काउंसिल फॉर होटल मैनेजमेंट एंड कैटरिंग टेक्नोलॉजी, नोएडा
- इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, मुंबई
- इंस्टिट्यूट ऑफ होटल मैनेजमैंट कैटरिंग टैक्नोलॉजी- एप्लाईड नुट्रीसन, कोलकाता
- सेंटमेरी कॉलेज, बैंगलोर
- इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, कैटरिंग एंड न्यूट्रिशन, शिमला

कैसे बनें लेखपाल? जानें योग्यता, एग्जाम पैटर्न, सैलरी व सभी जानकारी

लेखपाल राजस्व विभाग यानी रेवेन्यू डिपार्टमेंट के अंतर्गत काम करते हैं। लेखपाल को कुछ राज्यों में पटवारी, पटेल, कारनाम अधिकारी, शानबोगरु आदि नाम से जाना जाता है। यह एक सरकारी नौकरी है और इसमें जॉब सिक्योरिटी, पेंशन, पीएफ जैसे लाभ मिलते हैं।

आजकल अधिकतर युवा सरकारी नौकरी करना चाहते हैं। लेकिन सरकारी नौकरी पाना इतना आसान नहीं हैं। लेकिन आज हम आपको एक ऐसी सरकारी नौकरी के बारे में बताने जा रहे हैं जिसके लिए आपको ज्यादा मेहनत करने की जरुरी नहीं है।

आज हम आपको बताएंगे कि आप लेखपाल कैसे बन सकते हैं -

लेखपाल राजस्व विभाग यानी रेवेन्यू डिपार्टमेंट के अंतर्गत काम करते हैं। लेखपाल को कुछ राज्यों में पटवारी, पटेल, कारनाम अधिकारी, शानबोगरु आदि नाम से जाना जाता है। यह एक सरकारी नौकरी है और इसमें जॉब सिक्योरिटी, पेंशन, पीएफ जैसे लाभ मिलते हैं। आजकल युवाओं में इस पद की डिमांड बहुत ज्यादा है। लेखपाल बनने के लिए अभ्यर्थी को लिखित परीक्षा के साथ-साथ इंटरव्यू देना होता है।

लेखपाल दो तरह के होते हैं - राजस्व लेखपाल और चकबंदी लेखपाल। राजस्व लेखपाल आवासीय और व्यावसायिक जमीन से जुड़े काम देखते हैं और राजस्व लेखपाल आवासीय और व्यावसायिक जमीन से जुड़े काम देखते हैं।

योग्यता

- आपको किसी भी स्ट्रीम से बारहवीं पास होना चाहिए। मिनिमम परसेंटेज की कोई शर्त नहीं होती।
- उम्मीदवार के पास कम्प्यूटर कोर्स का सर्टिफिकेट होना जरूरी है।

आयु सीमा

लेखपाल बनने के लिए अभ्यर्थी की आयु 18 वर्ष और 40 वर्ष के मध्य होनी चाहिए। आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों को नियमानुसार आयु में छूट प्रदान की जाती है।

लेखपाल बनने की परीक्षा

लेखपाल बनने के लिए लिखित परीक्षा और इंटरव्यू ये दो चरण होते हैं। लिखित परीक्षा 100 नंबर की होती है। इसके लिए 90 मिनट दिए जाते हैं। इसमें माइनस मार्किंग नहीं होती। परीक्षा में हिन्दी, सामान्य ज्ञान, गणित और ग्राम समाज और विकास के प्रश्न पूछे जाते हैं। हर सेक्शन में 25-25 प्रश्न होते हैं। लेखपाल की परीक्षा के लिए सामान्य ज्ञान, हिंदी सामान्य गणित और सामाजिक जीवन से जुड़े प्रश्न पूछे जाते हैं। लिखित परीक्षा में पास होने वाले अभ्यर्थियों को इंटरव्यू के लिए बुलाया जाता है। लिखित परीक्षा और इंटरव्यू दोनों को मिलाकर जो भी मार्क्स मिलते हैं उसी के आधार पर लेखपाल को चुना जाता है।

सैलरी

एक लेखपाल की सैलरी 5200-20200 रूपए प्रतिमाह पे-ग्रेड के अनुसार होती है। लेखपाल एक क्लेरिकल पोस्ट है जो ग्रुप सी के अंतर्गत आती है।

टिफिन सर्विस का बिजनेस शुरू कर कमा सकते हैं लाखों

साफ-सफाई का खास ध्यान रहे और खाना बनाने से लेकर टिफिन डिलीवरी करने वाला व्यक्ति भी नीट और क्लीन रहे। साथ ही टिफिन बॉक्स में बेहतर क्वालिटी का हो, ताकि थाने के संदर्भ में अच्छी राय बने। टिफिन बॉक्स में खाना पैक करते समय इधर-उधर नहीं गिरना चाहिए।

कोरोनावायरस अभी पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है और इस दौर में कई जमे जमाए बिजनेस और दूसरे प्रोफेशनों की कमर टूट चुकी है। कई लोगों की इस आपदा में नौकरी गई है तो कई लोगों का बिजनेस चौपट हुआ है। सबसे अधिक असर पड़ने वाली इंडस्ट्रीज में, फूड इंडस्ट्री पर निश्चित रूप से बड़ा असर पड़ा है। होटल, ढाबे जहां पर लोग इकट्ठे होकर खाना खाते थे, वहां बिजनेस जबरदस्त ढंग से प्रभावित हुआ है। पर लोगों की खाना खाने की जरूरतें तो कम नहीं हुई हैं, ऐसे में कई जगहों पर सुरक्षित टिफिन सर्विस एक बेहतर विकल्प के रूप में सामने आ सकता है। आइए देखते हैं इसकी कहां कहां और किस प्रकार उपयोगिता है और आप इसके जरिए किस प्रकार शुरुआत कर सकते हैं और किस प्रकार कमाई कर सकते हैं।

कारोबार को समझना जरूरी

ध्यान रखने वाली बात यह है कि बिजनेस चाहे कोई भी हो, किंतु उसे समझना एवं प्रबंधित करने का ढंग आपको वास्तविक रुप से उसका फायदा दिलाता है। अगर आप किसी बिजनेस को ठीक ढंग से मैनेज कर पाते हैं तो भारी मुनाफा और अच्छी क्रेडिबिलिटी हासिल कर सकते हैं। आखिर यूं ही तो आईआईएम से बड़े संस्थानों से निकले लोग सब्जी बेचकर या कोई छोटा मोटा रोजगार करके, या फिर खेती करके लाखों नहीं कमाते हैं? उनके कमाने के उदाहरणों से प्रबंधन के गुणों को सीखना जरूरी है।

कारोबार को प्रबंधित करने से पहले कारोबार को समझना और ग्राउंड वर्क करना जरूरी है। आप जिस भी क्षेत्र में रहते हों, आस पास अगर कोई टिफिन सर्विस चलती है तो उसके पास खुद एक ग्राहक बनकर जाएँ और देखें कि वहां पर किस प्रकार से आपको टिफिन दी जाती है, उसके रेट क्या है, सब्जी इत्यादि की वैरायटी क्या है, अलग-अलग दिनों में वेज और नॉनवेज का कॉम्बिनेशन क्या है? इतना ही नहीं, खाने की क्वालिटी कैसी है, डिलीवरी की टाइमिंग इत्यादि किस प्रकार से मैनेज किया जाता है, इन सब बातों को जब एक ग्राहक के तौर पर समझने की कोशिश करेंगे, तो आपको इसकी बारीकियां समझ आ जायेंगी।

कस्टमर मैनेजमेंट और मार्केटिंग

यह एक बेहद महत्वपूर्ण फैक्टर है। जब आप एक कारोबार को समझ लेते हैं और ग्राउंड वर्क कर लेते हैं तो आपके सामने बड़ी चुनौती आती है कि कस्टमर आप किस प्रकार से ढूँढें? तो इसके लिए आपको एडवर्टाइजमेंट करना पड़ेगा। इसके लिए आप खुद कैनवा जैसी ऑनलाइन सर्विस का प्रयोग करके अपनी टिफिन सर्विस का बैनर बना लें और व्हाट्सएप पर शेयर करें, खासकर उन कंटेक्ट में, जिस एरिया में आप बिजनेस करना चाहते हैं। शुरुआत में अगर आप के जानकार और आपके परिचित पहले ग्राहक बनते हैं, तो यह सबसे उत्तम होगा। एक तो ऑलरेडी वह आपको जानते हैं और दूसरे शुरू में विश्वास बनाने में आपको आसानी हो जाएगी। यह कार्य व्हाट्सएप पर आप आसानी से कर लेंगे, किंतु सिर्फ जानकारों में आप यह कार्य बढ़ा नहीं पाएंगे। कारोबार बढाने के लिए आपको पंपलेट छपवाने पड़ेंगे और आसपास के एरिया में डिस्ट्रीब्यूटर करना पड़ेगा। वह हॉस्टल हो सकता है, कंपनी हो सकती है, या कोई लोकलिटी हो सकती है। कस्टमर जब आपके बनने लगेंगे, तो उसको प्रबंधित करने में और क्वालिटी देने में आप चूक ना करें। ध्यान रखें, यह 21वीं सदी है और यहां पर जितनी बेहतरीन क्वालिटी और सर्विस आप देंगे, आपके ग्रो करने की संभावना उतनी ही अधिक होगी। कम लागत के लिए पहले एकाध कस्टमर से ही शुरू करें, और अनुभव के साथ महीने बाद कारोबार को गति दें।

ध्यान रहे कि यह बिजनेस ना केवल शहर में, बल्कि छोटे-छोटे कस्बों और यहां तक कि गांव तक में चलने लगा है। गांव में कई घरों में बुजुर्ग व्यक्ति होते हैं, जो अकेले होते हैं। उनके बच्चे दूर शहरों में रोजी रोटी के लिए गए होते हैं, तो उनके लिए भी यह बेहद उपयोगी सर्विस है। ऐसे में निश्चित रूप से आपको इससे पुण्य और पैसा दोनों मिल सकता है।

कुछ महत्वपूर्ण बातें

- साफ-सफाई का खास ध्यान रहे और खाना बनाने से लेकर टिफिन डिलीवरी करने वाला व्यक्ति भी नीट और क्लीन रहे। साथ ही टिफिन बॉक्स में बेहतर क्वालिटी का हो, ताकि थाने के संदर्भ में अच्छी राय बने। टिफिन बॉक्स में खाना पैक करते समय इधर-उधर नहीं गिरना चाहिए।
- मेन्यू अपडेट करते रहें। साथ ही ध्यान रखें कि स्वाद के चक्कर में ऐसा नहीं होना चाहिए कि कस्टमर के हेल्थ से समझौता हो जाए। कल्पना करें कि अगर कोई खाना खाने के बाद कस्टमर का पेट खराब हो जाता है या उसे अन हेल्दी फील होता है तो आप अपने ग्राहक खो देंगे। हां! स्वाद के लिए अपने मैन्यू में आप कोई मिठाई या दूसरी चीजें अपडेट करते रह सकते हैं।
- कस्टमर के फीडबैक के आधार पर किसी दिन उसकी पसंद का मैन्यू जरूर बना सकते हैं। त्यौहार इत्यादि के दिन पूरी या ऐसी दूसरी लोकल डिश कस्टमर को टेस्ट करा सकते हैं, पर यह कस्टमर के फीडबैक के आधार पर ही होना चाहिए।
- समय का पालन बहुत जरूरी है। अगर सुबह ब्रेकफास्ट 8:00 बजे पहुंचाते हैं, तो यह किसी हालत में 8 से लेट नहीं होना चाहिए, बहुत पहले भी नहीं होना चाहिए। समय पर डिलीवरी आपके बारे में एक बेहतरीन राय कायम करेगी। अगर किसी कारण वश देरी होने की सम्भावना है तो व्हाट्सअप या कॉल पर कस्टमर को अपडेट जरूर कर दें।

संक्षिप्त समाचार

शाबाश बुमराह फॉलोऑन बचाने के लिए !: पिचाई-मस्क

नई दिल्ली। टीम इंडिया के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के प्रेस कॉन्फ्रेंस का एक वीडियो वायरल हो रहा है। इसमें बुमराह से उनकी बल्लेबाजी पर सवाल किया जा रहा है। इसके जवाब में बुमराह ने अपना रिकॉर्ड बताया। बुमराह के नाम टेस्ट में एक ओवर में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड है। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि आपको गूगल का इस्तेमाल करना चाहिए और देखना चाहिए कि टेस्ट मैच में एक ओवर में सबसे ज्यादा रन किसने बनाए |बुमराह के इस वीडियो पर गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने ब्रिस्बेन में खेले गए सीरीज के तीसरे टेस्ट के चौथे दिन के खेल के बाद वीडियो पर कमेंट किया। उन्होंने लिखा- मैंने इसे गूगल किया। जो कोई कमिंस को छक्का लगा सकता है, वो बल्लेबाजी करना जानता है!

खराब फॉर्म और प्रदर्शन के चलते पृथ्वी शॉ विजय हजारे ट्रॉफी से बाहर

नई दिल्ली। टीम इंडिया से लंबे समय से बाहर चल रहे पृथ्वी शॉ को विजय हजारे ट्रॉफी की मुंबई टीम से भी हटा दिया है। खराब फॉर्म और प्रदर्शन के चलते पृथ्वी को टीम से बाहर कर दिया गया है। विजय हजारे ट्रॉफी 21 दिसंबर से शुरू होने वाली है। पृथ्वी शॉ, जिन्हें कभी भारतीय क्रिकेट का भविष्य कहा जाता था और जिन्होंने टेस्ट डेब्यू में शतक जड़ा था, फिलहाल मुश्किल दौर से गुजर रहे हैं। इस सत्र में उनका प्रदर्शन बेहद साधारण रहा है। रणजी ट्रॉफी के दौरान उन्हें अनुशासन और फिटनेस संबंधी कारणों से बीच टूर्नामेंट से बाहर कर दिया गया था।

ओलंपिक की बात करते थे तो मजाक बनाते थे: योगेश्वर दत्त

नई दिल्ली। पूर्व रेसलर योगेश्वर दत्त ने बताया कि जब वह ओलंपिक की बात करते थे तो लोग उनका मजाक बनाते थे। योगेश्वर दत्त ने साल 2012 में ब्रॉन्ज मेडल जीता था। हाल ही में एक चैनल की समिट में पूर्व रेसलर भी शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने अपने संघर्ष पर बात की। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस ने कुश्ती की इमेज खराब की। ओलंपिक मेडलिस्ट ने कहा, कुश्ती में मेडल जीतने के लिए मैं बता नहीं सकता कि मैंने कितना संघर्ष किया है। हमें इतनी ज्यादा इंजरी हुई है। हम ये गिन गिनते भी भूल जाते हैं। हम दिन भर के 7-8 घंटे मेहनत करते थे। राजनीति भी मुश्किल है। हर खिलाड़ी चाहते हैं कि वे मेडल जीते लेकिन

अब भी तालिका में तीसरे स्थान पर मौजूद

भारत के फाइनल में पहुंचने की उम्मीदें बरकरार

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीसरा टेस्ट ड्रॉ रहने के बावजूद ऑस्ट्रेलिया टीम डब्ल्यूटीसी की अंक तालिका में दूसरे स्थान पर है। दोनों टीमें अंक बांटने पर मजबूर हुईं। ड्रॉ होने से भारत के डब्ल्यूटीसी अंक प्रतिशत में गिरावट आई और उसकी पीसीटी 57.29 से 55.88 पर पहुंच गई है।

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच ब्रिसबेन के गाबा मैदान पर खेला गया तीसरा टेस्ट मैच ड्रॉ पर समाप्त हो गया है। इस मुकाबले के बाद भारतीय टीम विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) अंक तालिका में तीसरे स्थान पर मौजूद है। भारत के हालांकि अब भी डब्ल्यूटीसी के फाइनल में पहुंचने की उम्मीदें जिंदा है और वह दूसरे स्थान पर रहकर इसके लिए क्वालिफाई कर सकती है।

तीसरा टेस्ट ड्रॉ रहा: भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीसरा टेस्ट ड्रॉ पर समाप्त हुआ। ऑस्ट्रेलिया ने भारत के सामने 275 रन का लक्ष्य रखा था। जवाब में भारत ने अपनी दूसरी पारी में बिना विकेट गंवाए आठ रन बना लिए थे। हालांकि, इसके बाद बारिश ने आगे का

भारत अब भी फाइनल की दौड़ में शामिल

विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2023-25 की अंक तालिका

टीम	मैच	जीते	हारे	टाई	ड्रॉ	अंक	अंक प्रतिशत
दक्षिण अफ्रीका	10	6	3	0	1	76	63.33
ऑस्ट्रेलिया	15	9	4	0	2	106	58.89
भारत	17	9	6	0	2	114	55.88
न्यूजीलैंड	14	7	7	0	0	81	48.21
श्रीलंका	11	5	6	0	0	60	45.45
इंग्लैंड	22	11	10	0	1	114	43.18
पाकिस्तान	10	4	6	0	0	40	33.33
बांग्लादेश	12	4	8	0	0	45	31.25
वेस्टइंडीज	11	2	7	0	2	32	24.24

खेल नहीं होने दिया और दोनों कप्तानों ने मैच को ड्रॉ पर समाप्त करने का फैसला लिया। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 445 रन बनाए थे। जवाब में भारत की पहली पारी 260 रन पर समाप्त हुई। ऑस्ट्रेलिया को दूसरी पारी में 185 रन की बढ़त हासिल थी। दूसरी पारी में ऑस्ट्रेलिया ने सात विकेट गंवाकर 89 रन बनाए थे और उनकी कुल बढ़त 274 रन की हुई थी। यह पूरा मैच बारिश से बाधित रहा।

ऑस्ट्रेलिया भारत से आगे: भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीसरा टेस्ट ड्रॉ रहने के बावजूद ऑस्ट्रेलिया टीम डब्ल्यूटीसी की अंक तालिका में दूसरे स्थान पर है। दोनों टीमें अंक बांटने पर मजबूर हुईं। ड्रॉ होने से भारत के डब्ल्यूटीसी अंक प्रतिशत में गिरावट आई और उसकी पीसीटी 57.29 से 55.88 पर पहुंच गई है। भारत अंक तालिका में तीसरे स्थान पर बना हुआ है और दक्षिण अफ्रीका शीर्ष पर मौजूद है।

सीरीज ड्रॉ रही तो भारत को होगी मुश्किल: अगर भारत ऑस्ट्रेलिया को 3-1 से हराने में सफल रहा तो उसकी पीसीटी 60.52 हो जाएगी, जबकि ऑस्ट्रेलिया अगर श्रीलंका के खिलाफ अपने दो टेस्ट जीतने में सफल भी रहा तो उसकी अधिकतम पीसीटी 57 रहेगी और गत चैंपियन टीम फाइनल की दौड़ से बाहर हो जाएगी। अगर भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच सीरीज 2-2 से ड्रॉ रही तो भारत की पीसीटी 57.01 होगी और उसके

किस तरह फाइनल में पहुंच सकता है भारत?

डब्ल्यूटीसी 2023-25 चक्र के फाइनल में पहुंचने के लिए भारत को अगले दो मैचों में हार से बचना होगा। भारत शेष दो मैचों में एक ड्रॉ और एक जीत दर्ज कर सका तो भी उसकी उम्मीदें रहेंगी। गाबा टेस्ट ड्रॉ रहने के बाद अब भारत अधिकतम 138 अंक हासिल कर सकता है और उसकी पीसीटी 60.52 पहुंच सकती है अगर वह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मेलबर्न और सिडनी टेस्ट में जीत दर्ज करने में सफल रहा। रोहित शर्मा की अगुआई वाली टीम अगर अगले दो मैच जीतने में सफल रही तो वह बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 3-1 से अपने नाम कर लेगी।

गोल्डी ने एक स्वर्ण और एक कांस्य पदक जीता, राष्ट्रीय बाल पुरस्कार से होंगी सम्मानित

__नालंदा, एजेंसी।__ गोल्डी कुमारी की इस शानदार सफलता से ना सिर्फ बिहार का सम्मान बढ़ा है, बल्कि राज्य के दूसरे खिलाड़ियों का मनोबल भी काफी बढ़ा है। बिहार के नालंद की गोल्डी कुमारी ने थाईलैंड में आयोजित विश्व एबिलिटी स्पोर्ट्स युवा खेलों में एक स्वर्ण और एक कांस्य पदक जीता। इस बेहतरीन प्रदर्शन के कारण उन्हें 26 दिसंबर को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। यह पुरस्कार एक समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा प्रदान किया जाएगा। गोल्डी कुमारी की इस शानदार सफलता से ना सिर्फ बिहार का सम्मान बढ़ा है, बल्कि राज्य के दूसरे खिलाड़ियों का मनोबल भी काफी बढ़ा है। पिछले वर्ष के अविस्मरणीय विश्व खेलों के बाद, प्रथम विश्व एबिलिटीस्पोर्ट युवा खेल एक से सात दिसंबर 2024 तक थाईलैंड में आयोजित किए गए जिसमें एथलेटिक्स, बोशिया, पावरलिफ्टिंग और टेबल टेनिस का खेल कार्यक्रम आयोजित किया गए।

राष्ट्रीय शालेय खेल प्रतियोगिता कल से टीम का आगमन हुआ शुरू

इन्दौर, एजेंसी। इन्दौर में राष्ट्रीय शालेय खेल प्रतियोगिता 20 दिसम्बर 2024 से प्रारंभ होगी। यह प्रतियोगिता 24 दिसम्बर तक चलेगी। इस प्रतियोगिता में 22 प्रदेशों के 1500 खिलाड़ी और ऑफिसर्स शामिल होंगे। खिलाड़ियों के आने का सिलसिला प्रारंभ हो गया है। आज अरुणाचल और केरल की टीम इन्दौर पहुँची। इन्दौर पहुंचने पर टीम के सदस्यों का आत्मीय स्वागत किया गया।

राष्ट्रीय शालेय खेल प्रतियोगिता के संगठन सचिव और संयुक्त संचालक लोक शिक्षण इन्दौर संभाग अरविंद सिंह द्वारा बताया गया कि इन्दौर में इस आयोजन के लिए व्यापक तैयारियां की गई है। खिलाड़ियों और टीम के अन्य सदस्यों के ठहरने, भोजन और परिवहन की समुचित व्यवस्था की गई है। इन्दौर में राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता में कराटे और

शूटिंग प्रतियोगिताओं का आयोजन होगा। कराटे की प्रतियोगिता डेली कॉलेज और शूटिंग की प्रतियोगिता एमराल्ड स्कूल में आयोजित होगी। सहभागी राज्यों के दल आना आरंभ हो गए है। इसी क्रम में सबसे पहले अरुणाचल प्रदेश और केरल राज्य की टीमों के पहुंचने पर ढोल, फूल-माला और तिलक के साथ भारतीय परंपरा अनुसार आत्मीयता के साथ स्वागत किया गया। राष्ट्रीय शालेय खेल प्रतियोगिता में आने वाली टीमों के अधिकारी और सहभागिता करने वाले खिलाड़ी इस स्वागत से अभिभूत हुए। स्वागतकर्ताओं में संगठन सचिव अरविंद सिंह, व्यायाम शिक्षक घनश्याम करोले, आवास प्रभारी दिनेश मनोरे, परिवहन प्रभारी शिवनारायण कोगे और स्वागत समिति प्रभारी श्रीमती सुनयना शर्मा और

अश्विन ने सीरीज बीच में छोड़कर लौटेंगे घर

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से अचानक लिया संन्यास

ब्रिस्बेन, एजेंसी। 38 साल का यह स्पिनर भारत के लिए कई रिकॉर्ड बना चुका है। वह टेस्ट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वालों में सातवें स्थान पर हैं। अश्विन के नाम 106 टेस्ट में 537 विकेट हैं। 59 रन देकर सात विकेट उनकी सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी है।

भारत के दिग्गज स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने का फैसला किया है। उन्होंने गाबा टेस्ट के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में इसकी घोषणा की। अश्विन कप्तान रोहित शर्मा के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस में पहुंचे थे और वहां इसकी घोषणा की। संन्यास से पहले अश्विन ड्रेसिंग रूम में विराट कोहली के साथ बैठे नजर आए थे। इस दौरान कोहली ने उन्हें गले भी लगाया था। अश्विन एडिलेड डे नाइट टेस्ट में टीम इंडिया का हिस्सा रहे थे।

भारत के लिए कई रिकॉर्ड बना चुके अश्विन: 38 साल का यह स्पिनर भारत के लिए कई रिकॉर्ड बना चुका है। वह टेस्ट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वालों में सातवें स्थान पर हैं। अश्विन के नाम 106 टेस्ट में 537 विकेट हैं। 59 रन देकर सात विकेट उनकी सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी है। इस दौरान उनका औसत 24.00 का और स्ट्राइक रेट 50.73 का रहा है। अश्विन टेस्ट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले भारतीय में अनिल कुंबले के बाद दूसरे नंबर पर हैं। कुंबले के नाम 619 टेस्ट विकेट थे। अश्विन का एलान चौंकाने वाला है, क्योंकि वह भारतीय सरजमीं पर भारतीय स्पिन अटैक की धार थे। अपने घर पर डेब्यू के बाद से जब भी वह स्क्वॉड में चुने गए, हर बार वह टेस्ट मैच खेले हैं। उन्होंने घर पर कोई टेस्ट मिस नहीं किया है।

अश्विन के नाम दूसरा सबसे ज्यादा फाइव विकेट हॉल: अश्विन के नाम टेस्ट में 37 फाइव विकेट हॉल है, जो कि किसी भारतीय गेंदबाज द्वारा सबसे ज्यादा है। उनके बाद कुंबले

व्यापार समाचार

रोजगार मंत्रालय ने दी जानकारी

ईपीएफओ सब्सक्राइबर्स ई-वॉलेट से कर सकेंगे निकासी

नई दिल्ली, एजेंसी। ईपीएफओ और कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) के ग्राहक जल्द ही ई-वॉलेट के जरिये दावा निपटान राशि का उपयोग करने में सक्षम हो सकते हैं। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) और कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) के सब्सक्राइबर्स जल्द ही ई-वॉलेट के जरिये दावा निपटान राशि का इस्तेमाल कर सकेंगे। श्रम एवं रोजगार मंत्रालय इस पर योजना बनाने के लिए आरबीआई से बातचीत कर रहा है। श्रम एवं रोजगार मंत्रालय में सचिव सुमिता डावरा ने बुधवार को कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ) की तुरंत निकासी पर पूछे गए सवाल पर कहा, यह बीमाकृत व्यक्ति और एक योगदानकर्ता के लिए बहुत रुचि का क्षेत्र है कि वह अपना पैसा अधिक आसानी से कैसे निकाल सकता है।

सुमिता डावरा ने कहा कि, स्वत: निपटान के मामलों में ईपीएफ का पैसा बैंक खाते में जाता है और अंशधारक इस राशि को बैंक खाते से किसी भी एटीएम के जरिये निकालने में सक्षम हैं। अब आप इस बारे में बात कर रहे हैं कि दावा निपटान राशि सीधे ई-वॉलेट में कैसे जा सकती है, तो इसके लिए हमें कोई व्यवस्था बनानी होगी। इस सुविधा को व्यावहारिक तरीके से शुरू करने के लिए हमने बैंकरों से बातचीत शुरू कर दी है। अभी स्वत: निपटान के मामलों में ईपीएफ का पैसा बैंक खाते में जाता है और सब्सक्राइबर इसे किसी भी एटीएम से निकाल सकता है।

17.49 लाख ने चुना उच्च पेंशन विकल्प: कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के सर्वानिवृत्ति निधि निकाय के 17.49 लाख सदस्यों ने नवंबर 2022 में शीर्ष अदालत के आदेश के बाद उच्च पेंशन के लिए अपने वास्तविक मूल वेतन पर अंशदान करने के विकल्प के लिए आवेदन किया है। श्रम एवं रोजगार राज्य मंत्री शोभा करंदलाजे ने कहा कि मौजूदा वक्त में ये आवेदक 15,000 रुपये प्रति माह की तय सीमा पर या तो अंशदान कर रहे हैं या कर चुके हैं, भले ही उनका वास्तविक मूल वेतन अधिक हो।

अगले साल से सीधे एटीएम से निकाल सकेंगे अपने पीएफ का पैसा: अगले साल से ईपीएफओ ग्राहक सीधे एटीएम से अपने भविष्य निधि को निकाल सकेंगे। श्रम सचिव सुमिता डावरा ने कहा, हम दावों का तेजी से निपटान कर रहे हैं और जीवन को आसान बनाने और प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए काम कर रहे हैं। एक दावेदार, लाभार्थी या बीमित व्यक्ति न्यूनतम मानवीय हस्तक्षेप के साथ एटीएम के माध्यम से अपने दावों तक आसानी से पहुंच सकेगा।

देश में 40 फीसदी लोग ही करते हैं यूपीआई का उपयोग: रिपोर्ट

__नई दिल्ली।__ भारत के ग्रामीण और कस्बाई इलाकों में वित्तीय लेनदेन के लिए एकीकृत भुगतान प्रणाली (यूपीआई) का अधिकांश लोगों द्वारा अनदेखा किया जा रहा है, जैसा कि ईवाई और सीआईआई की संयुक्त रिपोर्ट में प्रकट हुआ है। मान्यताओं के अनुसार इस प्रणाली को 40 करोड़ से अधिक लोगों द्वारा उपयोग किया जाता है, लेकिन केवल चार लोग ही इसे लेनदेन का पसंदीदा तरीका मानते हैं। रिपोर्ट में 11 फीसदी प्रतिभागी ने ग्रामीण और कस्बाई इलाकों में यूपीआई को भुगतान के रूप में वरीयता नहीं दी है। इस सर्वेक्षण के अनुसार महिलाएं और ग्रामीण क्षेत्रों से लोग अधिकतर थे। सीआईआई इंडिया के पार्टनर वित्तीय सेवाओं के प्रमुख ने इस स्थिति पर टिप्पणी करते हुए कहा कि हमारी रिपोर्ट वित्तीय संस्थानों के लिए ग्रामीण और कस्बाई भारत में विशेष बचत और निवेश समाधान प्रस्तुत करने के लिए एक नई दिशा प्रदान करती है। इस स्थिति में उचित जागरूकता और शिक्षा के माध्यम से यूपीआई प्रणाली के फायदों को ग्रामीण और कस्बाई क्षेत्रों तक पहुंचाना अवश्यक है ताकि इसका उपयोग विस्तार से हो सके।

अंतरिक्ष क्षेत्र में बढ़ेगा सहयोग

भारत के लिए मिसाइल तकनीक निर्यात से जुड़ी नीतियों को बदलेगा अमेरिका

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका के प्रधान उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जॉन फाइनर ने व्हाइट हाउस कॉन्फ्रेंस कॉल के दौरान संवाददाताओं को बताया कि एमटीसीआर के तहत निर्यात नियंत्रण नीतियों को अद्यतन करने का लक्ष्य भारत जैसे करीबी साझेदारों के साथ वाणिज्यिक अंतरिक्ष सहयोग को और आगे बढ़ाना है। आइए इस बारे में और जानें।

अमेरिका में बाइडन प्रशासन एक राष्ट्रीय सुरक्षा ज्ञापन को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया में है, जो मिसाइल प्रौद्योगिकी नियंत्रण व्यवस्था (एमटीसीआर) के तहत अमेरिका की निर्यात नियंत्रण नीतियों में बदलाव करेगा। व्हाइट हाउस ने मंगलवार को इसकी जानकारी दी। इस कदम से अंतरिक्ष क्षेत्र में भारत और अमेरिकी कंपनियों के बीच अधिक सहयोग की संभावना है।

प्रधान उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जॉन फाइनर ने व्हाइट हाउस कॉन्फ्रेंस कॉल के दौरान संवाददाताओं को बताया कि एमटीसीआर के तहत निर्यात नियंत्रण नीतियों को अद्यतन करने का लक्ष्य भारत जैसे करीबी साझेदारों के साथ वाणिज्यिक अंतरिक्ष सहयोग को और आगे बढ़ाना है।

फाइनर ने कहा, हम निजी क्षेत्र के सहयोग में आने वाली बाधाओं को दूर करने के लिए कदम उठा रहे हैं और महत्वपूर्ण बात यह है कि हम राष्ट्रीय सुरक्षा

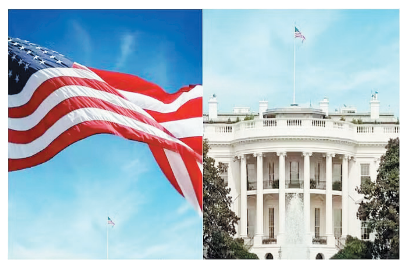

ज्ञापन को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया में हैं। इसके तहत मिसाइल प्रौद्योगिकी नियंत्रण व्यवस्था (एमटीसीआर) से जुड़ी निर्यात नियंत्रण नीतियों में बदलाव किया जाएगा। फाइनर, उप विदेश मंत्री कर्ट कैम्पबेल और अमेरिका में भारत के राजदूत विनय क्वात्रा ने मंगलवार को ह्यूस्टन का दौरा किया और भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अंतरिक्ष यात्रियों से मुलाकात की। भारतीय अंतरिक्ष यात्री अगले वर्ष अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के लिए रवाना होने से पहले नासा के जॉनसन स्पेस सेंटर में प्रशिक्षण ले रहे हैं। 1987 में जी-7 देशों की ओर से बनाया गया एमटीसीआर 35 सदस्य देशों के बीच एक अनौपचारिक राजनीतिक समझौता है जिसका उद्देश्य मिसाइलों और मिसाइल प्रौद्योगिकी के प्रसार को सीमित करना है। भारत 2016 में एमटीसीआर में शामिल हुआ।

साई लाइफ साइंसेज का शेयर 20 फीसदी बढ़त पर सूचीबद्ध

नई दिल्ली। साई लाइफ साइंसेज के शेयर ने बुधवार को बाजार में धूम मचाई। यह इसके निर्गम मूल्य 549 रुपये से 20 प्रतिशत अधिक उछाल के साथ उच्चतम स्तर पर सूचीबद्ध हुआ। शेयर ने बीएसई पर 20.21 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 660 रुपये पर सूचीबद्ध किया गया, जो बाद में 27.86 प्रतिशत उछाल के साथ 702 रुपये पर पहुंच गया। इसके अतिरिक्त एनएसई पर शेयर ने 18.39 प्रतिशत की बढ़त के साथ 650 रुपये पर शुरूआत की। कंपनी का बाजार मूल्यांकन 14,493.75 करोड़ रुपये था। साई लाइफ साइंसेज के आरम्भिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को शेयर बिक्री के तीसरे और अंतिम दिन तक 10.26 गुना अभिदान मिला था। कंपनी ने आईपीओ में 950 करोड़ रुपये के नए शेयर और 2,092 करोड़ रुपये के 3.81 करोड़ शेयर की बिक्री पेश की थी।

वन मोबिक्विक सिस्टम्स का शेयर 58 प्रतिशत बढ़कर सूचीबद्ध

नई दिल्ली। वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनी वन मोबिक्विक सिस्टम्स लिमिटेड ने बुधवार को बाजार में उछाल बनाई जब उसके शेयर अपने निर्गम मूल्य 279 रुपये से 58 प्रतिशत से अधिक चढ़कर सूचीबद्ध हुए। बीएसई पर शेयर 58.51 प्रतिशत चढ़कर 442.25 रुपये पर संकलित हो गए। इसके बाद वन मोबिक्विक सिस्टम्स लिमिटेड के शेयर 87.81 प्रतिशत उछाल के साथ 524 रुपये पर पहुंच गए। कंपनी की बाजार मूल्यांकन 3,435.68 करोड़ रुपये के पार पहुंची। एनएसई पर उनके शेयर ने 57.70 प्रतिशत के उछाल के साथ 440 रुपये पर शुरुआत की। वन मोबिक्विक सिस्टम्स लिमिटेड की आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) की आखिरी दिन को 119.38 गुना अभिदान मिला था।

कल्पतरु प्रोजेक्ट्स ने क्यूआईपी के जरिये 1,000 करोड़ जुटाए

नई दिल्ली। कल्पतरु प्रोजेक्ट्स इंटरनेशनल (केपीआईएल) ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए पांच संस्थागत नियोजन (क्यूआईपी) के जरिये 1,000 करोड़ रुपये जुटा ?लिए हैं। कम्पनी ने कहा कि यह उनके विविधीकृत व्यवसायिक खंड में निवेशकों के भरोसे की पुष्टि करता है। इस धन का उपयोग केपीआईएल के बही-खाते को सुदृढ़ बनाने, वित्तीय स्थिति में सुधार करने और वृद्धि योजनाओं को पूरा करने

टाटा प्रोजेक्ट्स के आईपीओ का अभी और करना होगा इंतजार

कंपनी अगले 12 से 18 महीनों में लेकर आ सकती है आईपीओ

नई दिल्ली, एजेंसी। टाटा प्रोजेक्ट्स के आईपीओ के लिए अभी और इंतजार करना पड़ सकता है। ऐसी उम्मीद की जा रही है कि आने वाले एक से डेढ़ साल के अंदर यह पब्लिक इश्यू आ सकता है। दरअसल ईटी की रिपोर्ट के अनुसार कंपनी के सीईओ ने यह जानकारी दी है। इससे पहले पिछले साल टाटा टेक्नोलॉजी का आईपीओ आया था, जिसे निवेशकों का जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला था और लिस्टिंग पर इसने तगड़ा गेन दिया था।

खास बात है कि अगर टाटा प्रोजेक्ट्स का आईपीओ तय समय सीमा पर आता है तो यह 2 साल के अंदर टाटा ग्रुप की किसी कंपनी का दूसरा पब्लिक इश्यू होगा। टाटा टेक्नोलॉजी का आईपीओ 19 साल बाद टीसीएस के पब्लिक इश्यू के बाद आया था। टाटा प्रोजेक्टस के सीईओ ने कहा कि कंपनी अगले 12 से 18 महीनों में आईपीओ लेकर आ सकती है। हालांकि, यह तब ही संभव है जब कंपनी लगातार कैश जनरेट कर पाएगी। टाटा प्रोजेक्ट्स, कंस्ट्रक्शन कारोबार में एक बड़ा नाम है। मौजूदा वक्त में कंपनी की ऑर्डर बुक 40000 करोड़ रुपये है। कंपनी के ऐतिहासिक प्रोजेक्ट्स में दिल्ली में स्थित नया संसद भवन और मुंबई में अटल सेतु शामिल हैं। खास बात है कि यह कंपनी 20 फीसदी से अधिक परियोजनाएं टाटा समूह की कंपनियों जैसे टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, टाटा पावर, इंडियन होटल्स, टाटा स्टील और टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स से हासिल करती है।

जोमैटो के सीईओ दीपिंदर गोयल सेल्फ मेड उद्यमियों की सूची में दूसरे नंबर पर

डी-मार्ट के राधाकिशन दमानी सूची में पहले नंबर पर

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडिया के अनुसार, जोमैटो के सीईओ दीपिंदर गोयल अब भारत के दूसरे सबसे बड़े सेल्फ मेड उद्यमी हैं। गोयल के बाद उनके प्रतिद्वंद्वी स्विगी के श्रीहर्ष मजेटी और नंदन रेड्डी हैं। सूची में सबसे टॉप पर शेयर बाजार के एक दिग्गज का नाम हैं। आइए उनके बारे में जानें।

हुरुन इंडिया के अनुसार, जोमैटो के सीईओ दीपिंदर गोयल अब भारत के दूसरे सबसे बड़े सेल्फ मेड उद्यमी हैं। उनकी कंपनी जोमैटो का मूल्यांकन 190% की तेज वृद्धि दर्ज करते हुए 2,51,900 करोड़ रुपये हो गया है। गोयल के बाद उनके प्रतिद्वंद्वी स्विगी के श्रीहर्ष मजेटी और नंदन रेड्डी हैं। हुरुन के

अनुसार, इस साल की शुरुआत में सार्वजनिक हुई स्विगी ने पिछले साल की तुलना में अपने मूल्यांकन में 52त्न की वृद्धि दर्ज की, और अब यह 1 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गई है।

डी-मार्ट के राधाकिशन दमानी सेल्फ मेड उद्यमियों की सूची में पहले नंबर पर

आईडीएफसी फर्स्ट प्राइवेट और हुरुन इंडिया की मिलेनिया 2024 की शीर्ष 200 सेल्फ मेड उद्यमियों की सूची में दलाल स्ट्रीट के दिग्गज और एवेन्यू सुपरमार्ट्स (डी-मार्ट) के राधाकिशन दमानी इस वर्ष भी नंबर एक पर हैं। उनकी कंपनी का मूल्यांकन 3.4 लाख करोड़ रुपये है, इसमें पिछले साल की तुलना में मूल्य में 44त्न की वृद्धि हुई है। मेकमाईट्रिप के सह-संस्थापक दीप कालरा और राजेश मागो 99,300 करोड़ रुपये के मूल्यांकन के साथ सूची में चौथे स्थान पर पहुंच गए।

मैक्स हेल्थकेयर इंस्टीट्यूट के अभय सोई सूची में चौथे स्थान पर: 96,100 करोड़ रुपये के मूल्यांकन के साथ, मैक्स हेल्थकेयर इंस्टीट्यूट के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक अभय सोई इस सूची में चौथे स्थान पर हैं। उन्होंने अपनी विशेषज्ञता का उपयोग करते हुए जेपी मॉर्गन से रेडिएंट लाइफ केयर की स्थापना

संभल-वाराणसी में खुले पुराने बंद मंदिर

सीएम योगी ने क्यों याद की हिंदुओं की हत्या

नई दिल्ली, एजेंसी। 12 दिसंबर 2024: सुप्रीम कोर्ट ने मंदिर-मस्जिद विवाद पर नए केस और कोई आदेश देने पर रोक लगाई।

14 दिसंबर 2024: संभल के मुस्लिम बहुल खग्गू सराय इलाके में करीब 46 साल से बंद पुराना मंदिर मिला।

16 दिसंबर 2024: विधानसभा में छ्रयोगी आदित्यनाथ ने कहा- संभल में 1947 के बाद से 209 हिंदुओं की हत्या दंगों में हुई है, हिंदुओं के नरसंहार पर सभी ने चुप्पी साधे रखी।

17 दिसंबर 2024: वाराणसी में दशकों से बंद पुराना मंदिर मिला। संभल में एक और बंद मंदिर खोजा गया। सुप्रीम कोर्ट की रोक के बाद संभल में मिले पुराने बंद मंदिरों की कहानी और छ्रयोगी के बयान के मायने।

सवाल-1: संभल, ज्ञानवापी जैसी मस्जिदों के सर्वे पर अचानक रोक क्यों लगी?

जवाब: सुप्रीम कोर्ट में सीजेआई संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली तीन जजों की बेंच 1991 के प्लेसेस ऑफ वर्शिप एक्ट को चुनौती देने वाली 6 याचिकाओं पर सुनवाई कर रही है।

12 दिसंबर यानी गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट में सीजेआई ने निर्देश जारी करते हुए कहा- जब मामला हमारे सामने लंबित है, तो यह सही नहीं होगा कि अन्य अदालतें इन मामलों की सुनवाई करें। इसी के साथ देशभर के हाईकोर्ट और निचली अदालतों को धार्मिक स्थलों के मालिकाना हक से जुड़े नए मुकदमे दर्ज करने या फैसला सुनाने पर रोक लग गई। सर्वे के आदेश देने पर भी प्रतिबंध लग गया।

इस दौरान अदालत ने केंद्र सरकार को अपना पक्ष रखने के लिए 4 हफ्तों का समय दिया। सीजेआई खन्ना ने कहा, 'हम चाहते हैं कि भारत सरकार का रुख रिकॉर्ड पर लाया जाए।' केंद्र सरकार की प्रतिक्रिया और याचिकाओं की सुनवाई के बाद ही इस मामले पर कोई फैसला लिया जाएगा। सुप्रीम कोर्ट ने अयोध्या मामले का हवाला देते हुए कहा, भोजशाला, ज्ञानवापी, संभल और श्रीकृष्ण जन्मभूमि जैसे मामलों पर सुनवाई तो चलती रहेगी, लेकिन अंतिम आदेश जारी नहीं होगा। किसी पूजा स्थल पर विवाद का नया केस दर्ज नहीं किया जाएगा और न ही सर्वे के आदेश दिए जाएंगे। केंद्र सरकार जब तक अपना जवाब दायर नहीं कर देती है, तब तक सुप्रीम कोर्ट इस मामले पर कोई सुनवाई शुरू नहीं करेगा।

सवाल-2: इस बीच संभल में जामा मस्जिद से इतर एक नया मंदिर मिलने का मामला क्या है?

जवाब: 14 दिसंबर 2024 को संभल में बिजली चोरों को पकड़ने के लिए प्रशासनिक अधिकारी चेकिंग कर रहे थे। तभी खग्गू सराय इलाके में बुलडोजर से खुदाई करते हुए अचानक शिव मंदिर मिला। धूल और मिट्टी से भरे इस मंदिर में भगवान हनुमान, शिवलिंग, नंदी और कार्तिकेय की मूर्तियां और एक कुआं मिला। पुलिस ने एक्शन लेकर मंदिर को अवैध कब्जे से आजाद कराया।

शिव मंदिर में जांच करते पुलिस अधिकारी

शिव मंदिर में जांच करते पुलिस अधिकारी। यह मंदिर संभल के सपा सासंद जियाउर्रहमान के घर से 200 मीटर की दूरी पर मिला। संभल के कलेक्टर राजेन्द्र पेनसिया ने कहा, यह मंदिर 400 साल से भी ज्यादा पुराना है। इस मंदिर पर कब्जा करने की तैयारी थी और अगर बिजली चोरी की चेकिंग नहीं होती तो मंदिर हमें कभी नहीं मिलता। पुलिस-प्रशासन की इंटरनल रिपोर्ट के मुताबिक, 1978 के बाद यह मंदिर कभी नहीं खोला गया। इस इलाके में पहले बड़ी संख्या में हिन्दू परिवारों की मौजूदगी का दावा किया गया। 1978 में यहां दो बड़े दंगे होने के बाद खग्गू सराय में रहने वाले 100 हिंदू परिवार पलायन कर गए। इनमें ज्यादातर कारोबारी थे।

नॉर्थ कोरिया में फिर से खुलेगा भारतीय दूतावास

टेक्निकल और डिप्लोमेटिक टीम रवाना, 2021 में कोरोना की वजह से बंद किया था

प्योंगयांग, एजेंसी। भारत ने नॉर्थ कोरिया में 2021 से बंद अपने दूतावास को फिर से शुरू करने का फैसला किया है। द ट्रिब्यून के मुताबिक एक टेक्निकल और डिप्लोमैटिक टीम नॉर्थ कोरिया के लिए रवाना हो चुकी है। कुछ कर्मचारी पहले ही नॉर्थ कोरिया की राजधानी प्योंगयांग पहुंच चुके हैं।

नॉर्थ कोरिया में हमेशा से जासूसी गतिविधियों का डर रहता है। इसे देखते हुए साढ़े तीन साल से बंद भारतीय दूतावास की पहले पूरी तरह से जांच की जाएगी।

भारत ने जुलाई 2021 में प्योंगयांग में अपना दूतावास बंद कर दिया था और राजदूत अतुल मल्हारी गोतसुर्वे पूरे स्टाफ के साथ नई दिल्ली लौट आए थे। हालांकि इसे बंद घोषित नहीं किया था, लेकिन बाद में कहा गया कि कोरोना की वजह से स्टाफ को वापस बुलाया गया है।

इसके बाद लंबे वक्त तक प्योंगयांग स्थित डिप्लोमेटिक मिशन के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई। 14 महीने पहले अतुल मल्हारी गोतसुर्वे को मंगोलिया में राजदूत के तौर पर नियुक्ति दी गई।

बीते सालों में तेजी से बढ़ा है नॉर्थ कोरिया का महत्व: एक्सपर्ट्स के मुताबिक बीते कुछ सालों में नॉर्थ कोरिया का महत्व तेजी से बढ़ा है। नॉर्थ कोरिया न्यूक्लियर हथियार और हाइपरसोनिक मिसाइल जैसी टेक्निक पर तेजी से काम कर रहा है। ऐसे में भारत का प्योंगयोग में मौजूद रहना जरूरी है।

संक्षिप्त समाचार

सपा सांसद जिया उर्रहमान बर्क को गिरफ्तारी का डर, इलाहाबाद हाईकोर्ट पहुंचे

प्रयागराज। उत्तरप्रदेश के संभल से सपा सांसद जिया उर्रहमान बर्क को गिरफ्तारी का डर सताने लगा है। बर्क ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में याचिका दायर कर अपनी गिरफ्तारी पर रोक लगाने की मांग की है। साथ ही उन्होंने अपने खिलाफ दर्ज एफआईआर को खारिज करने की मांग की है। इतना ही नहीं उन्होंने अदालत का अंतिम फैसला आने तक गिरफ्तारी व पुलिस की उत्पीड़नात्मक कार्रवाई पर रोक लगाने की अपील की है। सांसद वर्क की अर्जी पर शुक्रवार को हाईकोर्ट में सुनवाई होने की उम्मीद है। सर्दियों की छुट्टी से पहले शुक्रवार को हाईकोर्ट में कामकाज का अंतिम दिन है। 24 नवंबर को जामा मस्जिद के सर्वे के दौरान हुई हिंसा में नामजद आरोपी बनने के बाद उनकी मुश्किलें बढ़ गई हैं।

बिहार बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल हरमंदिर गुरुद्वारा पहुंचे

पटना। बिहार बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष सह भूमि सुधार राजस्व मंत्री दिलीप जायसवाल बुधवार को पटना सिटी के तख्त श्री हरमंदिर गुरुद्वारा पहुंचे। गुरू के दरबार में मत्था टेक कर हाजिरी लगाई। इस मौके पर प्रबंधन कमेटी के सदस्यों ने अंग वस्त्र और सरोपा देकर जायसवाल को सम्मानित किया। इस मौके पर जायसवाल ने कहा कि यहां आने से काफी सुकून मिलता है। अक्सर यहां आते हैं। इस बार प्रकाश पर्व धूमधाम से मनाया जाएगा। प्रकाश उत्सव भारत ही नहीं, विदेशों में भी मनाई जाती है। देश-विदेश से श्रद्धालु गुरु के दर्शन के लिए पटना सिटी पहुंचते हैं। भाजपा नेता जायसवाल ने कहा कि प्रबंधन कमेटी की ओर से तैयारियां की जा रही है। बिहार सरकार अपना सहयोग देने के लिए पूरी तरह से तैयार है। यहां आने वाले लोगों को परेशानी नहीं होगी। श्रद्धालुओं का पूरा ख्याल रखा जाएगा।

दानापुर और बेंगलूरू के मध्य स्पेशल ट्रेन का परिचालन

हाजीपुर। यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ के मद्देनजर उनके सुगम आवागमन हेतु डीडीयू-प्रयागराज छिवकी-जबलपुर-नागपुर-पेरम्बूर-काटपाडी के रास्ते दानापुर और एसएमभीबी, बेंगलूरू के मध्य एक जोड़ी पूर्णत: वातानुकूलित स्पेशल ट्रेन 03351/03352 का परिचालन किया जाएगा। पूर्व मध्य रेल के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सरस्वती चंद्र ने बताया कि इस स्पेशल में तृतीय वातानुकूलित श्रेणी के 15 कोच होंगे। गाड़ी संख्या 03351 दानापुर-एसएमभीबी, बेंगलूरू स्पेशल दिनांक 22.12.24 एवं 29.12.24 रविवार को दानापुर से 15.00 बजे खुलकर 15.29 बजे आरा, 16.20 बजे बक्सर, 17.50 बजे डीडीयू, 20.25 बजे प्रयागराज छिवकी सहित अन्य स्टेशनों पर रूकते हुए मंगलवार को 14.30 बजे एसएमभीबी, बेंगलूरू पहुंचेगी। वापसी में गाड़ी संख्या 03352 एसएमभीबी, बेंगलूरू-दानापुर स्पेशल दिनांक 24.12.24 एवं 31.12.24 मंगलवार को एसएमभीबी, बेंगलूरू से 23.50 बजे खुलकर विभिन्न स्टेशनों पर रूकते हुए गुरूवार को 17.45 बजे प्रयागराज छिवकी, 20.55 बजे डीडीयू, 22.07 बजे बक्सर, 22.51 बजे आरा रूकते हुए 23.55 बजे दानापुर पहुंचेगी।

अमित शाह के बयान पर विवाद के बाद बोलीं मायावती

दलितों के लिए बस एक ही भगवान आंबेडकर

लखनऊ, एजेंसी। गृह मंत्री अमित शाह के राज्यसभा में भीम राव आंबेडकर को लेकर दिए गए बयान पर अब राजनीति गर्मा गयी है। अब इस विवाद पर बहुजन समाज पार्टी की सुप्रीमो और पूर्व मुख्यमंत्री मायावती की भी प्रतिक्रिया दी है। पूर्व सीएम मायावती ने इस पूरे मामले को लेकर बीजेपी और कांग्रेस पर हमला बोला है। पूर्व सीएम मायावती ने एक्स पर लिखा- 'कांग्रेस व बीजेपी एण्ड कम्पनी के लोगों को बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर की आड़ में अपनी राजनैतिक रोटी सेंकने की बजाय, इनका पूरा आदर-सम्मान करना चाहिये। इन पार्टियों के लिए इनके जो भी भगवान हैं उनसे पार्टी को कोई ऐतराज नहीं है। लेकिन दलितों व अन्य उपेक्षितों के लिए एकमात्र इनके भगवान केवल बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर हैं, जिनकी वजह से ही इन वर्गों को जिस दिन संविधान में कानूनी अधिकार मिले हैं, तो उसी दिन इन वर्गों को सात जन्मों तक का स्वर्ग मिल गया था।'

बसपा सुप्रीमो ने आगे लिखा-'अत: कांग्रेस, बीजेपी आदि पार्टियों का दलित व अन्य उपेक्षितों के प्रति प्रेम विशुद्ध छलावा. इनसे इन वर्गों का सही हित व कल्याण असंभव. इनके कार्य दिखावटी ज्यादा, ठोस जनहितैषी कम. बहुजन समाज व इनके महान संतों, गुरुओं, महापुरुषों को समुचित आदर-सम्मान बीएसपी सरकार में ही मिल पाया।' गौरतलब है कि राज्यसभा में मंगलवार को गृह मंत्री अमित शाह ने विपक्ष पर तंज कसते हुए कहा था कि अभी एक फैशन हो गया है अंबेडकर..अंबेडकरकृअंबेडकर कहना। इतना नाम भगवान का लेते तो सात जन्म तक स्वर्ग मिलता।

किसान आंदोलन पर सुप्रीम कोर्ट बोला-सीधे हमारे पास आएं प्रदर्शनकारी-अनशन कर रहे डल्लेवाल पर कहा

वे जननेता, उनका स्वस्थ रहना जरूरी, तुरंत इलाज कराएं

पटियाला, एजेंसी। किसान आंदोलन पर सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि किसानों के लिए हमारे दरवाजे हमेशा खुले हैं। वे सीधे अपने सुझाव या मांगें लेकर हमारे पास आ सकते हैं या अपना प्रतिनिधि भेज सकते हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने खनौरी बॉर्डर पर आमरण अनशन कर रहे किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल की तबीयत पर भी पंजाब सरकार से जवाब मांगा। पंजाब के अटॉर्नी जनरल गुरमिंदर सिंह ने कहा, डल्लेवाल के साथ बातचीत हुई है। उन्होंने अपने मेडिकल टेस्ट करवाने से इनकार कर दिया है। उनके सभी जरूरी अंग सही तरह से काम कर रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने ऑर्डर में कहा, राज्य सरकार के लिए अच्छा नहीं होगा अगर डल्लेवाल को कुछ होता है और आरोप लगते हैं। उन्हें सभी मेडिकल सुविधाएं मिलती रहें, राज्य सरकार यह सुनिश्चित करे।

1. डल्लेवाल पर राज्य सरकार ढिलाई ना बरते जब पंजाब सरकार ने कहा कि डल्लेवाल को भर्ती करना ज्यादा उचित रहेगा। इस पर जस्टिस सूर्यकांत ने कहा, उनसे भावनाएं जुड़ी हुई हैं। राज्य को कुछ करना चाहिए। ढिलाई नहीं बरती जा सकती है। आपको हालात संभालने होंगे।

2. डल्लेवाल का स्वस्थ रहना जरूरी है सुप्रीम कोर्ट ने कहा, डल्लेवाल पब्लिक पर्सनालिटी हैं। उनके साथ किसानों के हित जुड़े हुए हैं। वो कहते हैं कि 700 किसानों की जिंदगी उनके जीवन से ज्यादा महत्वपूर्ण है। इसलिए वो मेडिकल सहायता के लिए मना कर रहे हैं। सरकार के साथ उनके सैद्धांतिक मतभेद हो सकते हैं, लेकिन प्रदर्शन के लिए डल्लेवाल का स्वस्थ रहना जरूरी है।

3. हम कमेटी का गठन कर रहे हैं: सुप्रीम कोर्ट ने कहा, हम एक कमेटी का गठन कर रहे हैं, यह प्रक्रिया है। आप किसानों को भरोसा दे सकते हैं। उनकी जो भी उचित मांगें हैं, उन्हें लेकर हम संबंधित पक्षों से बातचीत करेंगे।

चुनाव से पहले केजरीवाल की तीसरी बड़ी घोषणा

दिल्ली में 60 साल से ऊपर बुजुर्गों का मुफ्त इलाज

नई दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने बुधवार को बुजुर्गों के लिए संजीवनी योजना का ऐलान किया। दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले केजरीवाल ने घोषणा की कि 60 साल से ऊपर के बुजुर्गों का मुफ्त इलाज होगा। केजरीवाल ने साफ किया कि ये इलाज सभी बुजुर्गों के लिए मुफ्त होगा, चाहे वो किसी भी कैटेगरी में आते हों।

इससे पहले केजरीवाल बुजुर्गों के लिए 2500 रुपए पेंशन, ऑटोवालों के लिए 5 लाख तक का बीमा और महिलाओं के लिए 1000 रुपए महीने की घोषणा कर चुके हैं।

दिल्ली विधानसभा का मौजूदा कार्यकाल 23 फरवरी 2025 को खत्म हो रहा है। अगले दो महीने में चुनाव हो सकते हैं। पिछला विधानसभा चुनाव फरवरी 2020 में हुआ था, जिसमें आम आदमी पार्टी ने पूर्ण बहुमत हासिल किया था और 70 में से 62 सीटें जीती थीं।

12 दिसंबर: महिलाओं के लिए 1000 रुपए प्रति माह: केजरीवाल ने 12 दिसंबर को महिलाओं को हर महीने ?1000 रुपए देने का ऐलान किया। इसे महिला सम्मान योजना नाम दिया गया है। 18 साल की उम्र पूरी करने वाली हर महिला इस स्कीम के दायरे में आएगी। केजरीवाल ने यह भी कहा कि चुनाव बाद महिलाओं को हर महीने मिलने वाली रकम को बढ़ाकर ?2100 कर दिया जाएगा।

10 दिसंबर: ऑटो चालकों के लिए 4 ऐलान किए थे केजरीवाल ने 10 दिसंबर को ऑटो चालकों के लिए 4 ऐलान किए थे। उन्होंने कहा था कि ऑटो चालक की बेटी की शादी के लिए 1 लाख रुपए दिए जाएंगे। होली-दिवाली पर वर्दी बनवाने के लिए ढाई-ढाई हजार रुपए दिए जाएंगे। 10 लाख रुपए का लाइफ इंश्योरेंस और 5 लाख का एक्सीडेंटल इंश्योरेंस भी कराया जाएगा। साथ ही ऑटो चालकों के बच्चों की कोचिंग का पैसा दिया जाएगा।

संध्या थिएटर में स्क्रीनिंग के दौरान घायल हुए लड़के की हालात गंभीर, डॉक्टरों ने ब्रेन डेड घोषित किया

हैदराबाद, एजेंसी। हैदराबाद के संध्या थिएटर में पुष्पा 2: द रूल की आधी रात को स्क्रीनिंग के दौरान घायल हुए लड़के की हालत गंभीर बनी हुई है। लड़के के सांस न ले पाने के कारण ब्रेन डेड घोषित किया गया है। हैदराबाद सिटी पुलिस कमिश्नर सीवी आनंद तेलंगाना सरकार की स्वास्थ्य सचिव डॉ. क्रिस्टीना 9 वर्षीय लड़के श्री तेजा के बारे में जानकारी लेने के लिए अस्पताल का दौरा किया। हैदराबाद सिटी पुलिस द्वारा साझा की गई पोस्ट के अनुसार, डॉक्टरों ने उन्हें सूचित किया है कि लड़के का वेंटिलेटर सपोर्ट पर इलाज किया जा रहा है और इलाज लंबे समय तक चलने की संभावना है।

पोस्ट में कहा गया कि डॉक्टर जल्द ही श्री तेजा की स्वास्थ्य स्थिति पर मेडिकल बुलेटिन जारी करने वाले है। स्वास्थ्य सचिव डॉ. क्रिस्टीना ने कहा कि हम श्री तेजा की स्वास्थ्य स्थिति पर नियमित रूप से नज़र रख रहे हैं और उनके जल्द स्वस्थ होने की उम्मीद कर रहे हैं।

वहीं भगदड़ की घटना के बाद पुष्पा 2 स्टार अल्लू अर्जुन को गिरफ्तार किया था और तेलंगाना उच्च न्यायालय ने उन्हें जमानत पर रिहा कर दिया था। बाद में, अभिनेता ने एक पोस्ट साझा की जिसमें लड़के के बारे में उनकी चिंता दिखाई गई, जहाँ उन्होंने बताया कि चल रही कानूनी कार्यवाही के कारण उन्हें अस्पताल में उससे मिलने न जाने की सलाह दी गई है।

राष्ट्रद्रोह मामले में कंगना रनौत आगरा कोर्ट में फिर नहीं हुई हाजिर, अब जनवरी की दी गई तारीख

आगरा, एजेंसी। राष्ट्रदोह के वाद में सांसद कंगना रनौत अदालत में न तो खुद आईं और न ही उनकी ओर से कोई हाजिर हुआ। अदालत ने अगली सुनवाई के लिए दो जनवरी की तारीख नियत कर दी है। राजीव गांधी बार एसोसिएशन के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ अधिवक्ता रमाशंकर शर्मा ने फिल्म अभिनेत्री और भाजपा सांसद कंगना रनौत के खिलाफ राष्ट्रद्रोह का वाद दायर किया था। स्पेशल कोर्ट एमपी-एमएलए ने अधिवक्ताओं के बयान दर्ज होने के बाद विपक्षी को हाजिर होने का नोटिस भेजा था। बताई गई ट्रैक रिपोर्ट के अनुसार नोटिस उनके दोनों पतों पर डिलीवर हुए थे। कंगना रनौत पर 26 अगस्त को टीवी चौनलों पर दिए साक्षात्कार में किसानों पर अभद्र टिप्पणी करने और इसके पहले 16 नवंबर 2021 को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के अहिंसात्मक सिद्धांत का मजाक उड़ाने का आरोप है।

लौटने में 2 महीने और लगेंगे, 8 दिन का सफर 10 महीने में बदला

नासा ने फिर टाली एस्ट्रोनॉट सुनीता विलियम्स की वापसी

वॉशिंगटन, एजेंसी। भारतीय मूल की अमेरिकी एस्ट्रोनॉट सुनीता विलियम्स को धरती पर लौटने में और ज्यादा वक्त लग सकता है। नासा ने मंगलवार को कहा कि अब अंतरिक्ष यात्रियों को कम से कम मार्च 2025 के अंत का इंतजार करना होगा। यह तारीख अप्रैल की शुरुआत तक भी बढ़ सकती है। नासा ने मुताबिक सुनीता विलियम्स को अंतरिक्ष से वापस लाने के लिए स्पेसएक्स को नया कैप्सूल बनाना है। इसे बनाने में स्पेसएक्स को वक्त लगेगा, जिस वजह से मिशन में देरी होगी। यह काम मार्च के अंत तक पूरा किया जा सकता है। इसके बाद ही स्पेस में फंसे एस्ट्रोनॉट्स को वापस लाया जा सकेगा।

सुनीता विलियम्स 5 जून को बुच विल्मोर के साथ इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन पर गई थीं। उनकी ये यात्रा सिर्फ 8 दिनों की थी लेकिन स्पेसक्राफ्ट में खराबी आ जाने की वजह से वो धरती पर वापस नहीं आ सकीं। दोनों अंतरिक्ष यात्रियों के स्पेस में फंसे हुए छह महीने से ज्यादा हो चुके हैं।

इसके पहले नासा ने सुनीता और बुच विल्मोर को फरवरी 2025 में इलॉन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स के ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट से वापस लाने की जानकारी दी थी। इससे पहले नासा ने 17 दिसंबर को एक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए सुनीता और डॉन पेटिट की तस्वीर शेयर की थी। तस्वीर में दोनों एस्ट्रोनॉट्स क्रिसमस को लेकर उत्साहित दिख रहे थे औरने सैंटा की कैप लगाए हुए थे। नासा ने इस पोस्ट को एक और दिन, एक और स्लेज कैप्शन के साथ शेयर किया था।

सुनीता और विलमोर को स्पेस स्टेशन पर क्यों भेजा गया था: सुनीता और बुश विलमोर बोइंग और द्धस्र के जॉइंट 'क्रू फ्लाइट टेस्ट मिशन' पर गए थे। इसमें सुनीता, स्पेसक्राफ्ट की पायलट थीं। उनके साथ गए बुश विलमोर इस मिशन के कमांडर थे। दोनों को इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन (द्बस्स) में 8 दिन रुकने के बाद वापस पृथ्वी पर आना था। लॉन्च के समय बोइंग डिफेंस, स्पेस एंड सिक्योरिटी के प्रेसिडेंट और छ्रश्वह्र टेड कोलबर्ट ने इसे स्पेस रिसर्च के नए युग की शानदार शुरुआत बताया था।

अयोध्या कैंट स्टेशन यार्ड रीमॉडलिंग कार्य के कारण कुछ ट्रेनें प्रभावित रहेगी

अहमदाबाद, एजेंसी। उत्तर रेलवे लखनऊ मंडल के बाराबंकी-अयोध्या कैंट-जफराबाद सेक्शन में अयोध्या कैंट स्टेशन यार्ड रीमॉडलिंग के संबंध में नॉन-इंटरलॉकिंग कार्य के कारण साबरमती-दरभंगा क्लोन स्पेशल ट्रेन निरस्त रहेगी तथा गुवाहाटी-ओखा द्वारका एक्सप्रेस एवं कामाख्या-गांधीधाम एक्सप्रेस ट्रेनें परिवर्तित मार्ग से चलेगी। जिसका विवरण निम्नानुसार है

निरस्त ट्रेनें: 20, 27 दिसंबर 2024 एवं 3 जनवरी 2025 की ट्रेन संख्या 09465 अहमदाबाद-दरभंगा क्लोन स्पेशल निरस्त रहेगी। 23, 30 दिसंबर 2024 एवं 6 जनवरी 2025 की ट्रेन संख्या 09466 दरभंगा-अहमदाबाद क्लोन स्पेशल निरस्त रहेगी।

परिवर्तित मार्ग से चलने वाली ट्रेनें: 23,30 दिसंबर 2024 एवं 6 जनवरी 2025 को गुवाहाटी से चलने वाली ट्रेन संख्या 15636 गुवाहाटी-ओखा द्वारका एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग वाया जफराबाद-सुलतानपुर-लखनऊ के रास्ते चलेगी। 18, 25 दिसंबर 2024 एवं 1 जनवरी 2025 को कामाख्या से चलने वाली ट्रेन संख्या 15668 कामाख्या-गांधीधाम एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग वाया जफराबाद-सुलतानपुर-लखनऊ के रास्ते चलेगी।

ट्रेनों के ठहराव, संरचना, मार्ग और समय के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

रेलवे महाकुंभ में फ्री ट्रेन यात्रा नहीं कराएगा, कहा

जनरल कोच में 200-250 किमी तक बिना टिकट ट्रैवल की खबर अफवाह

नई दिल्ली, निप्र। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में लगने वाले महाकुंभ मेले के दौरान जनरल डिब्बे में बिना टिकट यात्रा से जुड़ी खबरों पर रेल मंत्रालय ने बुधवार को सफाई दी है। भारतीय रेलवे ने स्पष्ट किया कि यात्रियों को फ्री यात्रा की अनुमति देने वाली खबरें पूरी तरह से आधारहीन और अफवाह हैं। पहले खबर आई थी कि यात्री प्रयागराज से 200 से 250 किमी की दूरी तक की यात्रा मुफ्त में कर सकते हैं। रेल मंत्रालय ने कहा- भारतीय रेलवे के संज्ञान में आया है कि कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि महाकुंभ मेले के दौरान यात्रियों को मुफ्त यात्रा करने की अनुमति दी जाएगी, हम इन रिपोर्ट्स का खंडन करते हैं, क्योंकि वे पूरी तरह से निराधार और भ्रामक हैं।

मंत्रालय ने कहा कि भारतीय रेलवे के नियमों के तहत बिना वैध टिकट के यात्रा करना दंडनीय अपराध है। यात्रियों के लिए अतिरिक्त टिकट काउंटर लगाए जाएंगे रेलवे ने कहा- भारतीय रेलवे ने महाकुंभ के दौरान यात्रियों के लिए कई व्यवस्थाएं की हैं। यात्रियों की बड़ी संख्या को देखते हुए खास तौर पर यात्रा के दौरान रेलवे ने विशेष होल्डिंग क्षेत्र, अतिरिक्त टिकट काउंटर और अन्य जरूरी सुविधाओं की व्यवस्था की है।

उत्तर-मध्य रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी शशिकांत त्रिपाठी ने बताया कि प्रयागराज में 450 करोड़ रुपए की लागत से 21 रेलवे क्रॉसिंग गेट बनाए जा रहे हैं। फिलहाल 15 गेट बन चुके हैं और बाकी के दिसंबर में बन जाएंगे।

यूपी सरकार घुड़सवार पुलिस की तैनाती करेगी उत्तर प्रदेश सरकार महाकुंभ में भीड़ और स्थिति को नियंत्रित करने के लिए घुड़सवार पुलिस की व्यवस्था भी करेगी। इसके लिए अमेरिकन बाम ब्लड और इंग्लैंड के थ्रो नस्ल के घोड़ों के साथ-साथ देसी नस्ल के 130 घोड़े तैनात किए जाएंगे। अब तक 70 घोड़े आ चुके हैं जिसमें से चार अमेरिकन बाम ब्लड नस्ल के हैं। इन्हें 6 महीने की ट्रेनिंग दी जाती है।

पूरा मामला क्या है कई मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि केंद्र सरकार 13 जनवरी से प्रयागराज में शुरू हो रहे महाकुंभ में आने वाले रेल यात्रियों की सुविधा के लिए नए विकल्प पर विचार कर रही है। रेलवे महाकुंभ से लौटने वाले सामान्य श्रेणी (जनरल कोच) के यात्रियों के लिए टिकट खरीदने की अनिवार्यता खत्म कर सकती है। इसके लिए जरूरी औपचारिकताओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

दावा किया गया था कि महाकुंभ के 45 दिनों में देशभर से करीब 45 करोड़ लोगों के पहुंचने का अनुमान है। रेलवे का आकलन है कि कुंभ के दिनों का औसत निकालें तो रोज 5 लाख से ज्यादा यात्री सामान्य श्रेणी के कोचों में सफर करेंगे। इसलिए जनरल टिकट खरीदने की अनिवार्यता को कुंभ के लिए रद्द किया जा रहा है।

बांके बिहारी मंदिर के आसपास पोस्टर लगाकर मंदिर मैनेजमेंट की अपील

मनी स्कर्ट और कटे-फटे जींस पहनकर न आएं

मिथुरा, एजेंसी। बांके बिहारी मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं से कहा गया है कि मिनी स्कर्ट और कटे-फटे जींस पहनकर न आएं। मंदिर प्रबंधन ने श्रद्धालुओं से मंदिर में मर्यादित कपड़े पहनकर आने का आग्रह किया है। इसके लिए श्रद्धालुओं के प्रवेश वाले रास्तों पर बैनर लगाए गए हैं। इन पर लिखा है- सभी महिलाएं और पुरुष मंदिर में मर्यादित कपड़े पहनकर आएं। छोटे कपड़े, हॉफ पैंट, बरमूड़ा, मिनी स्कर्ट, नाइट सूट, कटी-फटी जींस पहनकर न आएं। मंदिर में साड़ी, सूट, पैंट-शर्ट जैसे मर्यादित कपड़े पहनकर ही आएं।

मंदिरों में अमर्यादित कपड़े पहनकर न आने की अपील इससे पहले वृंदावन के राधा दामोदर मंदिर, बरसाना के राधा रानी मंदिर में भी की गई थी। इसके लिए मंदिरों में जगह-जगह बैनर भी लगाए गए थे। लेकिन, मंदिर प्रबंधन की अपील का श्रद्धालुओं पर कोई असर नहीं हुआ। मंदिर आने वाले श्रद्धालु अपने मनमाने कपड़े पहनकर ही दर्शन के लिए आ रहे हैं।

यह धर्म स्थल है, पर्यटक स्थल नहीं: बुधवार को बांके बिहारी मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं की नजर गेट नंबर-3 की तरफ जाने वाले रास्ते पर लगे एक बैनर पर गई। मंदिर प्रबंधन के इस बैनर पर लिखा है- यह धार्मिक स्थल है, पर्यटन स्थल नहीं। मंदिर प्रबंधन ने चमड़े की बेल्ट भी न पहनकर आने की अपील की गई है।

मर्यादा का होगा पालन, भीड़ भी होगी कम: मंदिर प्रबंधन के अनुसार, इस तरह का बैनर मंदिर की मर्यादा बनाए रखने के लिए की गई है। इसके साथ ही यहां आने वाली भीड़ भी नियंत्रित हो सके, इसलिए लगाया गया है। मंदिर के प्रबंधक मुनिश कुमार ने बताया कि कोई भी श्रद्धालु जब मंदिर आता है तो वह तीर्थ करने धर्म स्थल पर आता है। यह पर्यटन स्थल नहीं है। जब आप धर्म स्थल जा रहे हैं तो मर्यादित कपड़े पहने मर्यादा का पालन करें।

साल के अंतिम दिनों उमड़ती है भारी भीड़: साल के आखिर में बांके बिहारी के दर्शन करने आने वालों की संख्या काफी बढ़ जाती है। इसीलिए मंदिर प्रबंधन ने बुजुर्ग और बीमार व्यक्तियों से साल के सबसे बड़े आयोजन वाले कार्यक्रमों में दर्शन करने न आने की अपील की है। पिछले साल अपील की गई थी कि 25 दिसंबर से 5 जनवरी तक मंदिर में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ेगी।

संक्षिप्त समाचार

शासकीय आयुर्वेद चिकित्सालय में वरिष्ठ नागरिक समिति द्वारा किया गया पौधारोपण

नर्मदापुरम। बुधवार 18 दिसम्बर को वरिष्ठ नागरिक समिति नर्मदापुरम के तत्वाधान में एक पेड मां के नाम अभियान के तहत शासकीय आयुर्वेद चिकित्सालय नर्मदापुरम में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्यत: इंसुलिन, एलोवेरा, पारस पीपल, विल्व, खजूर, गुलाब, हल्दी, शतावर तथा स्नेक प्लांट आदि सजावटी पौधे को गमले में रोपित किया गया। इस दौरान जिला आयुष अधिकारी डॉ. विमला गढ़वाल, डॉ. श्रीराम करोंजिया (आर.एम.ओ.) एवं वरिष्ठ नागरिक समिति नर्मदापुरम के सदस्यों में डॉ अरविंद त्रिपाठी, अजय दुबे, दिनेश अग्रवाल, मुकेश काशिव, राजेश पाराशर, अरुण पाराशर, अनूप दुबे, राजेंद्र ठाकुर, अशोक टायडे, भागेश चौरे, आर.के.शर्मा, बसंत दुबे, दीपक बड़कुर, यू.एस. श्रोती, राजकुमार शर्मा, प्रभात पांडे, बंशीलाल झहिरवार, के.के. ठाकुर उपस्थित रहे। पौधारोपण कार्यक्रम मे पैरामेडिकल स्टाफ से आनंद शिंदे, सुनील चौहान एवं जयनारायण कटारे द्वारा श्रमदान कर विशेष योगदान दिया गया।

सुशासन सप्ताह के तहत "प्रशासन गांव की ओर" अभियान आज से

हरदा। प्रत्येक वर्ष 25 दिसम्बर को सुशासन दिवस मनाया जाता है। इस वर्ष भारत सरकार द्वारा 19 से 24 दिसम्बर तक सुशासन सप्ताह मनाया जा रहा है। सुशासन सप्ताह के तहत प्रशासन गांव की ओर अभियान 19 दिसम्बर से प्रारम्भ होगा जो कि 25 दिसंबर तक जारी रहेगा। सुशासन सप्ताह के तहत प्रशासन की टीम गांव-गांव जाकर ग्रामीणों के आवेदन प्राप्त कर उनका निराकरण करेगी। कलेक्टर आदित्य सिंह ने जिले के सभी अधिकारियों को निर्देश दिये कि ''प्रशासन गांव की ओर'' अभियान के तहत गांव-गांव में ग्रामीणों की समस्याओं के निराकरण के लिये शिविर आयोजित करें और ग्रामीणों को उनके गांव में ही शासकीय सेवाएं उपलब्ध कराएं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिये हैं कि ग्रामीणों को अपने आवेदनों के निराकरण के लिये विकासखण्ड या जिला स्तर पर आकर सरकारी कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें, यह सुनिश्चित किया जाए। कलेक्टर सिंह ने बताया कि सुशासन सप्ताह के तहत प्रशासन गांव की ओर अभियान के तहत 19 दिसंबर को हरदा विकासखंड के ग्राम डगावानीमा, झाड़पा नवीन, काकरड़ा, गूथानीया, भाट परेटिया व छिदगांव में शिविर आयोजित होंगे।

कलेक्टर सिंह ने सोयाबीन उपार्जन कार्य का लिया जायजा

हरदा। कलेक्टर आदित्य सिंह ने बुधवार को ग्राम सक्तापुर, सिराली व सुल्तानपुर के वेयरहाउसों का आकस्मिक निरीक्षण कर सोयाबीन उपार्जन कार्य का जायजा लिया। इस दौरान उन्होने उपस्थित किसानों से उपार्जन के दौरान आ रही समस्याओं के बारे में पूछताछ की। ग्राम सक्तापुर के वेयरहाउस में किसान श्री मनोज पटेल ने बताया कि वह सोनतलाई निवासी है और आज सुबह ही आया था, उसकी सोयाबीन की तुलाई हो चुकी है। कलेक्टर सिंह ने इस दौरान तौल कांटे, वारदाने की उपलब्धता, वारदाने की सिलाई व्यवस्था, नमी मापक यंत्र की उपलब्धता के संबंध में कृषि व सहकारिता विभाग के अधिकारियों से जानकारी ली।

आईटीआई कॉलेज हरदा में लर्निंग लायसेंस शिविर आज लगेगा

हरदा। जिला परिवहन कार्यालय द्वारा मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान के तहत लर्निंग लायसेंस शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। जिला परिवहन अधिकारी श्री राकेश अहाके ने बताया कि मुख्यमंत्री जन कल्याण अभियान के तहत 19 दिसम्बर को शासकीय आईटीआई महाविद्यालय हरदा में लर्निंग लायसेंस बनाने के लिये शिविर आयोजित किया जा रहा है।

सुशासन सप्ताह अभियान 19 से 24 दिसंबर तक चलेगा

सुशासन सप्ताह प्रशासन गांव की ओर थीम पर आधारित होगा

मुख्य सचिव ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से दिए निर्देश

नर्मदापुरम ■ अमृत दर्शन

जिले में सुशासन सप्ताह 19 दिसंबर से प्रारंभ होगा जो 24 दिसंबर तक चलेगा। सुशासन सप्ताह के अंतर्गत ग्रामों में शिविर आयोजित कर आम जनता से समस्या एवं शिकायतों के आवेदन लिए जाएंगे एवं सभी शिकायतों का निराकरण कर भारत सरकार के पोर्टल पर अपलोड किए जाएंगे। सुशासन सप्ताह का थीम है प्रशासन गांव की ओर। ततसंबंध में बुधवार को मुख्य सचिव अनुराग जैन ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश के सभी संभाग के कमिशनर एवं सभी जिलों के कलेक्टर को सुशासन सप्ताह के आयोजन के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

मुख्य सचिव ने कहा कि सुशासन सप्ताह को पूर्व से चल रहे मुख्यमंत्री जन कल्याण अभियान के साथ-साथ चलाया जाएगा। 19 दिसंबर से 24 दिसंबर तक आयोजित होने वाले सुशासन सप्ताह अभियान में मुख्यत: मुख्यमंत्री जन कल्याण अभियान हेतु आयोजित शिविरों के साथ विशेष शिविर आयोजित कर आम जनता से आवेदन लिए जाएंगे। प्राप्त आवेदनों का प्राथमिकता से निराकरण कर निराकृत किए गए आवेदनों, शिकायती सेवाओं को भारत सरकार के पोर्टल पर दर्ज किया जाएगा। उक्त कार्य सभी जिले प्राथमिकता से करेंगे। मुख्य सचिव ने अवगत कराया की विशेष शिविर में जनसुनवाई से प्राप्त आवेदन, सीपीग्राम पोर्टल पर प्राप्त शिकायत का निराकरण, सीएम हेल्पलाइन पोर्टल का निराकरण एवं सीपीग्राम से निराकृत सेवाओं का भी विवरण पोर्टल पर दर्ज किया जाएगा। मुख्य सचिव ने निर्देश दिए की प्रदेश के सभी जिले 23 दिसंबर को विशेष कार्यशाला आयोजित करें एवं आयोजित कार्यशाला का विशेष तौर पर प्रचार प्रसार करना सुनिश्चित करें। साथ ही सुशासन की श्रेष्ठ प्रथाओं का संकलन कर उन्हें पोर्टल पर फोटो सहित सांझा करें एवं निराकृत की गई सभी सेवाओं का विवरण संकलित करें।

सार्वजनिक शिकायतों के समाधान पर सफलता की कहानी भी बनाई जाए। हितग्राही को लाभ प्राप्त होने वाली ही सफलता की कहानी बनाई जाए। सफलता की कहानी ऐसी बनाई जाए जिससे हितग्राही को लाभ प्राप्त हो रहा हो। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के दौरान नर्मदापुरम संभाग के एनआईसी कक्ष में कमिशनर के जी तिवारी, संयुक्त आयुक्त विकास जी सी दोहर एवं कलेक्टर कार्यालय के एनआईसी कक्ष में कलेक्टर सोनिया मीना, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सोजान सिंह रावत, अपर कलेक्टर देवेंद्र कुमार सिंह, सिटी मजिस्ट्रेट बृजेंद्र रावत, संयुक्त कलेक्टर अनिल जैन, डिप्टी कलेक्टर डॉक्टर बबीता राठौर सहित संबंधित अधिकारी गण उपस्थित रहे।

अब कलेक्टर जिले का विजन बनाएं

मुख्य सचिव ने सभी कलेक्टर्स को निर्देश दिए की लगभग सभी जिलों ने पोर्टल पर लॉगिन कर लिया है। अब कलेक्टर जिले का विजन बनाएं। सभी कलेक्टर गुड गवर्नेंस की प्रैक्टिसेस को पोर्टल में डालें। 11 दिसंबर से शुरू हुए जनकल्याण अभियान एवं सीपीग्राम एवं जनसुनवाई के कार्य जो लगातार चल रहे हैं साथ ही राजस्व महा अभियान 3.0 में जो कार्य चल रहे हैं और उसमें अच्छे रिजल्ट्स को गुड प्रैक्टिस के हिसाब से पोर्टल में अपलोड किया जाए। स्वास्थ्य शिविरों के माध्यम से सीधे हितग्राहियों को जो लाभ प्राप्त हुआ है उसकी भी जानकारी संकलित की जाए।

ज्यादा से ज्यादा व्यक्ति शिविरो का लाभ प्राप्त करें

नर्मदापुरम संभाग कमिशनर के जी तिवारी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से मुख्य सचिव को अवगत कराया की नर्मदापुरम, हरदा एवं बैतूल तीनों जिलों ने पोर्टल पर लॉगिन कर लिया है और बेस्ट प्रैक्टिसेज को पोर्टल पर डालने की कार्रवाई की जाएगी। कमिशनर ने बताया कि संभाग में मुख्यत: सीपीग्राम, जनसुनवाई, लोक सेवा गारंटी आदि के प्रकरण पर विशेष फोकस किया जाएगा। साथ ही जो शिविर चल रहे हैं उन शिविर को और ज्यादा ध्यान केंद्रित बनाकर उसका प्रचार प्रसार किया जाएगा ताकि ज्यादा से ज्यादा व्यक्ति शिविरो का लाभ प्राप्त करें अपनी समस्या एवं शिकायतों का निराकरण करा सके।

केसला में अवैध रेत परिवहन करते दो ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त

रेत कंपनी की उड़नदस्ता ने एक पर 20 हजार का जुर्माना लगाया

नर्मदापुरम ■ अमृत दर्शन

नर्मदापुरम के धांसई में बुधवार को नदी से रेत का अवैध उत्खनन और परिवहन करते दो ट्रैक्टर ट्राली पकड़े गए। दोनों ट्रॉली में चोरी की रेत भरी मिली। जिसे जब्त कर थाने में खड़ा करवा दिया गया है।

जानकारी के मुताबिक केसला के पास धांसई रोजाना नदी से बड़े स्तर पर रेत का अवैध उत्खनन होता है। जिसकी सूचना मिलने पर बुधवार की सुबह खनिज निरीक्षक पिंकी चौहान अपने टीम के साथ पहुंची।

दो ट्रैक्टर-ट्राली जब्त: टीम ने मौके से दो ट्रैक्टर ट्राली को पकड़ा। दोनों ट्रैक्टर ट्राली को जब्त कर उनके खिलाफ खनिज अधिनियम के तहत केस दर्ज किया गया। ट्रैक्टर के मालिक कौन का है और कौन रेत चोरी करवा रहा था, इसका पता खनिज निरीक्षक पिंकी चौहान नहीं लगा पाई। सूत्रों के मुताबिक एक ट्रैक्टर-ट्राली किसी एक सरपंच की बताई जा रही है।

एक पर 20 हजार का जुर्माना: इसके अलावा रेत कंपनी के उड़नदस्ते ने भी सुखतवा में एक ट्रैक्टर ट्राली को पकड़ा। जिसपर 20 हजार रुपए का जुर्माना किया गया है।

सरपंच संघ ने ग्राम सचिव की मनमानी के विरोध में

अनुविभागीय अधिकारी सरोज परिहार को सौंपा ज्ञापन

सिवनी मालवा ■ निसं

सिवनी मालवा जनपद पंचायत के सरपंच संघ के द्वारा ग्राम पंचायत सचिव की मनमर्जी से कार्य करने और ग्राम पंचायत के कामों में गतिरोध उत्पन्न करने के संबंध में मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव के नाम अनुविभागी अधिकार सरोज परिहार को ज्ञापन सौंपा। सरपंच संघ द्वारा ज्ञापन के माध्यम से मांग की है कि ब्लॉक की ग्राम पंचायत रामपुर के सचिव को हटाया जाने की मांग की। सरपंच संघ के अध्यक्ष उमेश कुमार अंकिले ने बताया कि ग्राम पंचायत के सचिव द्वारा विकास कार्यों में मनमर्जी से काम किया जा रहा है और सरपंच एवं ग्राम पंचायत की बैठक में ग्राम के कार्यों के प्रस्ताव अनुरूप कार्य नहीं कर रहे हैं और ना ही सरपंच को इस संबंध में जानकारी दी जा रही है।

संघ द्वारा मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव एवं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ग्राम स्वराज की अवधारणा और नारी शक्ति करण के विरुद्ध महिला सरपंच की बात नहीं मानने से पंचायत में विकास कार्य दो वर्षों से सचिव की मनमर्जी के चलते अवरूद्ध हो रहे है। ग्राम पंचायत में जिस गति से विकास किया जाना चाहिए था उस गति से नहीं हो रहा है। ग्राम पंचायत सचिव के द्वारा महिला सरपंच से जातिगत शब्दों में अपमानित करना किसी भी प्रकार का काम नहीं करना ना ही किसी काम के लिए फोन लगाना सरपंच को बदनाम करना विकास कार्य की राशि का भुगतान नहीं करने की शिकाय कर। सचिव को ग्राम पंचायत से शीघ्र हटाने की मांग की गई है। ज्ञापन देने वालों मेसरपंच संघ अध्यक्ष उमेश अंकिले, राकेश गोर धन सिंह सूरमा, कमल, नवीन यदुवंशी, कास्दे गोविंद सरोज बाई बरतानिया, मुकेश कलमें मोहन परतें अशोक परतें परसराम वारसकर सुभाष राजपूत चन्द्र शेखर व्यास और आदी सरपंच उपस्थिति थे।

मालपाट स्कूल में कैरियर काउंसलिंग कार्यक्रम का हुआ आयोजन

सिवनी मालवा। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मालापाट में बुधवार को कक्षा 10 वीं, 11वी एवं 12वी के विद्यार्थियों के लिए कैरियर काउंसलिंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्राचार्य डी.एस. परमार अर्चनागांव द्वारा विद्यार्थियों को कैरियर सम्बंधित मार्गदर्शन प्रदान किया गया। इसके साथ ही विद्यालय में छात्रों को निशुल्क साईकिल वितरण कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया। जिसमें ग्राम सरपंच चंद्रशेखर व्यास, पालक शिक्षक संघ अध्यक्ष चंद्रशेखर साध, सुनील साध ग्रामवासी एवं शाला प्रभारी प्राचार्य सुभाष चंद्र राठौर सहित समस्त स्टॉफ उपस्थित रहे।

सेंट्रल गवर्मेंट की महिला कर्मचारी के साथ दुष्कर्म

हरदा ■ निसं

हरदा में एक महिला के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है। पीड़ित महिला केंद्र सरकार के एक उपक्रम में कर्मचारी है। पीड़िता की शिकायत पर महिला थाने में आरोपी के खिलाफ नामजद एफआईआर दर्ज की गई है। पुलिस ने आरोपी सुनील कुमार यदुवंशी को बीएनएस की धारा 64(1)352(2)के तहत मामला दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया है। पीड़िता ने अपनी शिकायत में बताया कि वह टिमरनी थाना क्षेत्र में एक साल से केंद्रीय सरकार के उपक्रम में नौकरी कर रही है। आरोपी उनके संस्थान के साथ प्राइवेट काम करता है, जिसकी वजह से उसकी जान पहचान थी। 23 अक्टूबर को सुबह 11 बजे आरोपी ने उसे किसी कस्टमर का काम होने के चलते अपनी दुकान पर बुलाया।

दुकान में बुलाकर किया रेप, आरोपी गिरफ्तार

महिला का आरोप है कि दुकान पर बुलाने के बाद सुनील कुमार यदुवंशी ने उसके साथ दुष्कर्म किया। जब पीड़िता ने चिल्लाने की कोशिश की तो आरोपी ने उसका मुंह दबा दिया और फोटो वायरल करने की धमकी भी दी। पुलिस आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है।

महिला ने किसानों से की लाखों रुपए की ठगी

मूंग खरीदने पर दिए चेक हुए बाउंस, अब झूठे केस में फंसाने की धमकी दे रही

नर्मदापुरम ■ अमृत दर्शन

नर्मदापुरम में हरदा बायपास निवासी आचार-पापड़ का व्यापार करने वाली एक महिला ने माखननगर के कुछ किसानों से लाखों रुपए की धोखाधड़ी की है। किसानों से महिला ने लाखों रुपए की मूंग खरीदी की और बदले में चेक दे दिए। जब किसान बैंक चेक भुगतान कराने गए तो खाते में रुपए न होने से चेक बाउंस हो गए।

किसानों ने महिला से संपर्क कर रुपए मांगे तो उसने रुपए देने के बजाय दुष्कर्म-छेड़छाड़ जैसे झूठे केस में फंसाने की धमकी दी। पीड़ित तीन-चार किसानों ने देहात थाने पहुंचकर अलग-अलग आवेदन दिए हैं।

पुलिस के मुताबिक ग्राम फुरतला के किसान राजेश सिंह राजपूत ने बताया कि अग्रवाल एक्जाटिक हरदा बायपास निवासी महिला ने कहा कि उनका पापड़ और आचार का बिजनेस है। जिसके लिए उन्होंने 23 लाख रुपए की अच्छी क्वालिटी की मूंग और गेहूं खरीदा था।

महिला ने उन्हें 5-5 लाख रुपए के तीन और आठ लाख रुपए का एक चेक दिया। यह सभी चेक बाउंस हो गए। रुपए मांगने जाते है तो महिला धमकी देती है। पुलिस को कुछ रुपए देकर हमें झूठे दुष्कर्म के केस में फंसाने और जेल भिजवाने का बोलती है।

ग्राम झालसर सेठ के किसान अन्नू वर्मा ने बताया कि महिला ने मुझसे मूंग खरीदकर 3,70,000 का चेक दिया था, बैंक से बाउंस हो गया। महिला से रुपए मांगे तो महिला ने रेप के मामले में फंसाने की धमकी दी। इसी तरह किसान विजय निमोदा ने भी महिला की लिखित शिकायत की।

किराए के मकान पर कब्जा करने का आरोप

दिलीप सराठे ने शिकायत की कि उनका एक मकान वार्ड नंबर 14 मेकलसुता कॉलोनी में बना है। मकान पर महिला ने कब्जा कर रखा है। दिलीप सराठे का आरोप है कि महिला ने 11 महीने का एग्रीमेंट कर मकान किराए से लिया। अब वो न किराया समय पर, न बिजली बिल जमा कर रही। मकान खाली करने पर उल्टा हमसे रुपए की अड़ीबाजी कर रही है। इस सबंध में देहात थाना प्रभारी प्रवीण चौहान ने बताया कि पीड़ित किसानों ने मूंग खरीदी के बाद भुगतान नहीं करने का धोखाधड़ी का आरोप लगाया है।

टिमरनी नपा पर शासकीय जमीन के दुरुपयोग का आरोप

कांग्रेस नेता सुभाष जायसवाल ने कलेक्टर को लिखा पत्र, कार्रवाई की मांग की

हरदा ■ निसं

जिले की टिमरनी नगर परिषद पर सार्वजनिक हित की जमीन के दुरुपयोग करने का आरोप लगा है। नगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सुभाष जायसवाल ने आरोप लगाया कि नगर परिषद को बस स्टैंड के लिए लीज पर मिली 66000 वर्ग फीट जमीन का उपयोग सार्वजनिक हित में न होकर निजी हित के लिए हो रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि उक्त जमीन पर नगर परिषद ने बस स्टैंड के लिए लगभग 40 लाख रुपए खर्च कर दिए। लेकिन, आज तक बस स्टैंड शुरू नहीं हुआ। लाखों रुपए की लागत से स्वामी विवेकानंद जी की मूर्ति लगा दी गई, जो धूल खा रही है।

जायसवाल का आरोप- बस स्टैंड की भूमि का निजी उपयोग कर रही नपा। पूर्व अध्यक्ष सुभाष जायसवाल ने जिले के वरिष्ठ अधिकारियों और नगरीय प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों को पत्र लिखकर नगर परिषद पर लीज की शर्तों के उल्लंघन की शिकायत भी की है। उन्होंने बताया कि पहले नगर परिषद में उक्त भूमि मेला लगाने के लिए दे दी थी। अब वहीं भूमि पिछले महीने से ब्रिज बनाने वाली एक कंपनी के ठेकेदार को दे दी है। जहां पर ठेकेदार ने बस स्टैंड की उक्त भूमि पर अपना स्टोर बना लिया है और अन्य सामग्री तथा मशीन रख दी हैं।

जायसवाल ने आरोप लगाया कि नगर परिषद अध्यक्ष देवेंद्र भारद्वाज ने परिषद की स्वीकृति के बिना बिना अधिकारियों की सहमति के बिना मनमाने तरीके से उक्त भूमि को निजी उपयोग के लिए दे दी। जबकि, लीज की शर्तों में स्पष्ट उल्लेख है कि उक्त भूमि का उपयोग सिर्फ बस स्टैंड के लिए किया जा सकता है।

सार्वजनिक हित के लिए उक्त भूमि शासन ने आवंटित की गई है, लेकिन नगर परिषद सार्वजनिक हित की अनदेखी करते हुए लाखों रुपए खर्च करने के बाद भी बस स्टैंड आरंभ ना करते हुए व्यक्तिगत लाभ के लिए उपयोग कर रही है।

सिवनी मालवा विधानसभा क्षेत्र को मिली बड़ी सौगात

विभिन्न सड़कों के निर्माण को मिली स्वीकृति, क्षेत्र के लोगों को आवागमन में मिलेगी बड़ी सुविधा

सिवनी मालवा ■ निसं

विधानसभा क्षेत्र सिवनी मालवा के लिए 2024-25 के अनुपूरक बजट में सड़क निर्माण की कई परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है। इन परियोजनाओं से क्षेत्र के ग्रामीणों को आवागमन की बेहतर सुविधा मिलेगी और विकास की प्रक्रिया को नया आयाम मिलेगा। क्षेत्रीय विधायक प्रेमशंकर वर्मा और मध्य प्रदेश सरकार की पहल से यह महत्वपूर्ण कार्य संभव हुआ है।

निर्माण हेतु स्वीकृत सड़कों की सूची

■ ग्राम बुंडाराकला से ग्राम पिपलबेर मार्ग- 2.50 किलोमीटर लंबा यह मार्ग 263.73 लाख रुपये की लागत से बनेगा।

■ सेमरी खुर्द से सूपर नहर (इटारसी डोलरिया) मार्ग**- 3.50 किलोमीटर लंबाई के इस मार्ग के निर्माण पर 450.00 लाख रुपये खर्च होंगे।

■ शैल-खरार मिसरोद मार्ग 4.20 किलोमीटर लंबे इस मार्ग पर 373.65 लाख रुपये की राशि स्वीकृत हुई है।

■ ग्राम म्याउं गांव से बिसौनीकलां से नाहरकोला खुर्द मार्ग 7.00 किलोमीटर लंबे इस मार्ग का निर्माण 945.00 लाख रुपये की लागत से किया जाएगा।

■ नर्मदापुरम-हरदा रोड (गीता टॉकिज से शिवपुर रोड तक बायपास और पुल निर्माण)- 10.00 किलोमीटर लंबे इस बायपास के लिए 2575.00 लाख रुपये आवंटित हुए हैं।

■ ग्राम चौतलाय से सोयत मार्ग- 3.00 किलोमीटर लंबा यह मार्ग 405.00 लाख रुपये की लागत से बनेगा।

■ चौतलाय से झिल्लास मार्ग**- 3.00 किलोमीटर लंबे इस मार्ग का निर्माण भी 405.00 लाख रुपये में होगा।

सरकार और विभागों का आभार: सड़कों के निर्माण की इस बड़ी सौगात के लिए विधायक ने मुख्यमंत्री मोहन यादव, लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह और सरकार के सभी संबंधित विभागों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

यह परियोजनाएं क्षेत्रीय विकास को नई गति देंगी और ग्रामीणों के जीवन को सुविधाजनक बनाएंगी।

विकास के लिए विधायक का आभार

इन परियोजनाओं के लिए क्षेत्र के लोगों ने विधायक प्रेमशंकर वर्मा और राज्य सरकार का आभार व्यक्त किया है। ग्राम पंचायत सोयत को दो मार्गों की मंजूरी मिलने पर स्थानीय ग्रामीणों ने विशेष रूप से विधायक को धन्यवाद दिया।

विकास कार्यों की सराहना

इस अवसर पर ग्रामीणों ने कहा कि इन सड़कों के निर्माण से न केवल आवागमन सुगम होगा, बल्कि क्षेत्रीय व्यापार, कृषि और सामाजिक गतिविधियों को भी प्रोत्साहन मिलेगा। विधायक प्रेमशंकर वर्मा ने कहा, हम क्षेत्र के हर गांव और कस्बे को सड़क संपर्क से जोड़ने के लिए प्रतिबद्ध हैं। विकास की यह प्रक्रिया अनवरत जारी रहेगी।

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी डी.पी.गोयल द्वारा प्रभा काम्पलेक्स के पास, मीनाक्षी चौक, आई.टी.आई. रोड, होशंगाबाद से प्रकाशित तथा श्री बालाजी प्रिन्टर्स, 21-एच, इंडस्ट्रीयल एरिया, गोविन्दपुरा, भोपाल- 462023 (म.प्र.) से मुद्रित। संपादक- डी.पी.गोयल। मो.9827054436 भोपाल कार्यालय : 4240007.
डाक पंजीयन - MP/HSD04/2023-2025 व्यवस्थापक- डी.सी. पारे, मो. 8878623331 Email: amritdarshan@yahoo.com (सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र भोपाल रहेगा।)।